फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई-पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें - www.bhedinazar.com

दिल्ली, रविवार 6 जुलाई 2025

दिल्ली, हरियाणा, चड़ीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश का प्रमुख हिन्दी दैनिक

वर्ष : 22 अंक : 85 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. DEL/HIN/2004/13528 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 | पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

एक और देश पर चला मोदी का जादू

यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता का किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए एक और देश ने समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के बीच त्रिनिदाद एवं टोबैगो ने यह घोषणा की है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी समकक्ष कमला प्रसाद बिसेसर के बीच वार्ता के बाद बुनियादी ढांचे और औषधि समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए छह समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए। दोनों नेताओं ने कृषि, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल परिवर्तन, एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई), क्षमता निर्माण और लोगों के बीच संपर्क जैसे क्षेत्रों में संभावित सहयोग पर चर्चा की। शनिवार को जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि त्रिनिदाद और टोबैगो ने विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारत को अपना पूर्ण समर्थन देने की पुष्टि की है। वैश्विक मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श करते हुए मोदी और बिसेसर ने संयुक्त राष्ट्र में व्यापक सुधारों की आवश्यकता पर बल दिया, जिसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का

विस्तार भी शामिल है ताकि वर्तमान वास्तविकताओं को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित किया जा सके।

संयुक्त वक्तव्य में कहा गया, ''बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक संघर्षों को स्वीकार करते हुए दोनों नेताओं ने बातचीत और कूटनीति को आगे बढ़ने का रास्ता बताया।'' इस बात पर भी सहमति बनी कि भारत 2027-28 की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट के लिए त्रिनिदाद और टोबैगो की उम्मीदवारी का समर्थन करेगा तथा यह द्वीपीय राष्ट्र 2028-29 की अवधि के लिए नई दिल्ली की दावेदारी का समर्थन करेगा। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''प्रधानमंत्री की त्रिनिदाद और टोबैगो की ऐतिहासिक यात्रा से दोनों देशों के बीच विशेष संबंधों को बढ़ावा मिला है।'' पीएम मोदी पांच देशों की यात्रा के दूसरे चरण में बृहस्पतिवार को पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंचे। यह 1999 के बाद से किसी भारतीय प्रधानमंत्री की त्रिनिदाद एवं टोबैगो की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के दौरान बिसेसर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की त्रिनिदाद एवं टोबैगो की ''ऐतिहासिक यात्रा'' दोनों देशों के बीच गहरे द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करेगी।

वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर भारत के लोगों के प्रति त्रिनिदाद एवं टोबैगो के मजबूत समर्थन व एकजुटता की सराहना की। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों नेताओं ने आतंकवाद से लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।'' प्रधानमंत्री मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू से भी मुलाकात की। मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा कि भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के बीच दोस्ती को नयी गति मिली है। उन्होंने कहा, ''त्रिनिदाद एवं टोबैगो को धन्यवाद। यहां बिताए गए पल कभी भुलाए नहीं जा सकेंगे।

कंपनी को कर्ज उतारने का हक, हमने वही किया

- नेशनल हेराल्ड केस की सुनवाई में बोलीं सोनिया गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट में दलील दी कि एजेएल (एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड) का कर्ज चुकाना एक वैध कारोबारी फैसला था। हर कंपनी को कानूनन अपना कर्ज उतारने का अधिकार है और हमने भी वही किया। एजेएल की संपत्ति अभी भी हमारे पास है और कोई ट्रांसफर नहीं हुआ है। सिंघवी के मुताबिक एजेएल के 90 करोड़ रुपए के कर्ज को यंग इंडियन नाम की गैर-लाभकारी कंपनी ने लिया, ताकि एजेएल कर्ज मुक्त हो सके।

अब सभी वक्फ संपत्ति का होगा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

- 90 दिन का मिलेगा समय,केन्द्र ने किए नए नियम अधिसूचित

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट रूल्स, 2025 का नोटिफिकेशन जारी किया है। ये नियम वक्फ संपत्तियों के पोर्टल और डेटाबेस, उनके पंजीकरण, ऑडिट और खातों के रखरखाव से जुड़े हैं। नए नियमों के तहत एक केंद्रीकृत पोर्टल और डेटाबेस बनाया गया है, जिसमें देशभर की वक्फ की पूरा रिकॉर्ड दर्ज होगा। इसमें वक्फ संपत्तियों की सूची अपलोड करना, नया पंजीकरण, वक्फ रजिस्टर का रखरखाव, खातों की जानकारी देना, ऑडिट रिपोर्ट प्रकाशित करना और बोर्ड के आदेशों को दर्ज करना शामिल है। वक्फ संपत्ति का प्रबंधक (मुतवल्ली) अपने मोबाइल नंबर और ईमेल के जरिए लॉगिन करके पोर्टल पर रजिस्टर करेगा। इसके बाद वक्फ और उसकी संपत्ति का विवरण अपलोड कर सकेगा। नई वक्फ संपत्ति को बनने के तीन महीने के अंदर पोर्टल पर फॉर्म 4 में पंजीकरण कराना होगा। वक्फ बोर्ड पोर्टल पर फॉर्म 5 में वक्फ का रजिस्टर बनाए रखेगा। नए नियम वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 के तहत बनाए गए हैं, जो 8 अप्रैल 2025 से लागू हुआ है। नए नियमों में सरकारों की जिम्मेदारी तय केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में वक्फ डिवीजन के प्रभारी संयुक्त सचिव इस पोर्टल और डेटाबेस की निगरानी और नियंत्रण करेंगे। राज्य को संयुक्त सचिव स्तर का नोडल अधिकारी नियुक्त करना होगा।

अमरनाथ यात्रा रूट पर हादसा काफिले की बसें टकराईं

- 36 लोग घायल, पहलगाम रूट पर हादसा,बस के ब्रेक फेल हुए

श्रीनगर (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रियों को लेकर जा रहे काफिले की चार बसों में टक्कर हो गई। रामबन जिले में चंदरकोट लंगर के पास हुए हादसे में करीब 36 यात्री घायल हो गए हैं। हादसा तब हुआ, जब ब्रेक फेल होने के कारण एक बस का ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा। इससे काफिले में शामिल तीन और बसें आपस में टकरा गईं। खबर मिलते ही रेस्क्यू टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और

घायल तीर्थयात्रियों को इलाज के लिए जिला अस्पताल रामबन ले जाया गया है। बाकी यात्रियों को दूसरी गाड़ियों से पहलगाम के लिए रवाना किया गया है। इससे पहले भारी बारिश के बावजूद 6,900 से तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था शनिवार को भगवती नगर बेस कैंप से रवाना हुआ है। इस जत्थे में 5196 पुरुष, 1427 महिलाएं, 24 बच्चे, 331 साधु और साध्वी तथा एक ट्रांसजेंडर शामिल है।

सोनम रघुवंशी पर फूटा कांग्रेस पार्षद का गुस्सा

- कहा-चौराहे पर कोड़े मारकर दो फांसी,इंदौर को बदनाम किया

भोपाल। इंदौर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में अब जनप्रतिनिधियों का गुस्सा भी सामने आने लगा है। कांग्रेस की महिला पार्षद रूबिना इकबाल ने सोनम पर कड़ा बयान देते हुए कहा कि उसने केवल अपने पति की हत्या नहीं की, बल्कि इंदौर की छवि और समाज में रिश्तों की मर्यादा को भी ठेस पहुंचाई है। उन्होंने सोनम के लिए सख्त सजा की मांग करते हुए कहा कि उसे चौराहे पर खड़ा कर कोड़े मारे जाएं और फिर फांसी दी जाए। पार्षद रूबिना इकबाल ने कहा कि इंदौर पूरे देश में स्वच्छता और संस्कारों के लिए जाना जाता है। लेकिन सोनम ने पूरे शहर को शर्मसार कर दिया।

अगर मराठी के लिए लड़ना गुंडागर्दी,तो हम गुंडे हैं

उद्धव और राज ठाकरे ने कहा-हिंदी थोपना बर्दाश्त नहीं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में हिंदी को लेकर जारी विवाद के बीच उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी एकता पर शनिवार को मुंबई के वर्ली सभागार में रैली की। दोनों ने 48 मिनट तक हिंदी-मराठी भाषा विवाद, मुंबई-महाराष्ट्र, भाजपा और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। कहा कि तीन भाषा का फॉर्मूला केंद्र से आया। हिंदी से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इसे थोपा नहीं जाना चाहिए। अगर मराठी के लिए लड़ना गुंडागर्दी तो हम गुंडे हैं। उद्धव और राज 20 साल बाद एक मंच पर नजर आए। आखिरी बार 2006 में बाला साहेब ठाकरे की रैली में साथ दिखे थे। उद्धव को शिवसेना का मुखिया बनाने के बाद राज ने अलग पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना बनाई थी। तब दोनों के रिश्ते अच्छे नहीं थे। ये तीन भाषा का फॉर्मूला कहां से आया, ये सिर्फ केंद्र सरकार से आया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में आज सब कुछ अंग्रेजी में है। किसी और राज्य में ऐसा नहीं है। सिर्फ महाराष्ट्र में ही ऐसा क्यों। जब महाराष्ट्र जागता है, तो दुनिया देखती है।

13वीं बार आरजेडी के अध्यक्ष बने लालू यादव

- पटना में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में हुआ ऐलान

पटना (एजेंसी)। लालू यादव 13वीं बार आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। शनिवार को पटना के बाबू सभागार में आरजेडी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में इसका ऐलान किया गया। वे 2028 तक आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद लालू यादव और राबड़ी ने कार्यकर्ताओं और पार्टी नेताओं का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। अधिवेशन की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. रामचंद्र पूर्वे ने की।

बिहार में बड़े बिजनेसमैन गोपाल खेमका की हत्या

- मिलने पहुंचे डिप्टी सीएम पर फूट पड़ा मां का गुस्सा

पटना (एजेंसी)। बिहार में शुक्रवार रात साढ़े 11 बजे बिजनेसमैन गोपाल खेमका की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस मामले में शनिवार को पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। पुलिस सूत्रों की माने तो मर्डर शूटर से कराया गया था। जिसकी गिरफ्तारी के लिए एसआईटी की टीम लगातार छापेमारी कर रही है। एसपी जितेंद्र राणा ने बताया कि हत्याकांड के कई पहलू सामने आए हैं। जिस पर जांच हो रही है। शूटर ने गोली मारी है। उसके साथ कुछ लाइजनर भी थे। शूटर से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे हैं। शूटर और शूटर को भेजने वालों की जानकारी मिल चुकी है। हत्या क्यों की गई ये भी लगभग सामने आ चुका है। जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी होगी। कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा भी परिवार से मिलने पहुंचे। इस दौरान उन पर खेमका का मां का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने कहा कि मेरा बेटा भी बीजेपी में था। मुझे इंसाफ चाहिए। पटना में गोपाल खेमका को उनके अपार्टमेंट के गेट के ठीक सामने अपराधी ने गोली मारी थी। खेमका गांधी मैदान थाना क्षेत्र के रामगुलाम चौक के पास कटारुका निवास में रहते थे। आनन-फानन में परिजन उन्हें पटना के मेडिवर्सल अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। गोपाल खेमका देर रात खुद गाड़ी ड्राइव करते हुए बांकीपुर क्लब से घर लौटे थे। वो जैसे ही अपार्टमेंट के पास पहुंचे, घात लगाए अपराधी ने सिर में गोली मार दी।

देव मैडिकेयर

कैमिस्ट एण्ड कौस्मैटिक

10 प्रतिशत छूट सभी दवाईयों पर | फ्री होम डिलेवरी *

ALL KINDS OF

- MEDICINES
- COSMETICS
- AYURVEDIC MEDICINES
- INSULIN, GLUCOMETER, STRIPS
- B.P.MONITOR, NEBULIZER, SURGICAL GOODS, STRICLS, WHEEL CHAIR, WALKER, ETC

रविवार को दुकान दोपहर 3 बजे तक खुलती है।

आपकी अपनी दुकान

दुकान नं. 260, हुडा मार्किट, सैक्टर-7, फरीदाबाद
आशीष सिंह: 9650518651

सरहद पार से नशा तस्करी करने वाले नैटवर्क का अमृतसर में पर्दाफाश ; 5 किलो हेरोइन सहित चार गिरफ़्तार

पाकिस्तान आधारित तस्कर काका के निर्देशों पर काम कर रहे थे गिरफ़्तार किये दोषी- डीजीपी गौरव यादव

चंडीगढ़/ अमृतसर, 5 जुलाई: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चल रही मुहिम के दौरान काउन्टर इंटेलिजेंस (सीआइ) अमृतसर ने पाकिस्तान के साथ संबंधों वाले एक नशा तस्करी माड्यूल का पर्दाफाश किया और इसके चार गुर्गों को 5 किलो हेरोइन सहित गिरफ़्तार किया है। यह जानकारी डायरैक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने शनिवार को यहाँ दी।

गिरफ़्तार किये गए व्यक्तियों की पहचान रेशम सिंह, गुरपिन्दर सिंह दोनों निवासी धनोए कलाँ (अमृतसर), रूपप्रीत सिंह और शुभकर मनजीत सिंह दोनों निवासी सहिनेवाली (अमृतसर) के तौर पर हुई है। पुलिस टीमों ने 5 किलो हेरोइन बरामद करने के इलावा उनकी महिन्द्रा थार (पीबी- ऐफसी- 7002) और हीरो सपलैंडर मोटरसाईकल (पीबी- डीवी- 6761) को भी ज़ब्त किया है, जिनका प्रयोग खेपों को लाने- लेजाने के लिए किया जाता था।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्राथमिक जांच से पता लगा है कि मुलजिम पाकिस्तान स्थित तस्कर काका, जोकि पाकिस्तान के दयाल का रहने वाला है, के निर्देशों अधीन काम कर रहे थे। ज़िक्रयोग्य है तस्कर काका सरहद पार से नशीले पदार्थों की खेप फेंकने के लिए ड्रोन का प्रयोग करता था। उन्होंने कहा कि गिरफ़्तार किये गए मुलजिम नशीले पदार्थों की खेपें राज्य में आगे अन्य नशा कारोबारियों तक पहुँचाते थे।

डीजीपी ने ऑपरेशन सम्बन्धी विवरण सांझे करते हुये कहा कि काउन्टर इंटेलिजेंस, अमृतसर की टीमों को अमृतसर के गाँव धनोए कलाँ के नज़दीक पड़ते भारत- पाकिस्तान सरहदी क्षेत्र के नज़दीक कुछ व्यक्तियों की तरफ से नशीले पदार्थों की खेप प्राप्त करने के बारे पुख़्ता सूचना मिली थी। उन्होंने कहा कि तेज़ी से कार्यवाही करते हुए पुलिस टीमों ने अटारी से पुल कंजरी रोड, अमृतसर की ओर जाते हुये चार व्यक्तियों को रोक कर तब काबू कर लिया, जब वह अपने वाहनों पर खेप पहुँचाने जा रहे थे और उनके कब्ज़े में से हेरोइन की खेप भी बरामद की। उन्होंने बताया कि इस मामले में नैटवर्क के अगले- पिछले संबंधों का पता लगाने के लिए और जांच की जा रही है। आने वाले दिनों में और गिरफ़्तारियाँ और बरामदगियां होने की संभावना है।

इस सम्बन्ध में अमृतसर के पुलिस स्टेशन स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सैल में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21, 25 और 29 के अंतर्गत एफआईआर नंबर 36 तारीख़ 05-07-2025 को केस दर्ज किया गया है।

हरियाणा पुलिस ने नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में हासिल की बड़ी उपलब्धि

- राज्यभर में 54,000 से अधिक पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण; eSummon और eSakshya जैसी डिजिटल पहल से कार्यप्रणाली में आये सकारात्मक बदलाव

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा पुलिस ने देश में सबसे तेज़ और संगठित रूप से भारतीय न्याय संहिता 2023 , भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के अमल को धरातल पर उतारते हुए एक नई प्रशासनिक और तकनीकी मिसाल पेश की है। 1 जुलाई 2024 से लागू इन तीनों नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर हरियाणा पुलिस ने राज्य स्तर पर एक मिशन मोड में कार्य किया है, जिसमें व्यापक प्रशिक्षण, डिजिटल निगरानी प्रणाली, फॉरेंसिक क्षमताओं का उन्नयन और कार्यप्रणाली का डिजिटलीकरण प्रमुख केंद्र रहे।

सोच से सिस्टम तक बदलाव की अगुवाई कर रहा है हरियाणा पुलिस–डीजीपी - हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने इस अवसर पर कहा कि हरियाणा पुलिस न केवल नए कानूनों को समझने और लागू करने में अग्रणी रही है, बल्कि टेक्नोलॉजी और ट्रेनिंग को न्याय प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा बनाकर पारदर्शिता, दक्षता और जन-केंद्रितता की नई दिशा तय की है। आज हर पुलिसकर्मी अपने कर्तव्यों को अधिक संवेदनशीलता, जानकारी और उत्तरदायित्व के साथ निभा रहा है। यह बदलाव केवल प्रणाली का नहीं, बल्कि सोच का परिवर्तन है – और हरियाणा पुलिस इस परिवर्तन की अगुवाई कर रही है।

व्यापक प्रशिक्षण और पुलिस कार्यशैली में बदलाव – हरियाणा पुलिस ने 54,329 पुलिसकर्मियों को नए आपराधिक कानूनों के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया है। प्रशिक्षण में भारतीय न्याय प्रणाली में आए बदलावों, नए प्रावधानों की व्याख्या, तकनीकी उपकरणों का उपयोग, और पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण को विशेष रूप से शामिल

किया गया। इसके साथ ही, 37,889 पुलिसकर्मियों को iGOT Karmayogi प्लेटफ़ॉर्म पर जोड़ा गया है, जिससे वे स्व-अध्ययन के माध्यम से कानून की बेहतर समझ प्राप्त कर सकें।इस प्रशिक्षण का सीधा प्रभाव पुलिस की कार्यप्रणाली पर देखने को मिल रहा है। अब पुलिसकर्मी मामलों की जांच अधिक संवेदनशीलता और दक्षता से कर रहे हैं। कानून की स्पष्ट समझ के चलते निर्णय लेने में तेजी आई है और पीड़ितों से संवाद में संवेदनशीलता बढ़ी है। पुलिस बल के बीच नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार हुआ है, जिससे जवाबदेही और पारदर्शिता में वृद्धि दर्ज की गई है।

डिजिटल प्रक्रियाओं ने दी गति और पारदर्शिता – न्यायिक प्रक्रिया को तकनीक के साथ जोड़ने के लिए eSakshya और eSummon जैसे ऐप्स को पूरे तरह लागू किया गया है। तलाशी और जब्ती की 100 प्रतिशत रिकॉर्डिंग अब डिजिटल रूप से हो रही है, जिससे समय की बचत और प्रक्रिया में तेजी आई है। साथ ही, 91.37 प्रतिशत समन इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भेजे जा रहे हैं, जिससे मामलों में पारदर्शिता और साक्ष्य की विश्वसनीयता में बढ़ोत्तरी हुई है। 67.5 प्रतिशत गवाहों और शिकायतकर्ताओं के बयान द्रस्ङ्घद्मह्यद्ध4ड्ड ऐप पर रिकॉर्ड किए जा रहे हैं, जिससे न्याय प्रक्रिया अधिक संरक्षित और भरोसेमंद बनी है।

फॉरेंसिक क्षमताओं का विस्तार – हर जिले में एक मोबाइल फॉरेंसिक वैन तैनात की गई है और बड़े जिलों में दो-दो वैन सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। राज्य सरकार ने 208 नई नियुक्तियों को मंजूरी दी है और 186 रिक्तियों पर भर्ती की प्रक्रिया जारी है। साइबर फॉरेंसिक के क्षेत्र में भी बड़ा निवेश हुआ है, जहां ?68.70 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक उपकरणों की खरीद को स्वीकृति दी गई है। इससे साइबर अपराधों की जांच में मजबूती आई है और समय पर रिपोर्टिंग संभव हो रही है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और न्यायिक पहुंच का आधुनिकीकरण – न्याय श्रुति योजना को पायलट रूप से करनाल जिले में लागू किया गया है, जहां पांच अदालतों को इसके लिए चयनित किया गया है। इसके अतिरिक्त, सभी नामित स्थलों पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग क्यूबिकल्स स्थापित किए गए हैं। अब 50 प्रतिशत से अधिक पुलिसकर्मी अपनी गवाही और 70 प्रतिशत आरोपी कोर्ट में पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दे रहे हैं। इससे परिवहन लागत, समय और मानव संसाधनों की बचत हो रही है, साथ ही न्याय प्रक्रिया में निर्बाधता बनी हुई है।

हरियाणा पुलिस की दिशा और दृष्टि – हरियाणा पुलिस की यह उपलब्धि दर्शाती है कि जब एक संगठन अपने लक्ष्य के प्रति संकल्पबद्ध हो और उसे सक्षम नेतृत्व, सटीक प्रशिक्षण और नवीनतम तकनीक का साथ मिले, तो वह कानून व्यवस्था को नया रूप दे सकता है। नए आपराधिक कानूनों के साथ हरियाणा पुलिस एक ऐसे मॉडल के रूप में उभरी है, जिसे देशभर में अपनाया जा सकता है।

हरियाणा सरकार ने 2027 की परीक्षाओं का अधिसूचित किया

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की जनगणना का अगला पड़ाव वर्ष 2027 होगा । आदर्श के लिए संदर्भ दिनांक 1 मार्च , 2027 को 00ः00 बजे निर्धारित किया गया है। हरियाणा सरकार ने राजस्व एवं आपदा प्रबंधन एवं चकबंदी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं वित्त आयुक्त डॉ. का अधिग्रहण किया है। सुमिता मिश्रा को 2027 से संबंधित सभी संबद्धता के आंकड़ों के लिए शोधकर्ता अधिकारी नामित किया गया है। वे राज्य सरकार , स्वास्थ्य विभाग और भारत सरकार के विभिन्न पदों के बीच प्रभावशाली सहयोग

हरियाणा फैक्ट्री एवं कराधान विभाग ने अब तक 12,615 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया है : फैक्ट्री एवं कराधान आयुक्त

प्रदेशभर में 1,194 जोन की ओर से 1,081 जोन की अकादमी की शुरूआत की गई

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा प्लाजा एवं कराधान विभाग ने चल रही फिल्म नीलामी प्रक्रिया के तहत अब तक 12,615 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है। अब तक प्रदेशभर में कुल 1,194 ऑक्सीजन जोन से 1,081 जोन की ऑक्सीजन ऑक्सीजन की आपूर्ति जारी है। इस संबंध में जानकारी देते हुए निर्देश दिए गए हैं कि सुपरमार्केट शराब के लाइसेंस जारी किए गए हैं। प्रत्येक जोन में दो स्टोर संचालित किए जा सकते हैं । ई-नीलामी पोर्टल के माध्यम से रिटेल शराब की नीलामी की नीलामी की जाती है उन्होंने बताया कि चल रही फिल्मों में अब केवल 113 जोन फिल्में बची हैं , परियोजनाएं कुछ ही दिनों में होने की संभावना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हरियाणा में सुपरमार्केट शराब की डेटशीट के लिए फिल्म इंडस्ट्री पूरी तरह से बंद करने की प्रक्रिया है , जो ई-नीलामी पोर्टल के माध्यम से आयोजित की जाती है। लाइसेंसधारकों की लॉटरी प्रक्रिया में स्वतंत्र रूप से भाग लिया जाता है ।

पिछले वर्ष की तुलना में विभाग ने इस बार टोक्यो में कहीं अधिक राजस्व प्राप्त किया – श्री विनय प्रताप ने बताया कि इस साल 31 मार्च , 2027 तक लगभग दो साल की लंबी अवधि के लिए साहिल नीति को मंजूरी दी गई थी , इसलिए विभाग पिछले साल की फिल्म की तुलना में कहीं अधिक राजस्व अर्जित करने में सक्षम है। 3 जुलाई 2025 को अंतिम दौर में विभाग ने 21 और जोन की लॉट री की शुरुआत की , जिससे 215 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

राज्य सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य को लेकर ड्राइंग विभाग – डॉक्यूमेंट्री एवं कराधान कमिश्नर ने ब्लूमेड में 1081 जोन से अधिक राजस्व प्राप्त किया है । विभाग को उम्मीद है कि कुछ ही दिनों में सुपरमार्केट लॉटरी की दुकानें हो जाएंगी और राज्य सरकार अपने निर्धारित लक्ष्य से भी अधिक हासिल कर लेगी। पिछले साल अगस्त 2024 तक चली नीलामी प्रक्रिया से कुल 7,025 करोड़ रुपये का लाइसेंस शुल्क जारी हुआ था।

लाइसेंसधारी आतंकियों को धमकाने या वशीकरण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई – हरियाणा पुलिस के लाइसेंसधारकों को धमकाने और जमानत पर रोक लगाने के मामले में राज्य सरकार के सक्रिय हस्तक्षेप के खिलाफ सरकारी वकील और कराधान कमिश्नर ने सख्त और सख्त कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री के अधिसूचित पर , गृह विभाग द्वारा राज्य के कुछ वृत्तचित्रों में फिल्म को प्रभावित करने की कोशिश करने वाले मूवी पर सीक्वेल नजर रखी जा रही है। ऐसे हाल में ही एक्शन के नतीजे आए हैं, जिसमें डॉक्यूमेंट्री डॉक्यूमेंट्री में 125 से ज्यादा जोन की फिल्में कर 1370 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

पद्म पुरस्कार–2026 के लिए 31 जुलाई , 2025 को नि :शुल्क नामांकित किया गया

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। गृह मंत्रालय की ओर से गणतंत्र दिवस , 2026 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कार-2026 के लिए ऑनलाइन नामांकन/सिफारिशें 15 मार्च , 2025 से शुरू हो गए हैं। पद्म पुरस्कारों के नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई , 2025 है। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन/सिफ़ारिशें राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in पर ऑनलाइन प्राप्त करें। एक सरकारी प्रवक्ता ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इन पुरस्कारों में नामतः पद्म विभूषण , पद्म रत्न और पद्म श्री देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान शामिल हैं। वर्ष 1954 में स्थापित इन पुरस्कारों में गणतंत्र दिवस के अवसर की घोषणा की गई । इन पुरस्कारों में % उत्कृष्ट कार्य % के अंतर्गत सम्मानित किया जाता है। पद्म कला , साहित्य एवं शिक्षा , खेल , चिकित्सा , समाज सेवा , विज्ञान एवं इंजीनियरी , लोक कार्य , सिविल सेवा , व्यापार एवं उद्योग आदि जैसे सभी पुरस्कार क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और विशिष्ट परिचय/सेवा के लिए उपलब्ध कराए जाते हैं। पुरस्कारों में सभी व्यक्तियों के लिए जाति , व्यवसाय , पद या लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं होता है। अन्य सरकारी कर्मचारियों , निजी क्षेत्रों के निगमों में काम करने वाले सरकारी कर्मचारियों , पद्म पुरस्कारों के पात्र नहीं हैं।उन्होंने बताया कि सरकारी पद्म पुरस्कारों को ÷ पीपल्स पद्म ÷ बनाना सस्ता है। मूलतः , सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे नामांकन/सिपारिसेशन करें। नागरिक स्वयं को भी नामित कर सकते हैं। महिलाएं , समाज के नाजुक टुकड़े , विचित्र लोग और समाज के लिए निःस्वार्थ सेवा कर रहे लोगों में से ऐसे समूहों की पहचान करने के ठोस प्रयास किए जा सकते हैं । प्रवक्ता ने बताया कि नामांकन/सिपारियों में पोर्टल पर उपलब्ध सामग्री में सभी रिक्त पदों का विवरण शामिल होना चाहिए , जिसमें वर्णनात्मक रूप में एक उद्धरण (अधिकतम 800 शब्द) शामिल होना चाहिए , जिसमें विशिष्ट व्यक्तियों के संबंधित क्षेत्र/अनुशासन में विशिष्ट और विशिष्ट कर्मियों/सेवाओं का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया हो। इस संबंध में विस्तृत विवरण गृह मंत्रालय की वेबसाइट (https://mha.gov.in) पर ' पुरस्कार और पदक ' शीर्षक के अंतर्गत और पद्म पुरस्कार पोर्टल (https://padmaawards.gov.in) पर उपलब्ध हैं। इन पुरस्कारों से संबंधित संविधि (क़ानून) और नियम वेबसाइट पर https://padmaawards.gov.in/AboutAwards.asp& लिंक उपलब्ध हैं।

भय जनता में नहीं अपराधियों में होना चाहिए:कुमारी सैलजा

प्रशासन को पूरी तरह से चौकन्ना रहकर करनी होगी हर काम की निगरानी

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है, कानून व्यवस्था का जनाजा निकल चुका है, प्रदेश में लूट, हत्याएं, फायरिंग, रंगदारी की वारदातें कम होने के बजाए बढ़ती जा रही है, जनता भय में जी रही है इसके लिए भाजपा सरकार पूरी तरह से जिम्मेदार है, भय जनता में नहीं अपराधियों में होना चाहिए लेकिन हालात ये है कि अपराधी खुलकर और बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे है, सरकार के लिए बड़े शर्म की बात है कि अपराधियों की धमकी के आगे शराब के ठेकों की बोली लगाने के लिए कोई आगे नहीं आ रहा है, अगर ऐसे ही चलता रहा तो एक दिन उद्योगपति भी प्रदेश से पलायन कर जाएंगे।

वे सिरसा में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। जब उनसे पूछा गया कि अधिकारियों के कामकाज को लेकर वे दिशा की बैठक में काफी खफा नजर आई तो सांसद ने कहा कि उनकी किसी से कोई नाराजगी नहीं है और न ही वे किसी को नीचा दिखाना चाहती है, हम चाहते है कि सरकारों की जो भी योजनाएं है उनका लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए, हम जनप्रतिनिधि है जनता के प्रति हमारी जवाबदेही है, प्रशासन को पूरी तरह से चौकन्ना रहना होगा, काम सही से हो रहा है या नहीं इसकी निगरानी भी करनी होगी। पर सिरसा में तो कुछ भी ठीक नजर नहीं आ रहा है सब कागज आगे रखकर बता रहे है कि काम हो रहा है काम हो गया है जबकि हकीकत ये है कि धरातल पर काम हुआ ही नहीं है, पैसों को खुर्दबुर्द किया जा रहा है, जनता का पैसा जनता पर ही खर्च होना चाहिए उस पर अधिकारी कैसे हक जता रहे हैं। कही बजट नहीं आ रहा है तो कही पर वेतन तक नहीं मिल रहा है। शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग को लेकर कुमारी सैलजा ने कहा कि इन दोनों विभागों की योजनाओं का लाभ तभी मिलेगा जब स्टाफ पूरा होगा, पद खाली पडे है सरकार को पहले उन्हें भरने पर ध्यान देना होगा।

एनएचएआई अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर पूछे सवाल पर सांसद ने कहा कि अधिकारियों की काम करने की नीयत नहीं लग रही है जब कागजों का पेट भरने में लगे हुए है, मानसून तो हर साल आता है हर साल योजनाएं बनती पर उन पर समय पर काम क्यों नहीं होता, ड्रेनेज सिस्टम का बुरा हाल है सड़कों जगह जगह टूटी हुई है, अधिकारी पुरानी फोटो दिखाकर काम होने का सबूत दे रहा था जबकि वे खुद फोटो लेकर आई थी जो कुछ और बयान कर रहा था, प्रशासन को अधिकारियों पर आंख बंद कर भरोसा नहीं करना चाहिए, मौके पर जाकर जमीनी हकीकत देखनी होगी। गाड़ी

दिखाकर बीपीएल काटने के सवाल कुमारी सैलजा ने कहा कि उपायुक्त से इसकी जांच कराने को कहा है, जिनके राशन गलत ढंग से काटे गए हैं उनके फिर से बनाए जाए और जिन्होंने गलत ढंग से बनवाए है उन्हें काटा जाए। पोर्टल को लेकर कुमारी सैलजा ने कहा कि पोर्टल के चक्कर प्रदेश की जनता परेशान है हर किसान को तो ये खेल नहीं आता, फिजिकल वेरीफिकेशन बहुत जरूरी है।

रेलवे विभाग से जुड़ी मांगों को लेकर सांसद सैलजा ने कहा कि वे समय समय पर मांगों को लेकर रेल मंत्री को पत्र लिखती रही है, कुछ मांगों पर काम भी हो रहा है, रेलवे को सिरसा में वाशिंग लाइन के लिए ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि सिरसा में रेलवे के पास काफी भूमि है अगर वाशिंग लाइन आती है तो सिरसा को कई ट्रेनों की सौगात भी मिल सकती है। कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस शुरू से ही ओपीएस की समर्थन में खड़ी रही है उनके घोषणा पत्र में भी इसका उल्लेख था। कांग्रेस संगठन को लेकर कुमारी सैलजा ने कहा कि हर जिला में केंद्रीय पर्यवेक्षकों ने अपनी रिपोर्ट तैयार कर हाईकमान को सौंप दी है जल्द ही नामों की घोषणा हो सकती है।

दलित बेटी के साथ क्रूरता से अत्याचार मानवाधिकारों का उल्लंघन – सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि कैथल में दलित समाज की एक बेटी के साथ थाने में जिस क्रूरता से अत्याचार किए गए हैं वह मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन ही नहीं, बल्कि भाजपा शासन में दलितों की सुरक्षा के प्रति शासन की घोर संवेदनहीनता का प्रमाण है। पुलिस द्वारा महिला के साथ की गई बर्बरता निंदनीय ही नहीं, बल्कि शर्मनाक भी है। भाजपा सरकार के राज में दलित बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं है। हम माँग करते हैं कि इस बेटी को तत्काल न्याय मिले और दोषी पुलिसकर्मियों पर सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई हो।

कालांवाली नगर पालिका की नव निर्वाचित टीम को दी बधाई – सांसद कुमारी सैलजा ने कालांवाली नगर पालिका के नव निर्वाचित चेयरमैन महेश झोरड़ गोयल और पार्षदों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी जीत बहुत बड़ी जीत है क्योंकि भाजपा ने कांग्रेस समर्थितों को हराने के लिए हर हथकंडा अपनाया था, प्रशासन की ओर से दबाव भी डलवाया था पर बधाई के पात्र है कालांवाली के मतदाता जिन्होंने निर्भीक होकर मतदान किया। विधायक शीशपाल केहरवाला ने कहा कि अब सभी को एकजुट होकर रहने की जरूरत है क्योंकि भाजपा की आदत है तोडफोड कर अपने पाले में लेकर आना। अब कालांवाली के लिए काम करना है जनता से किया गया वायदा करना है।

सांसद कुमारी सैलजा शनिवार को टोहाना क्षेत्र में – सांसद कुमारी सैलजा पांच जुलाई को टोहाना विधानसभा क्षेत्र के अनेक गांवों का दौरा कर लोगों की समस्याएं सुनेगी और कार्यकर्ताओं से भी मिलेंगी। सांसद 05 जुलाई सुबह 10 बजे गांव जांडली कलां, 10ः45 बजे गांव चंद्रावल, 11ः30 बजे गांव जांडली खुर्द, 12ः15 बजे गांव नाढोडी, 1ः00 बजे गांव घोटडू, 1ः45 बजे गांव धोलू, 2ः30 बजे गांव दिमोह, 3ः15 बजे गांव भुंदडा, 4ः00 बजे गांव देहनखेडी, 4ः45 बजे गांव लहरिया, 5ः30 बजे गांव कानाखेडी, 6ः00 बजे गांव टिब्बी और 6ः45 बजे ढाणी डुल्ट में पहुंचेंगी।

लोकसभा और विधानसभा की तरह नगर निगमों में भी हो हाउस के सेशन केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

● कैपिसिटी बिल्डिंग में इस तरह के सम्मेलन का अहम योगदान, निरंतर देशभर में किए जाए कार्यक्रम, ऑनलाइन माध्यम का भी हो इस्तेमाल ● सम्मेलन में ट्रेनिंग लेकर जमीनी स्तर पर इन्हें लागू करें नगर निकायों के जन प्रतिनिधि

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। गुरुग्राम के मानेसर में आयोजित शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन में शुक्रवार को केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस दौरान संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कैपिसिटी बिल्डिंग में इस तरह के सम्मेलन का अहम योगदान रहता है। यह पहला मौका है जब इतने बड़े स्तर पर शहरी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों का सम्मेलन आयोजित किया गया है। इस तरह के आयोजन निरंतर देशभर में आयोजित होने चाहिए। इसके लिए ऑनलाइन माध्यमों का भी सहारा लेना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें और अपने शहरों का स्वरूप बदल सकें। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभाओं की तरह शहरी स्थानीय निकायों में भी हाउस के सेशन होने चाहिए जिसे कोई लोकसभा अध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्ष की तरह चयनित कोई व्यक्ति चलाए। इससे निष्पक्ष तौर पर काम करने की कार्य पद्धति बनेगी। उन्होंने देशभर से आए जन प्रतिनिधियों को शहरी स्थानीय निकायों को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करने का आह्वान किया। इसके साथ-साथ इस सम्मेलन में जिन नगर निकायों द्वारा अपने बेहतरीन कार्यों को बेस्ट प्रैक्टिसिस में दिखाया है, उन्हें अपने यहां भी लागू करें और शहरों को और बेहतर बनाएं।

पर्यावरण संरक्षित करते हुए शहरों को आगे बढ़ाना होगा – केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षित करते हुए शहरों को आगे बढ़ाना होगा। प्रगतिशील कार्य करते हुए यह ध्यान रखें कि हमें पर्यावरण को भी बचाना है। हमें ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारते हुए ई-मोबिलिटी के लिए प्लॉनिंग करनी चाहिए। वर्ष 2002 में भारत में मैट्रो की शुरूआत हुई थी जबकि यूएसए में 150 साल पहले मैट्रो आई थी, लेकिन आज भारत के 21 शहरों में 1 हजार किलोमीटर में मैट्रो चल रही है, जो यूएसए के बराबर है। इसे भविष्य में और आगे लेकर जाने की प्लानिंग है।

अर्बन चैलेंज फंड से शहरों का होगा पुनर्निर्माण – केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि केंद्र सरकार के अर्बन चैलेंज फंड के माध्यम से शहरों का पुनर्निर्माण किया जाएगा। इसके तहत 1 लाख करोड़ रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शहरों को और बेहतर बनाने के लिए दुनियाभर के बेहतरीन शहरों की बेस्ट प्रैक्टिसिस को लागू किया जा रहा है। पिछले दिनों स्पेन के साथ एक एमओयू किया गया है, जिससे दोनों देशों में हो रहे बेहतरीन कार्यों को आपस में सांझा किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है, ऐसे में सरकारों, नगर निकायों को भी अपनी स्पीड बढ़ानी होगी। कार्यबल को प्रशिक्षित करना होगा और समय व साधनों का सहीं से इस्तेमाल करना होगा। उन्होंने कहा कि 1970 में 20 प्रतिशत शहरीकरण था लेकिन आज 36 प्रतिशत शहरीकरण हो चुका है जो 2047 तक 50 प्रतिशत हो जाएगा।

आम नागरिकों को जागरूक करना होगा – केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हम जन प्रतिनिधियों को तो इस तरह के आयोजनों से जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं, लेकिन आमजन को भी जागरूक करना होगा। जनता जागरूक होगी तो सिस्टम में अधिक पारदर्शिता आएगी। विकास कार्यों बेहतर तरीके से होंगे। उन्होंने शहरी निकायों को स्वालंबी बनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों से निश्चित पैसा शहरी स्थानीय निकायों को मिलता है। ऐसे में हमें स्वालंबी होने के साथ-साथ पारदर्शिता पर भी जोर देना होगा।

स्किल पर दें ध्यान – केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हमें स्किल पर ध्यान देना चाहिए। नगर निकायों में कर्मचारी हो या अधिकारी उन्हें आईगोट https://www.igotkarmayogi.gov.in एप्लीकेशन के माध्यम से स्किल सीखने चाहिए। अभी तक 21 राज्यों ने इसके लिए एमओयू किया है। इस एक एप्लीकेशन पर 2 हजार से ज्यादा कोर्स मौजूद हैं। कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन इन्हें सीख सकता है और अपने स्किल में बढ़ोतरी कर सकता है। इस मौके पर राज्यसभा के उपसभापति हरविंश, मध्यप्रदेश के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री कैलाश विजवर्गीय, केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत, राज्यसभा के सेक्रेटरी जनरल पीसी मोदी, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हविन्द्र कल्याण, विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण मिढ़ा व अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

दस गुरु परंपरा में वंजारा समाज का योगदान विषय 8 जुलाई को

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी द्वारा 8 जुलाई , 2025 को सुबह 11 बजे अकादमी ऑडिटोरियम में दस गुरु परंपरा में वंजारा समाज का योगदान विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है । अकादमी के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. भाई लक्खी शाह वंजारा और भाई मक्खन शाह लुबाना का हमारे इतिहास में अहम स्थान है। भाई लक्खी शाह वंजारा और भाई मक्खन शाह लुबाना जाने-माने युवक के साथ-साथ एक उच्चकोटि के विद्वान भी थे। भाई लखी शाह वंजारा का जन्म 4 जुलाई , 1580 को और भाई मक्खन सिंह लुबाना का जन्म 7 जुलाई , 1619 को हुआ था। वहीं बाबा मक्खन शाह लुबाणा ने गुरु तेग बहादुरी को नौवें गुरु के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

2047 का विकसित भारत

जन भागीदारी के साथ जन आंदोलन से शहरी निकायों को बदलने का लिया संकल्प

● लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभों के रूप में शहरी संस्थाओं के योगदान पर हुई चर्चा

● दो दिवसीय राष्टीय सम्मेलन में बेस्ट प्रैक्टिस की चर्चाओं को लेकर देशभर की निकायों में लागू करने पर बनी सहमति

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। गुरुग्राम जिला के मानेसर में चल रही शहरी स्थानीय निकायों के प्रथम राष्टीय सम्मेलन के अंतिम दिन देश भर के विकास में अग्रणी शहरी स्थानीय निकायों द्वारा प्रस्तुत किए गए विकास के मॉडल पर चर्चा की गई। पांच सत्रों में आयोजित इस चर्चा में 2047 में विकसित भारत के योगदान में शहरी निकायों की भूमिका बढ़ाने और उनके योगदान को लेकर संकल्प लिया गया। राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश, हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, सेक्रेटरी जनरल राज्यसभा श्री पी.सी. मोदी सहित अन्य गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति में सत्र संपन्न हुआ।

सत्र में लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभ के रूप में शहरी संस्थाओं के योगदान पर विस्तार से अनुभव सांझा किए गए। नागपुर नगर निगम प्रतिनिधियों ने कहा कि समावेशी वृद्धि और विकास के इंजन के रूप में शहरी स्थानीय निकायों के संवैधानिक अधिकारों पर केंद्रित होकर निकाय कार्य कर रहे हैं। चर्चा के दौरान सामने आया कि शहरी स्थानीय निकायों का उद्देश्य शहरी सेवा वितरण की संरचना में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। 74वें संविधान संशोधन पर विचार रखते हुए इस विषय पर प्रकाश डाला गया कि यह शहरी सेवाओं के कुशल वितरण के लिए संस्थागत ढांचा निर्धारित करता है। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित करता है कि नगर पालिकाएं कमजोर वर्गों और महिलाओं की समस्याओं के प्रति पर्याप्त संवेदनशील हों। नगर पालिका-परिषदों में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और महिलाओं के लिए आरक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल की नगर निकाय की प्रतिनिधि ने बताया कि शहरी स्थानीय निकाय भारत के शहरी विकास की आधारशिला है। उन्होंने अपने शहर में विकास का मॉडल प्रस्तुत करते हुए कहा कि सुधारों व नवाचार, नागरिक सहभागिता और प्रौद्योगिकी के माध्यम से वित्तीय संस्थागत और क्षमता संबंधी चुनौतियों का समाधान करना आवश्यक है। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और सहयोगात्मक शासन के साथ शहरी स्थानीय निकाय अपने संवैधानिक जनादेश को पूरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि शहर सभी नागरिकों के लिए समान लचीले व जीवंत स्वरूप विकास का मॉडल बनकर सामने आए। सेमिनार में शहरी स्थानीय निकायों में विकास का इंजन बनने में महिलाओं की सशक्त भूमिका पर भी चर्चा की गई। इस दौरान बताया गया कि मध्य प्रदेश में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण किया गया है। इसके बावजूद वहां 60 से 65 प्रतिशत तक महिलाएं शहरी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधित्व कर रही हैं जबकि हरियाणा में भी महिलाएं शहरी स्थानीय निकायों से जुड़कर विकास के मॉडल प्रस्तुत कर रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को नई सहूलियत, अनारक्षित टिकट काउंटर की जगह बदली

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अब अनारक्षित टिकट काउंटर में मामूली बदलाव किया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन पर अजमेरी गेट की तरफ टिकट काउंटर को पहली मंजिल से ग्राउंड फ्लोर पर लाया गया है। यात्रियों को पहले सामान लेकर पहली मंजिल पर अनारक्षित टिकट लेने के लिए जाना पड़ता था, लेकिन अब बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर ही टिकट काउंटर बना दिए गए हैं। वहीं पहली मंजिल पर टिकट काउंटर वाले स्थान पर अन्य व्यवसायिक गतिविधियां शुरू करने की योजना है। यहां पर वीआईपी लाउंज भी बनाया जा रहा है, जिसमें 50 रुपये प्रतिघंटा पर यात्री बैठ सकेंगे। जानकारी के मुताबिक, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के अजमेरी गेट की ओर स्थित बिल्डिंग में पहली मंजिल पर लंबे समय से अनारक्षित टिकट काउंटर संचालित हो रहा था, जबकि ग्राउंड फ्लोर पर केवल प्लेटफॉर्म टिकट की सुविधा थी। पहले यात्रियों को अनारक्षित टिकट लेने के लिए पहली मंजिल तक जाना पड़ता था। वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान यह समस्या सामने आई। इसके बाद अनारक्षित टिकट काउंटरों को पहली मंजिल से नीचे ग्राउंड फ्लोर पर शिफ्ट कर दिया गया है। पहली मंजिल पर एक वीआईपी लाउंज (विश्राम कक्ष) तैयार किया जा रहा है, जहां यात्री 50 रुपये प्रति घंटा शुल्क देकर आराम कर सकेंगे। वहीं, यात्रियों के लिए भी पहली मंजिल पर हॉल में रुकने की सुविधा भी होगी। इसके लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इससे पहले पहाड़गंज की दिशा में भी अनारक्षित टिकट काउंटर को ग्राउंड फ्लोर पर शिफ्ट किया गया था।

परिसर में प्रवेश के लिए अलग से मार्ग बनेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के नेताओं अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। दरअसल, निचली अदालत द्वारा इन नेताओं को शराब नीति मामले में दस्तावेज उपलब्ध कराने के आदेश के खिलाफ सीबीआई ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। शुक्रवार को आरोपी व्यक्तियों को नोटिस जारी करते हुए जस्टिस रवींदर डुडेजा ने कहा कि वह इस मामले पर विस्तृत आदेश पारित करेंगे। सीबीआई ने निचली अदालत के 22 मई के आदेश को चुनौती दी थी। आदेश में जांच एजेंसी को निर्देश दिया गया था कि यदि एजेंसी सुनवाई में उन पर भरोसा नहीं कर रही है तो वह गवाहों और अभियुक्तों को भेजे गए अपने सभी नोटिस और लिखित संचार को प्राप्त जवाबों के अलावा अप्रमाणित दस्तावेजों की सूची में शामिल करे। निचली अदालत ने कहा था कि सूची उसके समक्ष दाखिल की जानी चाहिए और दस्तावेजों का निरीक्षण करने के लिए इसकी एक प्रति अभियुक्तों के साथ साझा की जानी चाहिए। निचली अदालत ने जांच अधिकारी को अन्य मुद्दों पर हलफनामा दाखिल करने को कहा था। सीबीआई के वकील ने हाई कोर्ट में दलील दी कि निचली अदालत सीबीआई से ऐसे दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए नहीं कह सकती थी, क्योंकि नोटिस जांच की सामग्री थी, साक्ष्य नहीं। जज ने सीबीआई के वकील से पूछा कि यदि एजेंसी ऐसे विवरण उपलब्ध कराती है तो इससे उसे क्या नुकसान होगा। अदालत को बताया गया कि इससे भविष्य के सभी मामलों में एक मिसाल कायम होगी तथा कानूनों को फिर से लिखने जैसा होगा। इसके विपरीत कुछ आरोपियों की ओर से पेश हुए वकीलों ने दलील दी कि सीबीआई को डर है कि यदि विवरण उपलब्ध करा दिया गया तो उसकी दोषपूर्ण जांच उजागर हो जाएगी। इस मामले में अन्य व्यापारियों के अलावा दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल, आप नेता मनीष सिसोदिया और संजय सिंह तथा बीआरएस नेता के. कविता भी आरोपी हैं। केंद्रीय जांच एजेंसियों ने शराब आबकारी नीति में संशोधन के दौरान अनियमितताओं और लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया है। दिल्ली सरकार ने 17 नवंबर, 2021 को नीति लागू की और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच सितंबर 2022 के अंत तक इसे रद्द कर दिया गया था। धन शोधन का यह मामला दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना द्वारा मामले की जांच की सिफारिश के बाद दर्ज किए गए सीबीआई के एक मामले के बाद सामने आया है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने डीजेबी को फटकार लगाई 'आप लोगों से गंदा पानी पीने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं'

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली हाईकोर्ट ने कॉलोनियों में दूषित जल आपूर्ति के लिए दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) को कड़ी फटकार लगाई। हाईकोर्ट ने जल बोर्ड से पूछा कि अधिकारी नागरिकों से दूषित पानी पीने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं।

चीफ जस्टिस डी.के. उपाध्याय एवं जस्टिस अनीश दयाल की बेंच उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि पूर्वी दिल्ली के योजना विहार, आनंद विहार, जागृति एंक्लेव व अन्य निकटवर्ती क्षेत्रों के निवासियों को उनके घरेलू नलों में अत्यधिक दूषित पेयजल मिल रहा है।

बेंच ने पूछा कि जब तक कोई अदालत का दरवाजा न खटखटाए, तब तक क्या जल बोर्ड अपनी तरफ से कुछ नहीं करेगा? बेंच ने कहा, जल बोर्ड क्या यह चाहता है कि शहर के लोग दूषित पानी पीएं।

बेंच ने बीती 2 जुलाई को दिल्ली जल बोर्ड को संबंधित इलाकों का निरीक्षण करने का आदेश दिया था। जल बोर्ड की तरफ से बेंच को बताया गया कि जांच एजेंसी ने पाया कि योजना विहार क्षेत्र में जलापूर्ति पाइपलाइनें बहुत पुरानी हो गई हैं। उन्हें बदलने की जरूरत है। डीजेबी ने अपने सर्वे के आधार पर एक स्टेटस रिपोर्ट दायर की है। याचिकाकर्ता के घर व आसपास के क्षेत्रों सहित कई घरेलू कनेक्शन में पुरानी व क्षतिग्रस्त जल आपूर्ति पाइप से होने की बात

स्वीकार की गई है। डीजेबी ने कहा कि पाइप लाइन को बदलने के लिए 7 जुलाई तक टेंडर मंगाए जाएंगे। 17 जुलाई तक ठेका दे दिया जाएगा। परियोजना को ठेके की तिथि से 20 दिनों में पूरा करने का प्रस्ताव था। बेंच ने निर्देश दिया कि इन घरों में और इनके आसपास पुरानी और क्षतिग्रस्त जलापूर्ति पाइपों को बदलने से संबंधित कार्य किसी भी स्थिति में अगस्त 2025 तक पूरा किया जाना चाहिए और किसी भी विफलता को अदालत द्वारा गंभीरता से लिया जाएगा। इस मामले में अगली सुनवाई 13 अगस्त को निर्धारित की गई है। वहीं, दिल्ली के द्वारका सेक्टर-8 स्थित बी ब्लॉक में लगभग तीन वर्ष से स्वच्छ पानी की किल्लत बरकरार है। आलम यह है कि दिन में पानी आता नहीं और रात को बदबूदार गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है। ऐसे में लोगों में रोष व्याप्त है। स्थानीय निवासियों का दावा है कि जब से डीडीए से दिल्ली जल बोर्ड के पास यह क्षेत्र आया है तब से समस्या और बढ़ गई है। स्वच्छ पानी अब उनके लिए सपना रह गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री से लेकर विधायक तक को पानी की परेशानी बताई है। इसके बावजूद समाधान नहीं हो रहा है। अब तो दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों ने फोन तक उठाना बंद कर दिया है।

रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर-8 बी-ब्लॉक के सचिव बीएस त्रिपाठी ने बताया कि पानी की समस्या पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। सीवेज, पार्क के रख-रखाव तक की समस्या है। इस ब्लॉक में 321 प्लॉट हैं, जिसमें 1200 परिवार रहते हैं।

किसी इलाके में बिल्कुल पानी नहीं आ रहा है, जबकि कुछ इलाकों में गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है।

पहले ऑनलाइन दोस्ती फिर करवा दिया लड़के का अपहरण, दिल्ली में खौफनाक वारदात

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के शकरपुर इलाके में हैरान करने देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक लड़के से ऑनलाइन दोस्ती के बाद लड़की ने उसका अपहरण करा दिया। इतना ही नहीं, अपहरण के बाद पीड़ित 20 वर्षीय निखिल की बुरी तरह पिटाई भी की गई। पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि पुलिस ने मामले में शुक्रवार को एक आरोपी संजीव कुमार लोहिया को गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच में फिरौती वसूलने के इरादे से अपहरण की बात सामने आ रही है। हालांकि परिवार को अपहरण के बाद फिरौती से संबंधित कोई कॉल नहीं मिली थी। पुलिस फरार लड़की समेत अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। अन्य साथियों तरुण, आकाश और अन्य के साथ मिलकर दो महीने पहले ही पीड़ित के अपहरण की योजना बनाई थी। इसके लिए उन्होंने खुशी नामक लड़की की मदद से पीड़ित को अपने जाल में फंसाया और पीड़ित को बुलाकर उसका अपहरण करने के साथ बुरी तरह पिटाई की। पुलिस के मौके पर आने से इनकी योजना खराब हो गई। फिलहाल आरोपियों के कब्जे से पीड़ित का मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद कर ली गई है। पुलिस के मुताबिक, शकरपुर के गणेश नगर-दो निवासी 20 साल के पीड़ित निखिल उर्फ चेतन से करीब दो महीने पहले खुशी नाम की लड़की ने व्हाट्सऐप पर संपर्क किया। उन दोनों की बातचीत होने लगी और पिछले गुरुवार को लड़की ने पीड़ित को मिलने के लिए बुलाया। पीड़ित निखिल के जाने के बाद उसकी बड़ी बहन को आरोपियों की तरफ से पीड़ित के ही मोबाइल फोन से धमकी भरी कॉल आई। कॉल पर आरोपियों में से एक ने खुद को खुशी का भाई बताया और कहा कि उन्होंने युवक को लड़की के साथ होटल में पकड़ा है।

कभी सोचा नहीं था... दिल्ली के सीयूईटी टॉपर की सक्सेस स्टोरी, हासिल की ऑल इंडिया रैंक 2

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के कृष्णा नगर इलाके की गलियां शुक्रवार को ढोल-नगाड़ों और खुशियों की गूंज से गुलजार थी। वजह थी 17 साल के अर्जव जैन की शानदार कामयाबी, जिन्होंने कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट-अंडरग्रेजुएट में ऑल इंडिया रैंक 2 हासिल कर दिल्ली का नाम रौशन किया। अर्जव ने बताया कि उनकी परीक्षा अच्छी गई थी, लेकिन उन्होंने नहीं सोचा था कि वो टॉप कर देंगे।

कृष्णा नगर का यह होनहार सितारा हमेशा से दिल्ली यूनिवर्सिटी के नॉर्थ कैंपस में अपनी कॉलेज लाइफ की कल्पना करता था। उसका सपना है श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में दाखिला लेना और इकोनॉमिक्स में डिग्री हासिल करना। भाई परमानंद विद्या मंदिर से स्कूलिंग पूरी करने वाले अर्जव का कहते हैं, मेरे शिक्षकों ने हर सवाल का जवाब धैर्य से दिया और मेरे माता-पिता मेरी सबसे बड़ी ताकत बने। उनकी वजह से ही मैं आज यहां हूं। पिछले कुछ महीने अर्जव के लिए रात-दिन पढ़ाई और तनाव से भरे थे।

जब इ्रझ ने आंसर की जारी की, तो उनकी धड़कनें बढ़ गई थीं। लेकिन अब, जब मेहनत रंग लाई, तो अर्जव का चेहरा खुशी से दमक रहा है। उन्होंने कहा, अब मैं कॉलेज लाइफ का मजा लूंगा। फेस्टिवल्स, नए दोस्त और करियर पर फोकस सब कुछ एक साथ। अपने दोस्तों और परिवार के साथ जश्न की तैयारियां जोरों पर हैं, जिन्होंने हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाया।

दिल्ली में 2 दिन हो सकती है झमाझम बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी।
गर्मी और उमस से बेहाल राजधानी दिल्ली में अगले दो दिन अच्छी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग की ओर से इसके लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। शुक्रवार को दिल्ली के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। इसके चलते अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। दिल्ली में मॉनसून आने की घोषणा हुए पांच दिन हो चुके हैं लेकिन, अभी तक पूरी राजधानी को भिगोने वाली तेज बारिश एक बार भी नहीं हुई है। हल्की-फुल्की बारिश का क्रम बीच-बीच में बना हुआ है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिनों के बीच दिल्ली में बादलों की मौजूदगी बनी रहेगी। इस बीच में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। जबकि, न्यूनतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। मौसम विभाग ने शनिवार और रविवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में शुक्रवार सुबह से ही हल्के बादलों की मौजूदगी बनी रही। बीच-बीच में जब तेज धूप निकली तो लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना

पड़ा। हालांकि, कुछ ही देर में बादलों ने आकर सूरज को ढक लिया। दिल्ली के कई इलाकों में दिन के समय हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। पूसा क्षेत्र में सबसे ज्यादा 34.5 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। नजफगढ़ क्षेत्र में 16 मिमी और जनकपुरी में 15.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। बादल छाए रहने और कई इलाकों में हुई बारिश के चलते अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 1.2 डिग्री सेल्सियस कम है। न्यूनतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है।

हल्की बारिश और हवा की गति तेज रहने का साफ असर दिल्ली की हवा पर भी देखने को मिल रहा है। दिल्ली की हवा लगातार साफ-सुथरी बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक शुक्रवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 78 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को संतोषजनक श्रेणी में रखा जाता है। अगले दो दिनों के बीच भी वायु गुणवत्ता का यह स्तर बना रहने की संभावना है।

दिल्ली पुलिस ने किया 2 बदमाशों का एनकाउंटर, गोली मारकर पहुंचाया अस्पताल

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। नरेला में हुई इस मुठभेड़ में पुलिस ने दो को गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया है। दोनों अपराधी घायल हो गए हैं। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। दोनों बदमाशों पर रोहतक में हत्या करने का आरोप है। दोनों की पहचान हो गई है।

इस मामले पर जानकारी देते हुए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बताया कि हाल ही में हरियाणा के रोहतक में एक मर्डर हुआ था। इस हत्या में दोनों अपराधी फरार चल रहे थे। शनिवार को दोनों के नरेला इलाके में छिपे होने की जानकारी मिली। पुलिस ने एक ऑपरेशन चलाया और दोनों को सरेंडर करने के लिए कहा। लेकिन अपराधियों ने सरेंडर करने से इनकार कर दिया और पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान पुलिस ने भी जवाब फायरिंग शुरू की और कुछ देर में ही दोनों अपराधियों के पैरों में गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया। दोनों को घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया, वहां दोनों का इलाज किया जा रहा है। इलाज के बाद दोनों से हत्या के मामले में पूछताछ की जाएगी। इससे पहले 4 जुलाई को भी दिल्ली के नजफगढ़ इलाके में अज्ञान हमलावरों ने एक शख्स की

गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में मृतक की पहचान नीरज तहलान के रूप में हुई थी। नीरज तहलान पर पिछले कुछ सालों में कई मुकदमें दर्ज किये जा चुके थे। इसके अलावा पुलिस ने नीरज पर 1 लाख रुपए का इनाम भी रखा हुआ था। पुलिस ने बताया कि 2024 के फरवरी महीने में हुए दोहरे हत्याकांड में नीरज प्रमुख गवाह था, लेकिन शनिवार को बदमाशों ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। 4 जुलाई को तहलान पर तब हमला किया गया, जब वो अपनी कार में बैठा था। इस दौरान बदमाश बाइक से कार के पास पहुंचे और दनादन गोलियां चलाने लगे। जब तक गोलियों की आवाज बंद हुई, नीरज को कई गोलियां लग चुकी थीं। पुलिस को शक है कि नीरज की हत्या गैंगस्टर हर्ष धनकड़ उर्फ चिंटू और संजय उर्फ संजू दहिया ने रची थी। हालांकि, पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली में नहीं थम रहा गैंगवार, डबल मर्डर के चश्मदीद को नजफगढ़ में गोलियों से भूना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के नजफगढ़ इलाके में शुक्रवार शाम को उस वक्त सनसनी फैल गई, जब बाइक सवार हमलावरों ने एक कार में बैठे नीरज तेहलान को गोलियों से भून डाला। नीरज के सिर पर 1 लाख रुपये का इनाम था। वो फरवरी 2024 के नजफगढ़ डबल मर्डर केस का अहम गवाह भी था। पुलिस के मुताबिक, शाम सवा 7 बजे के करीब 2-3 हमलावरों ने नीरज पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं और फरार हो गए। पुलिस को शक है कि इस हत्या के पीछे कुख्यात गैंगस्टर हर्ष धनकड़ उर्फ चिंटू, जो हाल ही में विदेश से प्रत्यर्पित हुआ और विदेश में छिपा संजय उर्फ संजू दहिया का हाथ हो सकता है। इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी गई है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पिछले हफ्ते, दिल्ली के बवाना इलाके में एक और खूनी वारदात ने दहशत फैला दी। कुख्यात गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू के गुर्गों ने 27 जून को व्यापारी दीपक की गोली मारकर हत्या कर दी। दीपक, जो मंजीत महाल का भतीजा था, अपनी बेटी के साथ सुबह की सैर पर था। इसी दौरान बाइक सवार हमलावरों ने उस पर 6 गोलियां दाग दीं। इस हमले में दीपक की बेटी भी गोली लगने से घायल हो गई और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हमलावरों ने चार दिन तक दीपक की रेकी की थी। सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि वे दीपक के घर और उसकी एक एक्टिविटी पर नजर रख रहे थे। 43 साल का बीटेक पास व्यापारी दीपक अपनी पत्नी, बच्चों और माता-पिता के साथ बवाना के नांगल ठाकरान गांव में रहता था। वह रोज सुबह परिवार के साथ बवाना रोड पर सैर के लिए जाता था। हमले के वक्त उसके माता-पिता पीछे थे। जबकि वह अपनी बेटी के साथ आगे चल रहा था।

घरेलू हिंसा केस में कौन-कौन बनाए जा सकते हैं आरोपी? दिल्ली हाईकोर्ट ने कर दिया साफ

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा है कि एक छत के नीचे रहने वाले ही घरेलू हिंसा के मामलों में आरोपी बनाए जा सकते हैं। संबंधित घर से दूर रहने वालों को आरोपी नहीं बनाया जा सकता। जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की बेंच ने घरेलू हिंसा कानून की व्याख्या करते हुए कहा कि बेशक रिश्ता कितना भी करीबी क्यों ना हो। जब तक ये रिश्तेदार एक घर या एक छत के नीचे नहीं रहते इनके खिलाफ घरेलू हिंसा का मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। बेंच ने कहा कि घरेलू हिंसा का दायरा घर में साथ रहने वालों तक सीमित है। परिवार के अलग रह रहे सदस्यों को इसमें जबरन घसीटा नहीं जा सकता।

इसके साथ ही बेंच ने एक महिला की सास, देवर और देवरानी को घरेलू हिंसा का आरोपी बनाने की याचिका को खारिज कर दिया। बेंच ने कहा कि निचली अदालत ने उचित निर्णय लेते हुए याचिकाकर्ता महिला की सास, देवर और देवरानी को बतौर आरोपी समन करने से इनकार कर दिया था। हाईकोर्ट इस आदेश को बरकरार रखता है।

याचिकाकर्ता महिला की शादी वर्ष 2001 में हुई थी। उसका कहना था कि शादी के दूसरे दिन से ही उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा था। इस बीच उसने एक बेटी को जन्म दिया। परिवार की प्रताड़ना बढ़ती रही। हालांकि, अपनी याचिका में महिला ने कहा कि वह पति के साथ बहुत साल पहले ही अलग हो गई थी। सास और ससुराल के अन्य सदस्य अलग घर में रह रहे थे, लेकिन फिर भी वो उसे लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। इस बाबत महिला ने कड़कड़डूमा अदालत की फैमिली कोर्ट में वर्ष 2022 में घरेलू हिंसा का मुकदमा कराया था।

रुचिका की हत्या को 2 दिन पहले खरीदा चाकू, डेढ़ घंटे किया इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के लाजपत नगर में मां-बेटे की हत्या के आरोपी नौकर मुकेश पासवान को पुलिस मुगलसराय से लेकर दिल्ली आ गई है। आरोपी ने पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। आरोपी ने बताया कि वह रुचिका की हत्या करने के लिए सीढ़ियों पर बैठकर उसके घर लौटने का डेढ़ घंटे तक इंतजार कर रहा था। इसके लिए उसने चाकू भी खरीद लिया था।

दरअसल, दो दिन पहले रुचिका ने फोन पर मुकेश को अगले दिन से काम पर नहीं आने पर नौकरी से निकालने की धमकी दी थी। इसे लेकर मुकेश रुचिका से गुस्सा था। इतना ही नहीं, आरोपी हत्या के लिए करीब 6:30 बजे ही रुचिका के घर पहुंच गया था। रुचिका घर पर नहीं थी, तो आरोपी ने करीब डेढ़ घंटे तक घर की सीढ़ियों पर बैठकर

इंतजार करता रहा। उसने दो दिन पहले ही चाकू खरीद लिया था।

आरोपी मुकेश ने बताया कि रुचिका स्कूटी से घर आई और उसे सीढ़ियों पर बैठा देखकर चिल्लाई और कहा कि आ गया शक्ल दिखाने के लिए। मुकेश ने रुचिका से पीने के लिए पानी मांगा। रुचिका गेट खोलने के लिए जैसे ही आगे बढ़ी तभी मुकेश ने पीछे से उसका गला काट दिया। इसके चलते रुचिका का खून गेट के बाहर और सीढ़ियों तक फैला हुआ था। मुकेश रुचिका को घायल अवस्था में घसीटता हुआ बिस्तर तक ले गया और वहां उसे छोड़ दिया। इसी दौरान वहां कृष आ गया और उसने अपनी मां को बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हुआ। मुकेश ने बताया कि वह बीमार था और उसके पेट में दर्द था। इस कारण वह दुकान पर नहीं जा पा रहा था। लेकिन पहले दिन से ही रुचिका उसे फोन करने लगी। उसने रुचिका को फोन पर बताया कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है। बावजूद इसके वह उसे परेशान कर रही थी। मुकेश पासवान ने बताया कि उसने रुचिका से 40 हजार रुपये एडवांस सैलरी और दो मोबाइल ले रखे थे। रुचिका हर बात पर पैसे और मोबाइल वापस मांगने की धमकी देती थी। हत्या से दो दिन पहले रुचिका ने उसे डांटा था।

संपादकीय

बादलों के कहर में बहते पहाड़

हिमाचल प्रदेश पर इन दिनों कुदरत की मार पड़ रही है। बादल फटने की घटनाओं से मंडी जिला सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। कई पहाड़ी इलाके भी चपेट में आए हैं। एक तरफ नदियां उफन रही हैं, तो दूसरी तरफ जमीन धंसने से खतरा बढ़ा है। मंगलवार देर रात मंडी जिले में बादल फटने से आई बाढ़ ने तबाही मचा दी। दस लोगों की असमय मौत हो गई, जबकि कई लोग लापता हैं। यह हादसा कितना बड़ा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जिले के कई हिस्सों से संपर्क टूट गया है। गांवों में कई घर क्षतिग्रस्त हो गए, तो कुछ बह गए। राज्य में एक दिन में बादल फटने की ग्यारह घटनाएं हुईं, जिनमें सबसे अधिक मंडी जिले में दर्ज की गईं। यह दुखद है कि मानसून के बादल हिमाचल प्रदेश के लोगों पर आफत बनकर बरसे हैं। अगर समय पूर्व चेतावनी देने के तंत्र की माकूल व्यवस्था की गई होती तो शायद जान-माल का इतना नुकसान नहीं होता। वैसे बादल फटना कोई सामान्य मौसमी घटना नहीं है। जलवायु परिवर्तन की वजह से ऐसी घटनाओं की आवृत्ति बढ़ रही है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि हिमालयी क्षेत्र में तेजी से बदलते मौसम के मिजाज को समझने की जरूरत है। बचाव के क्या रास्ते हो सकते हैं, इस पर विचार करना होगा। यह जलवायु संकट का ही परिणाम है कि अब पहाड़ों पर भी गर्मी पड़ रही है और मानसून में बादल फटने की घटनाओं में इजाफा हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि नमी बढ़ने और गर्म हवा के तेजी से ऊपर उठने के कारण बादल फट रहे हैं और तबाही मचा रहे हैं। ऐसे में चट्टानें, मिट्टी और पेड़ बहते हुए जब नीचे की ओर तेजी से आते हैं, तो रास्ते में आने वाली हर चीज को भारी नुकसान पहुंचाते हैं। कृषि भूमि तो बर्बाद होती ही है, सड़कें और पुल भी ध्वस्त हो जाते हैं और जानी नुकसान भी होता है। हिमाचल और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों में बार-बार बादल फटने की घटनाएं एक गंभीर चेतावनी है, जिसे हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

सनद रहे कि इससे पहले नवंबर, 2024 में ब्राजील में आयोजित जी20 समिट के दौरान दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। भारत और अर्जेंटीना ने खनिज संसाधनों खास कर लीथियम के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाया है। पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों की खपत कम करने और स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाने में लीथियम की भूमिका बेहद अहम है। अर्जेंटीना भारत के लिए सोयाबीन और सूरजमुखी तेल का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। 2024 में भारत अर्जेंटीना का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक सहयोगी और निर्यात गंतव्य था। वहीं, 5-8 जुलाई को पीएम मोदी रियो डे जेनेरियो में ब्रिक्स समिट के दौरान ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा से मुलाकात करेंगे।

मोदी की अफ्रीकी व दक्षिण अमेरिकी देशों की यात्रा से ग्लोबल साउथ को मिलेगी मजबूती, भारत की वैश्विक धमक बढ़ेगी

(कमलेश पांडे)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने 9 दिवसीय विदेश दौरे पर 2 जुलाई को घाना की राजधानी अकरा के लिए रवाना हो गए। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य भी भारत के वैश्विक साझेदारी को ग्लोबल साउथ और अटलांटिक के दोनों पक्षों के साथ संबंधों को मजबूत करना है।

जब वैश्विक पटल पर अमेरिका और चीन एक दूसरे पर पलटवार करने के लिए रूस के मित्र भारत को अपने-अपने खेमे में मिलाने के लिए तरह-तरह की भारत विरोधी चालें चल रहे हैं, वहीं भारत अपनी सधी चाल से रूस को भी हैरत में डालते हुए ग्लोबल साउथ यानी तीसरी दुनिया के देशों पर निरंतर अपनी पकड़ मजबूत करता जा रहा है। इसलिए पीएम नरेंद्र मोदी विगत 11 वर्षों से लगातार वैश्विक यात्रा कर रहे हैं और भारत की वैश्विक स्थिति को काफी मजबूती प्रदान कर चुके हैं। उनकी कोशिश है कि भारत दुनिया के गुटनिरपेक्ष देशों को एक सशक्त नेतृत्व प्रदान करे और अपने साथ साथ सभी देशों का आशातीत विकास करे। इससे सत्य व अहिंसा की वैश्विक भावना को भी मजबूती मिलेगी।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने 9 दिवसीय विदेश दौरे पर 2 जुलाई को घाना की राजधानी अकरा के लिए रवाना हो गए। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य भी भारत के वैश्विक साझेदारी को ग्लोबल साउथ और अटलांटिक के दोनों पक्षों के साथ संबंधों को मजबूत करना है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री की इस यात्रा में घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया का दौरा शामिल हैं। पीएम मोदी ने इन देशों को भारत की विदेश नीति के लिए महत्वपूर्ण साझेदार बताया, जो ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और बहुपक्षीय सहयोग से जुड़े हैं।

अपने इस विदेश यात्रा के दौरान पीएम मोदी अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के कई देशों की यात्रा करेंगे, जिसके अपने वैश्विक मायने हैं। इसके अलावा वह ब्राजील की मेजबानी में हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी शामिल होंगे, जहां वह ग्लोबल साउथ से जुड़े मुद्दों को उठाएंगे। स्पष्ट है कि उनकी यह यात्रा ग्लोबल साउथ में भारत की धमक बढ़ाएगी।प्राप्त जानकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अफ्रीकी देश घाना की पहली द्विपक्षीय यात्रा की शुरुआत 2-3 जुलाई को की। वह पिछले तीन दशक में यहां आने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामा के निमंत्रण पर मैं 2-3 जुलाई को घाना का दौरा करूंगा। घाना ग्लोबल साउथ में एक मूल्यवान साझेदार है और अफ्रीकी संघ और पश्चिम अफ्रीकी राज्यों के आर्थिक समुदाय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने निवेश, ऊर्जा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और विकास साझेदारी जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि घाना की संसद में बोलना मेरे लिए सम्मान की बात होगी।

बता दें कि घाना के राष्ट्रपति जान महामा 2015 में इंडिया-अफ्रीका फोरम समिट के लिए भारत आए थे। वह जनवरी 2025 में तीसरी बार राष्ट्रपति चुने गए हैं। चूंकि घाना भारत को बड़े पैमाने पर वस्तुओं का निर्यात करता है और पश्चिम अफ्रीका की सबसे तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं में से वह एक है। लिहाजा दोनों देश व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। घाना से भारत के आयात में 70 प्रतिशत

हिस्सेदारी गोल्ड की है। प्रधानमंत्री मोदी महामा के साथ द्विपक्षीय भागीदारी की समीक्षा करने के साथ ही आर्थिक, ऊर्जा, रक्षा और विकास सहयोग के जरिये इसे और मजबूत बनाने के तौर-तरीकों पर बात करेंगे।

वहीं, 3-4 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी त्रिनिदाद एवं टोबैगो की यात्रा करेंगे। क्योंकि कैरिबियाई द्वीप में रहने वाले कुल प्रवासी भारतीयों में से 40-45 प्रतिशत त्रिनिदाद एवं टोबैगो में रहते हैं। प्रधानमंत्री कमला परसाद बिसेसर और राष्ट्रपति क्रिस्टिनी कार्ला कंगालू दोनों ही भारतीय मूल के हैं। लिहाजा प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी की त्रिनिदाद एवं टोबैगों की यह पहली यात्रा होगी। पीएम मोदी ने कहा कि वह भारत के साथ गहरी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के बीच जुड़ाव साझा करता है। उन्होंने कहा कि मैं राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू से मिलूंगा, जो इस साल के प्रवासी भारतीय दिवस की मुख्य अतिथि थीं और दूसरी बार कार्यभार संभालने वालीं प्रधानमंत्री कमला परसाद-बिसेसर से मुलाकात करूंगा।

उल्लेखनीय है कि प्रवासी समुदाय के लंबे समय से चले आ रहे रिश्तों को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 180 साल पहले भारतीय पहली बार त्रिनिदाद और टोबैगो पहुंचे थे। यह दौरा हमारे पुश्तैनी और रिश्तेदारी के विशेष बंधनों को नया जीवन देने का अवसर देगा। पीएम मोदी पोर्ट ऑफ स्पेन से ब्यूनस आयर्स जाएंगे, जो 57 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का अर्जेंटीना का पहला द्विपक्षीय दौरा होगा। वहीं, 1999 के बाद भारतीय पीएम की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा भी होगी। क्योंकि पीएम मोदी ने नवंबर 2024 में गुयाना की यात्रा की थी। देखा जाए तो महज आठ माह में कैरेबियाई द्वीप की दूसरी यात्रा से इस बात का संकेत मिलता है कि भारत इस क्षेत्र को कितनी अहमियत दे रहा है। बता दें कि करीब 180 वर्ष पहले भारतीय प्रवासी यहां त्रिनिदाद एवं टोबैगो आए थे। दोनों देशों के बीच आर्थिक रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं और वित्त वर्ष 2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार 34.16 करोड़ डॉलर पहुंच गया।

वहीं, 4-5 जुलाई को पीएम मोदी दक्षिणी अमेरिकी देश अर्जेंटीना की यात्रा करेंगे। गत 57 वर्ष में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। जहां वह अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेयी से मुलाकात के दौरान रक्षा, कृषि, खनन, तेल गैस और ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर बात करेंगे। अर्जेंटीना को लैटिन अमेरिका में एक प्रमुख आर्थिक साझेदार और जी20 में निकट सहयोगी बताते हुए उन्होंने कहा कि मैं राष्ट्रपति जेवियर माइली से मुलाकात का इंतजार कर रहा हूं, जिनसे मैं पिछले साल भी मिला था। हम कृषि, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, व्यापार, पर्यटन, प्रौद्योगिकी और निवेश जैसे क्षेत्रों में पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को बढ़ाने पर ध्यान देंगे।

सनद रहे कि इससे पहले नवंबर, 2024 में ब्राजील में आयोजित जी20 समिट के दौरान दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। भारत और अर्जेंटीना ने खनिज संसाधनों खास कर लीथियम के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाया है। पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों की खपत कम करने और स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाने में लीथियम की भूमिका बेहद अहम है। अर्जेंटीना भारत के लिए सोयाबीन और सूरजमुखी तेल का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। 2024 में भारत अर्जेंटीना का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक सहयोगी और निर्यात गंतव्य था।

वहीं, 5-8 जुलाई को पीएम मोदी रियो डे जेनेरियो में ब्रिक्स समिट के दौरान ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा से मुलाकात करेंगे। समिट के बाद राष्ट्रपति सिल्वा पीएम मोदी के लिए स्पेशल डिनर की मेजबानी करेंगे। ब्रिक्स समिट में पीएम मोदी वैश्विक प्रशासन के सुधारों, शांति एवं सुरक्षा, बहुपक्षीय संस्थाओं को मजबूत करने, जिम्मेदारी के साथ एआइ के इस्तेमाल, जलवायु परिवर्तन के खतरे को कम करने के लिए जरूरी कदमों और वैश्विक स्वास्थ्य पर बात करेंगे।

भारत की ब्रिक्स में महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि एक संस्थापक सदस्य के रूप में भारत ब्रिक्स को उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच मानता है। हम मिलकर एक अधिक शांतिपूर्ण, समान, न्यायपूर्ण, लोकतांत्रिक और संतुलित बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के लिए प्रयास करते हैं। उन्होंने पुष्टि की है कि वह शिखर सम्मेलन के दौरान कई विश्व नेताओं के साथ मुलाकात करेंगे।ब्राजील की यात्रा ब्रासीलिया में एक द्विपक्षीय राजकीय दौरे के साथ जारी रहेगी, जो लगभग छह दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला दौरा होगा। उन्होंने कहा कि यह दौरा ब्राजील के साथ हमारी निकट साझेदारी को मजबूत करने और मेरे मित्र राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने का अवसर देगा। बताया जा रहा है कि समिट से इतर वह कई देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। वहीं, ब्राजील की आधिकारिक यात्रा के दौरान वह राष्ट्रपति लूला के साथ व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, तकनीक, कृषि और स्वास्थ्य के क्षेत्र में रणनीतिक भागीदारी को मजबूत करने के कदमों पर विचार विमर्श करेंगे। ब्राजील दक्षिण अमेरिका में भारत का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है।

वहीं, 9 जुलाई को प्रधानमंत्री नामीबिया की अपनी पहली यात्रा करेंगे। इस दौरान पीएम मोदी वहां के संसद को संबोधित करेंगे। नामीबिया जाने वाले वह तीसरे भारतीय प्रधानमंत्री होंगे। पीएम मोदी की यात्रा का अंतिम पड़ाव नामीबिया होगा, जिसे उन्होंने एक भरोसेमंद साझेदार बताया। मोदी ने कहा कि वह राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी-नदैतवा से मुलाकात और हमारे लोगों, हमारे क्षेत्रों और व्यापक ग्लोबल साउथ के लाभ के लिए सहयोग का एक नया रोडमैप तैयार करने के लिए उत्सुक हैं। वह नामीबियाई संसद के संयुक्त सत्र को भी संबोधित करेंगे। बता दें कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2000 में मात्र 30 लाख डॉलर था जो अब करीब 60 करोड़ डॉलर पहुंच गया है। भारतीय कंपनियों ने नामीबिया के खनन, मैन्यूफैक्चरिंग, डायमंड प्रोसेसिंग और सेवाओं के क्षेत्र में निवेश किया है। पीएम मोदी ने अपनी बहु-देशीय यात्रा के परिणामों के बारे में बात करते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि पांच देशों की मेरी यात्राएं ग्लोबल साउथ में हमारी दोस्ती के बंधनों को मजबूत करेंगी, अटलांटिक के दोनों पक्षों पर हमारी साझेदारी को और गहरा करेंगी और ब्रिक्स, अफ्रीकी संघ, इकोवास और कैरीकॉम जैसे बहुपक्षीय मंचों में हमारी भागीदारी को बढ़ाएंगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भारत की एकता- अखंडता को समर्पित युगपुरुष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

(हेमन्त खण्डेलवाल-विनायक फीचर्स)

कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जो अपने विचारों, संघर्षों और बलिदानों से समय की धारा को मोड़ने का संकल्प रखते हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही युगपुरुष थे, जिनकी राष्ट्रभक्ति, दूरदृष्टि और दृढ़ संकल्प ने भारत की एकता-अखंडता को सुदृढ़ किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही एक युगदृष्टा थे, जिनका जीवन भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए समर्पित था। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि शिक्षाविद्, समाज सुधारक और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल प्रवक्ता भी थे। 6 जुलाई को उनका जन्मदिवस केवल एक स्मरण तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्रनिष्ठा, त्याग और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

देश की स्वतंत्रता के पश्चात जम्मू-कश्मीर को लेकर जो परिस्थितियाँ निर्मित हुईं, वे राष्ट्र की एकता के लिए चुनौती बन गई थीं। अनुच्छेद 370 और 35 ए जैसे प्रावधानों ने जम्मू-कश्मीर को भारत से पृथक करने का प्रयास किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने इस वैचारिक विभाजन का डटकर विरोध किया। उनका स्पष्ट मत था कि ÷एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चल सकते।÷ यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि उनका जीवन दर्शन था। उन्होंने कहा था कि जब कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, तो वहाँ भी भारत के समान संविधान और शासन होना चाहिए। अपने इस सिद्धांत को सत्य सिद्ध करने के लिए उन्होंने अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया, वर्षों बाद उनका सपना साकार हुआ जब 2019 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 और 35 ए को निरस्त किया गया। यह कदम केवल एक संवैधानिक सुधार नहीं था, बल्कि यह भारत की एकता और अखंडता को मजबूत करने का ऐतिहासिक संकल्प था। इस निर्णय के पीछे डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवाद की विचारधारा स्पष्ट रूप से झलकती है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय राजनीति में एक स्पष्ट और सशक्त राष्ट्रीय विचारधारा प्रस्तुत की। जब पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में वैचारिक प्रतिबद्धताएँ राष्ट्रहित से टकराने लगीं, तब उन्होंने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। यह केवल पद का त्याग नहीं था, बल्कि राष्ट्रहित के लिए एक साहसिक और कर्त्तव्यनिष्ठ कदम था। इसके बाद उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जो भविष्य में भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित होकर देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बनी। डॉ. मुखर्जी का सबसे बड़ा संघर्ष जम्मू-कश्मीर की परमिट प्रणाली% के खिलाफ था। यह व्यवस्था कश्मीर में भारतीय नागरिकों की स्वतंत्र आवाजाही को सीमित करती थी, जिससे भारत के अंदरूनी हिस्सों को एक-दूसरे से जोड़ना मुश्किल हो रहा था। 1953 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा करने का साहस दिखाया, जिसके पश्चात उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। श्रीनगर की जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु 23 जून 1953 को हुई। अत्यंत पीड़ादायक है कि न उन्हें समुचित चिकित्सा प्रदान की गई और न ही उनकी मौत की निष्पक्ष जांच की गई। उनकी माता श्रीमती योगमाया देवी ने इसे 'मेडिकल मर्डर' करार दिया, पर सत्ता तंत्र मौन रहा। डॉ. मुखर्जी का यह बलिदान व्यर्थ नहीं गया। उनके निधन के कुछ सप्ताहों के भीतर ही कश्मीर की परमिट प्रणाली समाप्त कर दी गई और धीरे-धीरे वह व्यवस्था बदली, जिसने देश के भीतर अलगाव और तनाव पैदा किया था। हालांकि कांग्रेस सरकारों ने दशकों तक उनकी चेतावनियों को नजरअंदाज किया, परन्तु उनकी विचारधारा आज भी भारतीय राष्ट्रवाद का आधार है।

2004 के बाद जब देश में कांग्रेस की सत्ता रही, तब जम्मू-कश्मीर को विशेष स्वायत्तता देने की बातें पुनः उठी। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 2010 में जम्मू-कश्मीर की स्वायत्तता की बात कहकर भारत की जनता के हितों के साथ खिलवाड़ किया। कांग्रेस ने पीडीपी की कठपुतली बनकर आतंकवादियों के प्रति नरमी बरती, जिससे कश्मीर में दशकों तक हिंसा और विस्थापन हुआ। हजारों नागरिक शरणार्थी बने और उनकी जिंदगी कठिन हुई। इस दौरान अलगाववादी शक्तियों को बढ़ावा मिला और भारत विरोधी गतिविधियां फलने-फूलने लगीं। इसके विपरीत, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2014 के बाद जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद और अलगाववाद को दफन कर देश की एकता को मजबूत किया। डॉ. मुखर्जी के संघर्ष और बलिदान के कारण ही जम्मू-कश्मीर आज भारत का अभिन्न हिस्सा है। भारतीय जनसंघ से भाजपा तक की राजनीति का मूल राष्ट्रवाद रहा है, जिसने देश की अखंडता और सुरक्षा को सर्वोपरि रखा।

शिक्षा के क्षेत्र में भी डॉ. मुखर्जी ने अमूल्य योगदान दिया। उन्होंने उच्च शिक्षा को भारतीय संस्कृति से जोड़ने पर जोर दिया, ताकि देश की युवा पीढ़ी अपने सांस्कृतिक मूल्यों के साथ आधुनिक ज्ञान प्राप्त कर सके। आज नई शिक्षा नीति में भी उनके विचारों की परछाई मिलती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की कई जनकल्याणकारी योजनाएं प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, तीन तलाक विरोधी कानून, डॉ. मुखर्जी के सामाजिक दृष्टिकोण और राष्ट्रहित के विचारों का प्रतिफल हैं। ये योजनाएं देश के गरीब और पिछड़े तबकों को सशक्त बनाने का प्रयास करती हैं, जिसका डॉ. मुखर्जी ने सदैव समर्थन किया था।

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी भारत के महान राष्ट्रवादी नेता थे, जिनका जीवन देशभक्ति और समर्पण की मिसाल है। वे पद, प्रतिष्ठा या स्वार्थ से ऊपर उठकर केवल देश की सेवा में लगे रहे। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का जीवन हमें सिखाता है कि सच्चा राष्ट्रवाद केवल सत्ता प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि सिद्धांतों और न्याय के लिए निरंतर संघर्ष है। आज जब भारत 2047 में स्वावलंबी और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, तब उनकी शिक्षाएं और भी प्रासंगिक हो जाती हैं।

दलाई लामा के चयन पर चीन का साजिशपूर्ण हस्तक्षेप

दलाई लामा केवल तिब्बत के धार्मिक नेता नहीं हैं, वे तिब्बती अस्मिता, स्वतंत्रता और आत्म-सम्मान के प्रतीक हैं। वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो, 1959 में चीन की दमनकारी नीतियों के कारण तिब्बत छोड़कर भारत आए और धर्मशाला में निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना हुई। भारत ने न केवल उन्हें शरण दी, बल्कि एक शांतिपूर्ण संघर्ष के पथप्रदर्शक के रूप में वैश्विक स्तर पर उनके विचारों को मंच भी प्रदान किया। वर्तमान दलाई लामा ने इस पद के लिए अगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी गाडेन फोडरंग ट्रस्ट को दे दी है। उन्होंने कहा है कि इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। उनका इशारा चीन की ओर था। रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया है।

(ललित गर्ग)

चीन, दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहा है, यह दावा करते हुए कि यह धार्मिक और ऐतिहासिक प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि, दलाई लामा और तिब्बती समुदाय का कहना है कि यह अधिकार केवल उनके पास है और चीन का हस्तक्षेप धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है।

तिब्बत के आध्यात्मिक नेता एवं वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो की उत्तराधिकार प्रक्रिया न केवल बौद्ध धर्म और तिब्बत की संस्कृति से जुड़ा विषय है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति, मानवाधिकार और भारत-चीन संबंधों के संदर्भ में भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। चीन द्वारा इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का प्रयास न केवल धार्मिक स्वतंत्रता का हनन है, बल्कि यह वैश्विक जनमत की भी अवहेलना है। इन स्थितियों में उत्तराधिकार के मसले पर भारत की भूमिका एक निर्णायक मार्गदर्शक के रूप में उभरती है और इसे दृष्टि में रखते हुए भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। ऐसा करने में कुछ भी अप्रत्याशित नहीं हैं। भारत शुरू से तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए यह संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर उसकी मनमानी नहीं चलेगी।

चीन, दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहा है, यह दावा करते हुए कि यह धार्मिक और ऐतिहासिक प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि, दलाई लामा और तिब्बती समुदाय का कहना है कि यह अधिकार केवल उनके पास है और चीन का हस्तक्षेप धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। चीन, 'स्वर्ण कलश' प्रणाली का उपयोग करके अपने पसंदीदा उम्मीदवार को स्थापित करना चाहता है। चीन का कहना है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार उसे 'स्वर्ण कलश' प्रणाली के माध्यम से है, जो 1793 में किंग राजवंश के समय से चली आ रही है। इस प्रणाली में, संभावित उत्तराधिकारियों के नाम एक कलश में डाले जाते हैं और फिर एक नाम निकाला जाता है।

दलाई लामा केवल तिब्बत के धार्मिक नेता नहीं हैं, वे तिब्बती अस्मिता, स्वतंत्रता और आत्म-सम्मान के प्रतीक हैं। वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो, 1959 में चीन की दमनकारी नीतियों के कारण तिब्बत छोड़कर भारत आए और धर्मशाला में निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना हुई। भारत ने न केवल उन्हें शरण दी, बल्कि एक शांतिपूर्ण संघर्ष के पथप्रदर्शक के रूप में वैश्विक स्तर पर उनके विचारों को मंच भी प्रदान किया। वर्तमान दलाई लामा ने इस पद के लिए अगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी गाडेन फोडरंग ट्रस्ट को दे दी है। उन्होंने कहा है कि इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। उनका इशारा चीन की ओर था। रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया है। वहीं, चीन ने इस मसले में साजिशपूर्ण हस्तक्षेप करते हुए कहा है कि उत्तराधिकारी का चयन चीनी मान्यताओं के अनुसार और पेइचिंग की मंजूरी से होना चाहिए। चीन दलाई लामा की उत्तराधिकार प्रक्रिया पर नियंत्रण चाहता है ताकि तिब्बती जनता को अपने ही धार्मिक नेता से अलग किया जा सके। 2007 में चीनी सरकार ने एक 'धार्मिक मामलों पर नियंत्रण कानून' लागू किया जिसके अंतर्गत दलाई लामा जैसे धार्मिक नेताओं की नियुक्ति भी राज्य की अनुमति से ही संभव बताई गई। यह न केवल बौद्ध धर्म के सिद्धांतों के विरुद्ध है, बल्कि यह तिब्बती जनता की आस्था और पहचान का गला घोंटने जैसा है।

1959 में जब दलाई लामा को कम्युनिस्ट सरकार के दमन के चलते भारत में शरण लेनी पड़ी थी, तब से हालात बिल्कुल बदल गए हैं- चीन बेहद ताकतवर हो चुका है और तिब्बत कमजोर। इसके बाद भी अगर तिब्बत का मसला जिंदा है, तो वजह हैं दलाई लामा। चीन इसे समझता है और इसी वजह से इस पद पर अपने प्रभाव वाले किसी शख्स को बैठाना चाहता है। चीन की योजना यह है कि जब वर्तमान दलाई लामा का देहांत हो, तो वह अपनी पसंद का एक 'दलाई लामा' घोषित करे, जिसे वैश्विक समुदाय भले ही स्वीकार न करे, लेकिन चीन उसकी पहचान को जबरन वैधता प्रदान करे। यह एक राजनीतिक कठपुतली खड़ी करने जैसा है, जिससे तिब्बत पर उसका शासन वैचारिक रूप से मजबूत हो सके। लेकिन भारत, जो दलाई लामा और तिब्बती निर्वासित समुदाय का स्वागत करता रहा है, अब उस नाजुक मोड़ पर है जहाँ केवल नैतिक समर्थन पर्याप्त नहीं होगा। चीन की विस्तारवादी नीति और आक्रामक कूटनीति को देखते हुए भारत को अपनी रणनीतिक स्थिति स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करनी होगी।

चीन ने तिब्बत की पहचान को मिटाने की हर मुमकिन कोशिश कर ली है। दलाई लामा के पद पर दावा ऐसी ही एक और कोशिश है। उसकी वजह से यह मामला धर्म से आगे बढ़कर वैश्विक राजनीति का रूप ले चुका है, जिसका असर भारत और उन तमाम जगहों पर पड़ेगा, जहां तिब्बत के लोगों ने शरण ली है। भारत पर तो चीन लंबे समय से दबाव डालता रहा है कि वह दलाई लामा को उसे सौंप दे। चीन और तिब्बत की लड़ाई भारतीय भूमि पर दशकों से चल रही है और नई दिल्ली-पेइचिंग के बीच तनाव का एक बड़ा कारण बनती रही है। दलाई लामा की घोषणा के अनुसार, उनका उत्तराधिकारी तिब्बत के बाहर का भी हो सकता है- अनुमान है कि भारत में मौजूद अनुयायियों में से कोई एक, तो यह तनाव और बढ़ सकता है। लेकिन, इसमें भारत के लिए मौका भी है। वह चीन पर कूटनीतिक दबाव डाल सकता है, जो पहलगाम जैसी घटना में भी पाकिस्तान के साथ खड़ा रहा और बॉर्डर से लेकर व्यापार तक, हर जगह राह में रोड़े अटकाने में लगा है। धर्मशाला, जहाँ वर्तमान दलाई लामा रहते हैं, अब विश्व स्तर पर तिब्बती संस्कृति एवं बौद्ध परंपराओं का केंद्र बन गया है। भारत को इस केंद्र को आधिकारिक मान्यता देनी चाहिए और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर इस धार्मिक स्वतंत्रता के प्रश्न को उठाना चाहिए। अब जबकि दलाई लामा स्वयं कह चुके हैं कि उनके उत्तराधिकारी का चयन भारत में हो सकता है तो भारत सरकार को इस पर एक स्पष्ट नीति बनानी चाहिए कि वह चीन द्वारा घोषित किसी भी 'नकली' दलाई लामा या अनुचित हस्तक्षेप को मान्यता नहीं देगा। भारत को अमेरिका, जापान, यूरोपीय संघ जैसे लोकतांत्रिक देशों के साथ समन्वय स्थापित करके इस विषय पर वैश्विक समर्थन, कूटनीतिक दबाव और अंतरराष्ट्रीय समन्वय तैयार करना चाहिए। अमेरिका भी पहले ही कह चुका है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी केवल तिब्बती परंपराओं के अनुसार चुना जाएगा। अमेरिका में तिब्बती बौद्धों की धार्मिक स्वायत्तता को लेकर डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी दोनों ही मुखर रही हैं। इतना ही नहीं अमेरिकी सरकार अगले दलाई लामा के चयन में चीन के दखल को भी अमान्य करार देती आई है।

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओत्से तुंग की कमान में चीनी सेना लंबे समय तक तिब्बत पर कब्जे की कोशिश में जुटी रही। इसके खिलाफ जब दलाई लामा के नेतृत्व में तिब्बती बौद्धों ने आवाज उठाई तो चीनी सेना ने इसे बर्बरता से कुचल दिया। इसके बाद 1959 में चीन के तिब्बत पर कब्जा करने के बाद दलाई लामा तिब्बतियों के एक बड़े समूह के साथ भारत आ गए और यहां से ही तिब्बत की निर्वासित सरकार का संचालन करने लगे। तिब्बत में इस घटना ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। तब से दलाई लामा ने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला को अपना घर बना लिया, जिससे बीजिंग नाराज हो गया और वहां उनकी उपस्थिति चीन और भारत के बीच विवाद का विषय बनी रही। भारत में बसे तिब्बती शरणार्थियों को शिक्षा, रोज़गार और यात्रा से संबंधित नागरिक अधिकार देने की दिशा में ठोस कदम उठाकर भारत उनके प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर सकता है। भारत में इस वक्त करीब 1 लाख से ज्यादा तिब्बती बौद्ध रहते हैं, जिन्हें पूरे देश में पढ़ाई और काम की स्वतंत्रता है। दलाई लामा को भारत में भी काफी सम्मान दिया जाता है।

दलाई लामा के उत्तराधिकारी का प्रश्न केवल एक व्यक्ति के चयन का विषय नहीं, बल्कि यह बौद्ध संस्कृति, तिब्बती आत्मनिर्णय और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा का सवाल है। चीन की तानाशाही मानसिकता इसे नियंत्रित करना चाहती है, जबकि भारत को इसकी स्वतंत्रता की रक्षा करनी है। भारत को इस धर्म-राजनीति के संघर्ष में विवेकपूर्ण, दृढ़, निर्णायक और न्यायोचित भूमिका निभाते हुए न केवल तिब्बती जनता का, बल्कि विश्व भर के धार्मिक अधिकारों का भी संरक्षक बनना चाहिए। यही भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की नीति की सच्ची अभिव्यक्ति होगी।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

थामा पहाड़ का दामन, महिलाओं को बना रहीं आत्मनिर्भर

रानीखेत (अल्मोड़ा), एजेंसी। शहरों की चकाचौंध छोड़ सूदूर गांव पहुंची शुचि राकेश जोशी ने गांव की महिलाओं के साथ मिलकर पलायन रोकने की ठानी है। 'प्योर पहाड़ी' नाम की संस्था बनाकर शुचि ने गांव की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सराहनीय पहल शुरू की है। उनके प्रयासों की लोगों ने सराहना की है। ताड़ीखेत ब्लॉक के नौगांव में 'प्योर पहाड़ी' संस्था के जरिए स्थानीय उत्पादों को नई पहचान दी जा रही है। लंबे समय तक नोएडा सहित कई अन्य स्थानों पर काम कर चुकी नोएडा निवासी शुचि पूजा-पाठ के लिए गांव पहुंचीं और यहीं की मिट्टी से जुड़ने का संकल्प लिया। परिजनों से सहयोग मिलने पर उन्होंने स्थानीय महिलाओं के साथ मिलकर लहसुन, अदरक, पुदीना, भांग, लाल मिर्च आदि से बना पहाड़ी नमक बेहतरीन पैकिंग में नोएडा के बाजारों में उतारा। इसके साथ ही शहद और अन्य मसालों को भी बाजार में लाने की तैयारी की जा रही है। गांव में रोजगार मिलने से महिलाएं बेहद उत्साहित हैं। संस्था की संस्थापक शुचि ने बताया कि जल्द ही और महिलाओं को जोड़ा जाएगा जिससे उन्हें घर बैठे रोजगार मिल सके। उन्होंने बताया कि नोएडा में पहाड़ी नमक को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। अन्य शहरों में भी उत्पादों को पहुंचाने की योजना है। गांव की बहू शुचि की यह पहल न सिर्फ ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है। बल्कि पहाड़ से हो रहे पलायन पर भी लगाम लगाने में मददगार साबित हो रही है।

आरोपित अब्दुल मलिक व अन्य को जमानत नहीं, हाई कोर्ट ने निचली कोर्ट जाने को कहा

नैनीताल, एजेंसी। हाई कोर्ट ने हल्द्वानी के बनभूलपुरा दंगा के मुख्य आरोपित अब्दुल मलिक, अब्दुल मोइद और चालक मोहम्मद जहीर की जमानत याचिका पर सुनवाई की। वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी व न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की खंडपीठ ने फिलहाल आरोपितों को कोई राहत नहीं देते हुए अगली सुनवाई को एक माह बाद की तिथि नियत है। गुरुवार को सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से कहा गया कि तीनों आरोपितों के विरुद्ध सत्र न्यायालय में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है, इसलिए आरोपियों को जमानत के लिए फिर से सत्र न्यायालय में जाना चाहिए जबकिआरोपियों की ओर से कहा गया कि सत्र न्यायालय के बजाय खंडपीठ इस प्रकरण में सुनवाई करे। कहा कि उन्हें फिलहाल डिफॉल्ट जमानत दी जाए, मामले में तय समय पर पुलिस ने चार्जशीट दायर नहीं की। इन्हीं आरोपों में हाई कोर्ट अन्य आरोपियों को पहले जमानत दे चुका है। नागरिक सहित सरकारी संपत्ति को नुकसान हुआ था। जांच करने पर पुलिस ने मुख्य आरोपित सहित अन्य के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया, दंगे में शामिल करीब 50 से अधिक लोगो की जमानत हो चुकी है, मुख्य साजिश कर्ता व उसके साथ देने वालों की जमानत कोर्ट में विचाराधीन है।

द्वाराहाट के छात्रों ने शून्य बजट में विकसित की वर्चुअल लैब

द्वाराहाट (अल्मोड़ा), एजेंसी। बिपिन त्रिपाठी कुमाऊं प्रौद्योगिकी संस्थान द्वाराहाट के बीटेक कंप्यूटर साइंस के चार छात्रों ने शून्य निवेश में एक कार्यात्मक वर्चुअल लैब विकसित की है। लैब कंप्यूटर संगठन और वास्तुकला (सीओए) विषय को आसान और संवादात्मक रूप में समझाने के उद्देश्य से तैयार की गई है।छात्र अजय सिंह बिष्ट, क्षितिज कथूरा, आयुष सैनी और हर्षित की टीम ने यह परियोजना शिक्षा मंत्रालय की वर्चुअल लैब परियोजना के तहत उत्तराखंड नोडल केंद्र आईआईटी रुड़की के तकनीकी मार्गदर्शन में पूरी की है। छात्रों ने बताया कि ओपन सोर्स प्लेटफार्म, निशुल्क में उपलब्ध डेवलपमेंट टूल्स और अपने प्रोग्रामिंग कौशल का उपयोग करके यह उच्च स्तरीय सिमुलेशन लैब तैयार की है।

40 साल पुराना कटहल पेड़, 100 क्विंटल से ज्यादा पैदावार, मालामाल हो रहा किसान

हल्द्वानी, एजेंसी।
अगर आपको कोई कहे कि एक पेड़ से 100 क्विंटल से अधिक कटहल की पैदावार हो सकती है तो आपको असंभव लगेगा. लेकिन उत्तराखंड के नैनीताल जिले के हल्द्वानी के गौलापार के रहने वाले प्रगतिशील किसान नरेंद्र सिंह मेहरा ने यह कर दिखाया है. कटहल उत्पादन अब नरेंद्र सिंह की आर्थिकी का साधन बन गया है और उनके कटहल की मार्केट में भारी मांग रहती है.

फलों से लदा रहता है कटहल का पेड़ः वहीं एक परिपक्व कटहल का पेड़ प्रतिवर्ष 200 से 500 फल दे सकता है, लेकिन नरेंद्र मेहरा ने जैविक विधि से तैयार किए गए कटहल के पेड़ से 100 क्विंटल से अधिक का उत्पादन किया है. किसान नरेंद्र मेहरा कृषि और बागवानी के क्षेत्र में कई मुकाम हासिल कर चुके हैं. उन्होंने अपने बगीचे में कटहल का पेड़ तैयार किया है, जो कटहल से लदा रहता है.

कहटल से होती है कमाईः नरेंद्र मेहरा ने बताया कि उनके बगीचे में लगभग 40 साल पुराना कटहल का पेड़ है. बगीचा पूरी तरह से ऑर्गेनिक हैं. पिछले कई सालों से वो कटहल के पेड़ से भारी उत्पादन कर रहे हैं. उन्होंने बताया कि उनके पेड़ पर इस वर्ष करीब 100 क्विंटल से अधिक कटहल लगा हुआ है उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष उन्होंने एक पेड़ से 45 हजार रुपए की कटहल बेचा था और उम्मीद है कि इस बार पिछले साल की तुलना में अधिक कमाई होगी.

नरेंद्र मेहरा का कहना है कि किसानों के लिए कटहल की खेती को काफी लाभदायक माना जाता है, क्योंकि इससे सालों साल मोटी कमाई हो सकती है. कटहल का पौधा लगाने के बाद किसानों को इसका 2 से 4 साल तक रखरखाव और मेंटेनेंस करना होता है. जिसके बाद फल आना शुरू हो जाता है और अच्छी कमाई होती है. इसके लिए ना तो किसानों को दवाई की आवश्यकता होती है और ना ही किसी मेंटेनेंस की. साथ ही मौसम परिवर्तन या फिर आंधी तूफान का भी कोई असर नहीं होता है.

5 सालों में फल देने लगता है कटहल का पौधाः कटहल का पौधा लगने के लगभग 5 सालों बाद फल देना शुरू कर देता है. शुरुआत में इसका पौधा 200 से 300 किलोग्राम तक उत्पादन देता है. लेकिन 10 वर्ष पुराना होने के बाद उसके फल देने की क्षमता लगातार बढ़ती जाती है और इसका एक पेड़ लगभग 500 से 600 किलो तक फल का उत्पादन कर सकता है. मार्केट में कटहल की खासी मांगः कटहल का इस्तेमाल सबसे अधिक सब्जी और अचार बनाने के लिए किया जाता है. कई राज्यों में पके हुए कटहल को फल के रूप में लोग खाते हैं. विदेशों में भी अब कटहल की अच्छी खासी डिमांड रहने लगी है.

कार-बाइक की टक्कर के बाद महिला ने खोया आप, बोली- मुझे धमका रहे हो, मेरा बेटा आइपीएस है एक-एक को अंदर कर दूंगी

हल्द्वानी, एजेंसी।
मुझे अकेली महिला समझकर धमका रहे हो। मैंने बोला कि मुझसे गलती हो गई। इसके बाद मुझे परेशान करने की क्या जरूरत है। अब मैं तुम्हें बताऊंगी गुंडागर्दी किसे कहते हैं। मेरा बेटा आइपीएस है। एक-एक को अंदर करा दूंगी। एक महिला की ये सब बातें कहते हुए वीडियो इंटरनेट मीडिया में तेजी से प्रसारित हो रहा है। जिसमें लोग प्रतिक्रिया कर चटकारे ले रहे हैं।

वीडियो बुधवार का बताया जा रहा है। कुछ युवक अपनी कार से परीक्षा देने के लिए हल्द्वानी आए थे। एमबीपीजी कालेज के पास सड़क किनारे खड़ी युवकों की कार पर स्कूटी सवार महिला से टक्कर लग गई। कार सवार दो तीन युवक बाहर आए और महिला से कहने लगे कि उनकी वजह से कार में स्क्रैच आया है। उन्हें नुकसान का भुगतान करना होगा।

इस बीच एक युवक ने वीडियो बना दी। इससे महिला नाराज हो गई। कुछ देर बहस के बाद महिला का धैर्य जवाब दे गया। महिला ने गुस्से में युवकों को अपशब्द कह डाले। कुछ लोगों ने विवाद का वीडियो इंटरनेट मीडिया में प्रसारित कर दिया। जिसमें महिला कह रही है कि उनका बेटा आइपीएस है। उन्हें धमकी देने से पहले परिणाम के बारे में सोच लो।

वीडियो में महिला यह तक कहते हुए सुनाई दे रही है कि तुम परीक्षा देने आए हो। जीवनभर किसी परीक्षा में पास नहीं हो पाओगे। मेरे बेटे ने ईमानदारी से परीक्षाएं दीं। तुम्हारी तरह किसी को गुंडागर्दी नहीं दिखाई। इधर, पुलिस ने वीडियो के जांच की बात कही है।

पुलिस रातभर हल्द्वानी में करती रही तलाश, रामपुर में मिला छठवीं का छात्र

हल्द्वानी, एजेंसी। डहरिया के साप्ताहिक बाजार में काटन कैंडी बेचने गया कक्षा छह का छात्र रात को घर नहीं लौटा। स्वजन ने अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी। बुधवार की पूरी रात पुलिस व स्वजन उसकी तलाश करते रहे।

बुधवार की सुबह उत्तरप्रदेश के रामपुर मिलक से फोन आया कि बच्चा वहां पहुंच गया है। इस सूचना के बाद स्वजन ने राहत की सांस ली। टीपीनगर चौकी क्षेत्र के शिवाजी कालोनी फार्म नंबर तीन डहरिया निवासी विषम पाल ने पुलिस को बताया कि उनका 13 वर्षीय बेटा अभिकेत देवलचौड़ सरकारी स्कूल में पढ़ता है। बुधवार को बेटा डहरिया में साप्ताहिक बाजार में काटन कैंडी बेचने के लिए गया था पर वापस नहीं लौटा। उन्होंने अनहोनी की आशंका जताई।

सूचना पर कोतवाल राजेश कुमार यादव व चौकी इंचार्ज मनोज कुमार टीम के संग साप्ताहिक बाजार पहुंचे। रातभर पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए इधर-उधर दौड़ती रही। मगर छात्र का पता नहीं चला। सुबह उनके मूल निवासी उत्तरप्रदेश के रामपुर थाना मिलक के कूप गांव से फोन आया कि बच्चा यहां पहुंच गया है।

वादों में उलझा विकास, जस के तस हालात; गांवों में सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य पर स्थिति दयनीय

अल्मोड़ा, एजेंसी।
उत्तराखंड में पंचायत चुनाव का बिगुल बज चुका है। गांवों में विकास के दावे और वादों की गूंज सुनाई दे रही है लेकिन हकीकत में ताड़ीखेत विकासखंड के सैकड़ों गांव आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं।

उत्तराखंड में पंचायत चुनाव का बिगुल बज चुका है। गांवों में विकास के दावे और वादों की गूंज सुनाई दे रही है लेकिन हकीकत में ताड़ीखेत विकासखंड के सैकड़ों गांव आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी बुनियादी जरूरतें आज तक पूरी नहीं हो सकीं।

सरकारी रिकॉर्ड में अधिकतर गांवों को सड़कों से जोड़ने का दावा किया है लेकिन जमीनी हकीकत अलग है। मल्ला विश्वा, दाड़िमा, गैरा जैसे गांवों में आज भी सिर्फ कच्ची सड़कें हैं। बरसात में ये कीचड़ से लथपथ हो जाती हैं और गर्मियों में धूल उड़ाती हैं।

ग्रामीण हर चुनाव में पक्की सड़क का सपना देखते हैं लेकिन हर बार सिर्फ वादा ही हाथ आता है। स्वास्थ्य सेवाएं भी नाम मात्र की हैं। अधिकतर गांवों में स्वास्थ्य केंद्र तो है लेकिन छोटी बीमारी में भी लोगों को कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। रोजगार की कमी के कारण युवा गांव छोड़ रहे हैं। पलायन की रफ्तार इतनी बढ़ गई है कि कई गांव आधे खाली हो गए हैं।

2011 की जनगणना के अनुसार क्षेत्र की जनसंख्या 66,831 थी जो अब घटकर लगभग 55000 रह गई है। ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव आते ही घोषणाएं होती हैं लेकिन काम कभी नहीं होता। अब पंचायत चुनाव के माहौल में एक बार फिर वही वादे दोहराए जा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर चल रहे चुनाव पर रहेगी पुलिसिया नजर

रामनगर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के नामांकन शुरू होने के साथ प्रचार भी जोर पकड़ने लगा है। इस बीच प्रत्याशी और उनके समर्थक सोशल मीडिया से माहौल बनाने में जुट गए हैं। इस बीच नैनीताल पुलिस की सोशल मीडिया निगरानी सेल सभी चुनाव संबंधी पोस्ट पर नजर रखी रही है ताकि चुनाव प्रभावित न होने के साथ माहौल सही बना रहे।

नैनीताल पुलिस की सोशल मीडिया निगरानी सेल फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि प्लेटफॉर्म से चुनाव प्रचार करने वालों पर गिनरानी रखे हुए है। अपने-अपने पक्ष में चुनावी माहौल बनाने वाले पोस्ट पर यदि कोई समर्थक या अन्य व्यक्ति आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहा है तो सोशल मीडिया सेल की टीम संबंधित थाने को सूचित करेगी।

दो महीने के भीतर सचिवालय की आधिकारिक वेबसाइट तैयार करें, हाईकोर्ट का राज्य सरकार को आदेश

नैनीताल, एजेंसी।
उत्तराखंड सचिवालय की आधिकारिक वेबसाइट न होने के मामले पर नैनीताल हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. मामले में हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए राज्य सरकार को दो महीने के भीतर उत्तराखंड सचिवालय की आधिकारिक वेबसाइट तैयार करने के आदेश दिए हैं. साथ ही कोर्ट ने इस याचिका को निस्तारित कर दिया है.

समाधान संस्था ने दायर की थी याचिकाः दरअसल, देहरादून की समाधान संस्था ने नैनीताल हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की है. जिसमें संस्था का कहना है कि उत्तराखंड सचिवालय की अपनी वेबसाइट नहीं है. यह सूचना अधिकार अधिनियम 2005 का खुला उल्लंघन है.

याचिकाकर्ता ने कोर्ट में कही ये बातः याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि एक साल पहले भी इस संदर्भ में प्रत्यावेदन भी सौंपा गया था. तब उन्हें एक साल के भीतर सचिवालय की आधिकारिक वेबसाइट के गठन का आश्वासन दिया गया था, लेकिन आज तक मामले में कोई प्रगति नहीं हुई है. अभी तक वेबसाइट नहीं बनी है. याचिकाकर्ता का कहना था कि आधिकारिक वेबसाइट न होने से सूचना कार्यकर्ताओं और आम लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. सचिवालय की आधिकारिक वेबसाइट न होने से आम जनता को उचित जानकारी नहीं मिल पा रही है.

हाईकोर्ट ने निस्तारित की याचिकाः वहीं, मामले में सुनवाई करते हुए वरिष्ठ न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने जनहित याचिका को निस्तारित कर दिया है. साथ ही कोर्ट ने सामान्य प्रशासन विभाग को निर्देश दिया है कि जल्द ही सचिवालय की आधिकारिक वेबसाइट बनाई जाए.

मौत ने बुलाया था : नहाना तो बस एक बहाना था, घूमने की जिद खींच लाई मुसाताल

नैनीताल, एजेंसी।
भीमताल ब्लॉक की ग्राम पंचायत चाफी के मुसाताल में नहाने गए दो एयरफोर्स कर्मियों की डूबने से मौत हो गई। अब साथ आए जवानों के दिल में बची हैं तो इस ट्रिप की बुरी यादें।

प्रकृति की गोद में सुंदर नजारे के बीच नहाने की जिद से एयरफोर्स के दो जवान काल के गाल में समा गए। अब साथ आए जवानों के दिल में बची हैं तो इस ट्रिप की बुरी यादें। साथ ही यह टीस भी उन्हें जिंदगीभर सालती रहेगी कि काश नहाने के लिए ताल में नहीं उतरते।पहाड़ के प्राकृतिक सौंदर्य का लुत्फ उठाने के लिए पठानकोट पंजाब एयरफोर्स के चार जवान अपने चार अन्य दोस्तों के साथ नैनीताल के धारी स्थित सुंदरखाल के होटल में बुधवार को पहुंचे।

बृहस्पतिवार को आठों दोस्त भीमताल में चाफी के तोक बेलवागांव स्थित परिताल के मध्य मुसाताल घूमने के लिए पहुंचे। मुसाताल पहुंचने के बाद सौरभ सिंह नयाल, प्रिंस यादव, शाहिल और विजेंद्र का नहाने का मन हुआ तो बिना सोचे समझे ताल में उतर गए। ताल में नहाते-नहाते प्रिंस यादव और शाहिल गहराई में चले गए। इस बीच वे डूबने लगे तो सौरभ और विजेंद्र ने दोनों को बचाने का काफी प्रयास किया लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। दोनों दोस्तों की मौत के बाद सौरभ और विजेंद्र के साथ चार अन्य महिला दोस्तों का रो-रोकर बुरा हाल है।

लोगों ने बताया कि नहाने की जिद के चलते दोनों की जान चले गई। एसडीएम केएन गोस्वामी और सीओ प्रमोद साह ने सभी को सांत्वना दी। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह सुंदरखाल होटल में ठहरे हुए थे।

उत्तराखंड के छात्र के हाथ लगा जैकपॉट, अमेजन में मिला 47.88 लाख का पैकेज

भवाली, एजेंसी।
ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल परिसर ने अपने उत्कृष्ट प्लेसमेंट की परंपरा को जारी रखते हुए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यूनिवर्सिटी के बीटेक कंप्यूटर साइंस के अंतिम वर्ष के छात्र शैलेश रौतेला को विश्व की अग्रणी कंपनी अमेजन से 47.88 लाख वार्षिक का आकर्षक पैकेज प्राप्त हुआ है।

यूनिवर्सिटी से मिली जानकारी के अनुसार यह प्रस्ताव शैलेश को इस वर्ष के सबसे उच्च वेतन वाले छात्रों में शामिल करता है। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता तथा विद्यार्थियों की योग्यता पर भी उद्योग जगत का प्रभाव बढ़ा है।शैलेश के साथ पारुल सिंह, सान्या पांडे और मुकेश नेगी को भी अमेजन से नौकरी के प्रस्ताव मिले हैं। इसके अलावा कंप्यूटर साइंस विभाग के ही करण मटियाली और मयंक जोशी को वीजा कंपनी से 32.88 लाख वार्षिक का पैकेज प्राप्त हुआ है। वर्ष 2025 के प्लेसमेंट सत्र में कई प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भाग लिया। प्रमुख भर्ती कंपनियों में अमेजन, वीजा, टीसीएस, विप्रो, इन्फोसिस, कैपजेमिनी, एक्सेंचर, काग्निजेंट, हिताची, एडोबी, जेडएस एसोसिएट्स, डेलाइट, आईबीएम, एचसीएल, जारो एजुकेशन, एबी इनबेव जीसीसी, टाटा हेल्थकेयर और बीएनवाई मेलान प्रमुख हैं।

अल्मोड़ा में भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल ने कराया नामांकन

अल्मोड़ा, एजेंसी।
जिले में पंचायत चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई हैं. जिला पंचायत चुनाव को लेकर प्रत्याशियों से लेकर समर्थकों तक में खासा उत्साह है. प्रत्याशी अपने चुनाव क्षेत्र में जगह जगह पोस्टर बैनर लगाकर प्रचार में जुट गए हैं. चुनाव के लिए कई लोग नामांकन करा चुके हैं. धारानौला स्थित जिला पंचायत कार्यालय परिसर में नामांकन दाखिल करने के दौरान प्रत्याशियों और उनके समर्थकों का जमावड़ा लग रहा है.

अल्मोड़ा में जिला पंचायत सदस्य की 45 सीटों पर चुनाव होना है. पिछले तीन दिन में 143 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल कर चुनावी ताल ठोक दी है. प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ नामांकन करने पहुंच रहे हैं. अल्मोड़ा भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल भी अपना नामांकन दाखिल किया है. वह एक बार फिर सकनियाकोट से चुनावी मैदान में हैं. महेश नयाल साल 2019 में सकनियाकोट से जिला पंचायत सदस्य चुने गए थे.

तब भाजपा ने उन्हें जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव लड़ाया था. लेकिन उस चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार उमा बिष्ट जिला पंचायत अध्यक्ष निर्वाचित हुई थी. इधर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल की बहू सुनीता कुंजवाल को भी इस बार खॉकर सीट से कांग्रेस की अधिकृत प्रत्याशी के रूप में उतारा गया है. जबकि कई पूर्व जिला पंचायत सदस्यों ने भी दोबारा चुनाव मैदान में ताल ठोकी है. भाजपा कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशियों के साथ ही कई निर्दलीय प्रत्याशी भी नामांकन करा रहे हैं. रिटर्निंग ऑफिसर अजय कुमार ने बताया कि पिछले तीन दिनों में कुल 143 लोगों ने इस पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल किए हैं. तीसरे दिन जिला पंचायत सदस्य पद के लिए 96 लोगों ने नामांकन कराए. जिसमें 39 महिला व 57 पुरुष उम्मीदवारों ने पर्चा भरा। और 57 नामांकन पत्रों की ब्रिकी हुई. इससे पहले तीन जुलाई को 44 तथा दो जुलाई को तीन प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल कर चुके हैं. भाजपा और कांग्रेस ने जिपं सदस्य पद पर अपने समर्थकों को जीत दिलाने के लिए पूरी ताकत लगा रखी है. शनिवार यानि आज नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन है. इसके बाद नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी होगी. नाम वापसी के निर्धारित समय बाद 45 सीट पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की संख्या पता चलेगी.

संक्षिप्त समाचार

रात को सोते समय तकिए के नीचे रखते हैं मोबाइल, तो हो जाएं सावधान...इन पांच गंभीर बीमारियों का खतरा

आगरा, एजेंसी। हार्ट अटैक के मामलों में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है। फिर चाहे उम्र कोई भी क्यों न हो। एंजियोग्राफी कराने वालों में युवाओं की संख्या बढ़ रही है। चिकित्सकों का कहना है कि खराब फिटनेस, धूम्रपान-एल्कोहल से खतरा और भी बढ़ रहा है। बढ़ते हार्टअटैक की बहस के बीच चिकित्सक इसकी सबसे बड़ी वजह कम नींद, तनाव, शराब-धूम्रपान और खराब फिटनेस को मान रहे हैं। मोबाइल-लैपटॉप का दुरुपयोग नींद में सबसे बड़ी बाधा बन कर उभरी है। एसएन मेडिकल कॉलेज के हृदय रोग विभाग में 30-45 साल के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। एसएन के हृदय रोग विभाग के डॉ. सौरभ नागर का कहना है कि ओपीडी में 80 से अधिक मरीज रोज आ रहे हैं। इनमें 30 साल से कम के 5 फीसदी, 30-45 साल के 25 फीसदी हैं। इनमें हार्टअटैक, कार्डियक अरेस्ट, नस में ब्लॉकेज, वॉल्व में सिकुड़न-लीकेज, धड़कन बढ़ने की दिक्कत मिल रही है। इनमें 80 फीसदी ज्यादा वजन और 50 फीसदी मोटापे के शिकार मिले। धूम्रपान-एल्कोहल के साथ बाजार के खाने के शौकीन मिले।

प्रदेश में बढ़ेगा मक्के का उत्पादन... तैयार होंगी नई किस्में, मक्का से एथेनाल बनाने पर भी जोर

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में मक्का उत्पादन बढ़ाने के लिए नई किस्में तैयार की जाएंगी। यही नहीं बैठक में मक्के से एथेनाल बनाने पर भी चर्चा की गई। अंतरराष्ट्रीय मक्का एवं गेहूं सुधार केंद्र मेक्सिको के साथ मिलकर काम होगा। उत्तर प्रदेश में मक्का का उत्पादन बढ़ाने के साथ ही इसकी नई किस्में भी तैयार की जाएंगी। नई किस्म के बीज किसानों को मुहैया कराया जाएगा। इसके लिए कृषि विभाग और भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान लुधियाना-पंजाब और अंतरराष्ट्रीय मक्का एवं गेहूं सुधार केंद्र मेक्सिको मिलकर कार्य करेगा। कृषि भवन में शुक्रवार को कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों व अन्य प्रतिनिधियों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ ही अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने मक्का उत्पादन पर विस्तार से चर्चा की। मक्के से एथेनाल उत्पादन पर भी चर्चा हुई। इसके लिए कृषि विभाग बीज उत्पादन, विपणन आदि से जुड़ी कई नई परियोजनाएं तैयार करेगा। इन परियोजनाओं को अनुसंधान संस्थान मदद करेगा। कृषि विभाग के प्रमुख सचिव रविंद्र ने बताया कि बैठक में वैज्ञानिकों ने आपसी सुझाव साझा किए।

हाईकोर्ट ने कहा-महिला के कपड़े उतारना दुष्कर्म की कोशिश जैसा ही अपराध, खारिज की राहत देने की याचिका

लखनऊ, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने अपने एक फैसले में स्पष्ट किया है कि महिला के कपड़े उतारना भी दुष्कर्म की कोशिश जैसा अपराध है। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने एक फैसले में कहा कि दुराचार करने के लिए किसी महिला के कपड़े उतारना दुष्कर्म की कोशिश करने का अपराध है। न्यायमूर्ति रजनीश कुमार की एकल पीठ ने इस टिप्पणी के साथ दुष्कर्म के प्रयास के मामले में सजायाफ्ता की अपील को खारिज कर दिया। अलीगंज थानाक्षेत्र के वर्ष 2004 के मामले में आरोपी प्रदीप कुमार के खिलाफ आरोप था कि उसने एक महिला का अपहरण कर करीब 20 दिन अपने संबंधी के मकान में बंद रखा और उसके साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को 10 वर्ष की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ आरोपी ने हाईकोर्ट में अपील की थी।

ताज की सुरक्षा...त्रिस्तरीय घेरे के साथ रहेगा एसओपी का पहरा, नया प्लान किया जा रहा तैयार

आगरा, एजेंसी। ताजमहल की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हाल ही में एक कार से हुई फायरिंग की घटना के बाद, अब ताजमहल के रेड और यलो जोन के बाहर भी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाई जाएगी। इसका उद्देश्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम देकर भागने वालों को तुरंत पकड़ना और भविष्य में ऐसी वारदातों को रोकना है।

हाल ही में आजमगढ़ के एक युवक ने ताजमहल के पश्चिमी गेट बैरियर पर प्रवेश न मिलने पर फायरिंग कर दी थी और आसानी से कार से भाग निकला था। इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था में एक बड़ी कमी सामने आई। आरोपी जिस रास्ते से कार लेकर भागा था, वहां पर थाना छत्ता, रकाबगंज, कमला नगर, एत्माद्दौला और एत्मादपुर की सीमा पड़ती है। ताज पर फायरिंग करने के बाद वो आसानी से हाईवे और एक्सप्रेस-वे होकर निकल गया। इस तरह की घटना फिर कोई अंजाम न दे सके, उसके लिए अब ताजमहल के सुरक्षा प्लान में रेड और यलो जोन के बाहर की एसओपी को भी शामिल किया जा रहा है।

वर्तमान में हैं तीन सुरक्षाचक्र

रेड जोन- यह ताजमहल के बिल्कुल अंदर का क्षेत्र है, जिसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ के पास है। यलो जोन- यह ताजमहल के बाहर का इलाका है, जहां पुलिस और पीएसी तैनात रहती है। पश्चिमी और पूर्वी गेटों पर बैरियर लगे हुए हैं और केवल स्थानीय निवासियों और सरकारी वाहनों के लिए ही जिला प्रशासन पास जारी कर प्रवेश की अनुमति देता है।

मैसेज मिलते ही सक्रिय हो जाएगी 3 थानों की पुलिस

डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि पश्चिमी गेट के बैरियर से आगे का क्षेत्र थाना छत्ता और रकाबगंज में आता है। ऐसी व्यवस्था की जा रही है कि ताज सुरक्षा पुलिस थाना छत्ता और रकाबगंज पुलिस से समन्वय स्थापित रखेगी। किसी तरह की कोई घटना होती है, तो इन थानों की पुलिस को भी अवगत कराया जाएगा। अगर, चेकिंग करनी होगी तो तत्काल पुलिस सक्रिय हो जाएगी। तीन थानों की पुलिस एक साथ मिलकर कार्रवाई करेगी। वहीं, ताजमहल के यलो जोन में पहले से ही त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा है।

दुकानदार का नाम नहीं दुकान का नाम लिखना होगा जरूरी, क्यूआर कोड से होगी पहचान

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में होने जा रही कांवड़ यात्रा के मार्ग में आने वाली दुकानों में दुकानदार का नाम के बजाय दुकान का नाम स्पष्ट लिखना होगा। इसके लिए निर्देश जारी हो गए हैं। कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकानों पर नाम मिलने के मामले में नई रणनीति अपनाई गई है। दुकानों पर दुकानदारों के नाम लिखने के बजाय दुकान का नाम लिखा जाएगा। यदि कोई व्यक्तिगत तौर पर जानना चाहता है तो वह एप से जान सकेगा। इसके लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफएसडीए) ने प्रपत्र जारी कर दिया है। प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग वाली दुकानों पर दुकानदार के नाम लिखने की बात कही गई है, लेकिन एफएसडीए के एक्ट में इसका कोई प्रावधान नहीं है। तमाम कोशिशों के बाद भी इसका विकल्प नहीं मिला। ऐसे में विभाग ने नई रणनीति अपनाते हुए ग्राहक संतुष्टि फीडबैक प्रपत्र तैयार किया है। इस प्रपत्र को हर दुकानदार को अपनी दुकान पर लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। इसमें लाइसेंस नंबर, दुकान का नाम, पता, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी (यदि है तो) लिखा जाएगा। इस प्रपत्र में टोल फ्री नंबर और फूड सेफ्टी कनेक्ट एप के तहत क्यूआर कोड लगा है। क्यू आर कोड को स्कैन करते ही ग्राहक पूरा विवरण दे सकेंगे। इसमें दुकानदार के नाम से ही अन्य सभी विवरण भी सामने आ जाएंगे। ऐसे में ग्राहक फीडबैक दे सकेंगे।

अखिलेश का भाजपा पर वार-बोले- जिन लोगों ने जेपीएनआईसी को बर्बाद कर दिया, वो अब बिहार में वोट कैसे मांगेंगे?

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में शनिवार को सपा मुख्यालय में पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पत्रकार वार्ता की। इस दौरान उन्होंने जेपीएनआईसी को एलडीए को सौंपने पर सरकार को घेरा। कहा कि हम जेपीएनआईसी के फाउंडर मेंबर हैं। उद्घाटन के समय जार्ज फर्नांडीज भी थे। नेताजी थे। मोहन सिंह थे। समाजवाद और जेपी के योगदान के लिए इस केंद्र को बनाया गया है। अखिलेश ने भाजपा को निशाने पर लेते हुए कहा कि जिन लोगों ने जेपीएनआईसी को बर्बाद कर दिया। वो अब बिहार में वोट कैसे मांगेंगे। जेपी इतना बड़ा नाम है, इसे एलडीए को दे रहे हैं। एलडीए का काम देख लीजिएगा। इनका बनाया बाजार कबूतरखाना लगता है।

क्राइम में भाजपा के लोग शामिल: सपा प्रमुख ने एक बार फिर दोहराया कि हम जेपीएनआईसी को खरीदने को तैयार हैं। कानून व्यवस्था को लेकर भी वह सरकार पर जमकर बरसे। कहा कि प्रदेश में सबसे ज्यादा सुनार मारे जा रहे हैं। कानून–व्यवस्था की स्थिति खराब है। क्राइम में भाजपा के लोग शामिल हैं। इस मौके पर उन्होंने तेंदुए से संघर्ष करने वाले श्रमिक को दो लाख रुपये का चेक भी सौंपा।

कीचड़-गंदगी और जलभराव का अड्डा बना हुआ है सारसौल बस अड्डा, परेशान हैं यात्री, नहीं किसी का ध्यान

अलीगढ़, एजेंसी। अलीगढ़ शहर में पिछले दिनों हुई बारिश से सारसौल सेटेलाइट बस स्टैंड तालाब जैसा बन गया है। कीचड़, गंदगी व जलभराव से होकर यात्रियों को निकलने पर मजबूर होना पड़ रहा है। इससे उन्हें आवागमन में खासी परेशानी हो रही है। बस स्टैंड से रोजाना करीब 15-20 हजार यात्री सफर करते हैं। इससे रोडवेज विभाग को लाखों रुपये की कमाई होती है, मगर महकमा यात्रियों को धेलाभर सुविधाएं नहीं दे पा रहा है।

करीब सात साल पहले सारसौल बस स्टैंड बनाया गया था। अभी तक यहां यात्रियों को शौचालय, पेयजल, बैठने के लिए जगह, टिनशेड समेत अन्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो सकीं हैं। बारिश होने पर बस स्टैंड परिसर में जलभराव हो जाता है और जिससे लोग परेशान रहते हैं।

केवल सुविधा के नाम पर एक टिन शेड, एक महिला व एक पुरुष शौचालय बना हुआ है। नियमित साफ-सफाई न होने से शौचालयों में गंदगी पसरी रहती है। ऐसे में महिला यात्रियों को खासी दिक्कतें उठानी पड़ती है। बस स्टैंड पर लगा एक हैंडपंप व पानी की टंकी यात्रियों की संख्या को देखते हुए नाकाफी साबित हो रही है। रात के समय अंधेरा पसरा रहता है।

इस शहर में महंगी होगी जमीन, 20 प्रतिशत तक बढ़ेगा डीएम सर्किल रेट, जानें कब से होगा प्रभावी

बरेली,एजेंसी। बरेली में जमीन के रेट बढ़ने वाले हैं। एक अगस्त से नया डीएम सर्किट रेट प्रभावी हो जाएगा। पिछली दरों की अपेक्षा इस बार सर्किल रेट 20 प्रतिशत तक महंगा हो सकता है। बरेली जिले की जमीनों की कीमतों में इजाफा होने वाला है। डीएम सर्किल रेट की दरों के पुनर्निधारण का काम शुरू हो गया है। बताया जा रहा है कि पिछली दरों की अपेक्षा इस बार सर्किल रेट 20 प्रतिशत तक महंगा हो जाएगा। दरों के पुनर्निधारण के लिए टाइम-लाइन भी जारी हो गई है। शुक्रवार को एडीएम राजस्व एवं वित्त ने उप निबंधकों के साथ बैठक भी कर ली है। नए सर्किल रेट को एक अगस्त से प्रभावी किया जाना है।

एडीएम राजस्व एवं वित्त संतोष कुमार सिंह के चेंबर में हुई बैठक में सहायक महानिरीक्षक निबंधन (एआईजी) तेज सिंह यादव और उप निबंधकों के बीच में सर्किल रेट बढ़ाने के संबंध में कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। बताया कि कौन-कौन से गाटे आबादी के 200 मीटर के दायरे में हैं। इस संबंध में तहसीलों से रिपोर्ट मांगी गई है, जो अभी तक प्राप्त नहीं हुई है।

एडीएम ने बताया कि इस बार तय हुआ है कि छह से 12 मीटर और इससे अधिक चौड़ाई वाली सड़कों के आसपास की जमीनों को सर्किल रेट वृद्धि की श्रेणी में लाया जा रहा है। विकसित एवं विकासशील क्षेत्रों को भी चिह्नित कर वहां की जमीन का सर्किल रेट बढ़ाने की योजना बनी है।

जून में कम हुए बैनामे

बैठक में उप निबंधकों ने बताया कि लक्ष्य के हिसाब से जून महीने में सदर तहसील में स्टांप शुल्क से आय में गिरावट आई है। बैनामे कम संख्या में हुए हैं। जबकि, शहरी क्षेत्र में 80 और ग्रामीण क्षेत्र में 20 प्रतिशत स्टांप शुल्क की आय का लक्ष्य है। इसका एक कारण बीडीए की तरफ से निजी भू–स्वामियों की जमीनों के नक्शे न स्वीकृत किए जाने की बात सामने आई है। उप निबंधकों ने कहा कि बीडीए अपने प्लाटों को बेचने के चक्कर में निजी भूमियों के नक्शे पास नहीं कर रहा है।

सर्किल रेट के संबंध में जारी समय-सारिणी

संशोधन के लिए प्रस्ताव का प्रस्तुतीकरण 15 जुलाई को होगा। संशोधित दर सूची के प्रस्ताव का प्रकाशन 16 जुलाई को किया जाएगा। फिर 22 जुलाई तक आपत्ति एवं सुझाव मांगे जाएंगे। इनके निस्तारण के उपरांत एक अगस्त से जिले में नया डीएम सर्किल रेट प्रभावी हो जाएगा।

यूपी में दूल्हे समेत आठ की मौत:

अचानक हुआ तेज धमाका...पलटी खाते हुए दीवार से टकराई कार

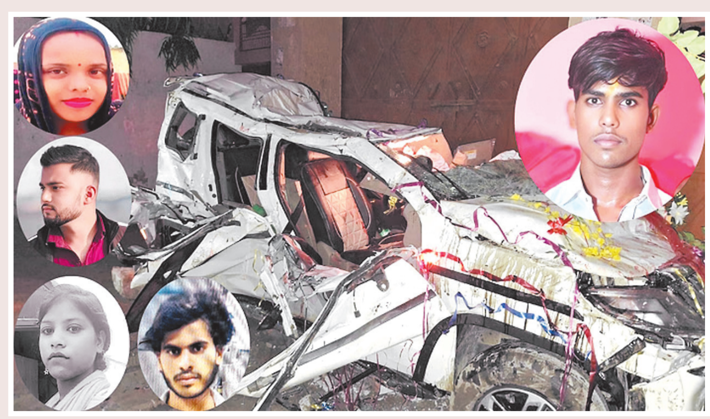

बिछ गईं लाशें ही लाशें

संभल, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। बरातियों की बोलेरो कॉलेज की दीवार से टकरा गई। हादसे में दूल्हे समेत आठ लोगों की जान चली गई। बरात बदायूं जा रही थी। जुनावई में मेरठ-बदायूं रोड पर यह हादसा हुआ। मृतकों में दो बच्चे भी शामिल हैं।

मेरठ-बदायूं रोड पर शुक्रवार की शाम करीब 7:30 बजे बरातियों की बोलेरो अनियंत्रित होकर इंटर कॉलेज की दीवार से टकरा गई। हादसे में दूल्हे सूरज पाल (20) समेत आठ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दूल्हे की बहन, चाची, चचेरी बहन और रिश्तेदार भी शामिल हैं। संभल के जुनावई थाना क्षेत्र के हरगोविंदपुर गांव निवासी सुखराम ने अपने बेटे सूरज की शादी जनपद बदायूं के थाना बिल्सी इलाके के सिरसौल गांव में तय की थी। शुक्रवार की शाम बरात गांव सिरसौल जा रही थी। बरातियों की 11 गाड़ियां पहले ही सिरसौल के लिए रवाना हो गई थीं। एक बोलेरो पीछे रह गई थी, जिसमें दूल्हे समेत 10 लोग सवार थे। रास्ते में बोलेरो जुनावई स्थित जनता इंटर कॉलेज की दीवार जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। गाड़ी में सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने किसी तरह से घायलों को बोलेरो से बाहर निकला और सीएचसी ले गए।

काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन के लिए यहां से मिलेगा प्रवेश, सावन में एक करोड़ से ज्यादा भक्त आएंगे

वाराणसी,एजेंसी। सावन को लेकर काशी विश्वनाथ मंदिर में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। यहां सावन में एक करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु आएंगे। यहां चार सोमवार को बाबा के खास श्रृंगार होंगे। सावन में श्रद्धालुओं को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर चार, नंदू फारिया, सिल्को गली, ढुंढिराज और सरस्वती फाटक से प्रवेश दिया जाएगा। गंगा में बाढ़ की वजह से ललिता घाट से श्रद्धालुओं का प्रवेश अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किया जा सकता है। दर्शन के लिए आने वाले वृद्ध, अशक्त, दिव्यांगजन और बच्चों के लिए गोदौलिया से मैदागिन तक निशुल्क ई-रिक्शा का संचालन किया जाएगा। सावन में श्री काशी विश्वनाथ धाम में एक करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। श्री काशी विश्वनाथ धाम में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मंडलायुक्त एस राजलिंगम ने बताया कि इस बार सावन में बाबा के दरबार में कोई भी वीआईपी या वीवीआईपी नहीं होगा। सावन भर प्रोटोकॉल दर्शन नहीं होंगे। इस पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। दर्शन के लिए सभी श्रद्धालु कतार में लगकर ही आएंगे। कोई श्रद्धालु दलालों के झांसे में न आए।

यदि कोई व्यक्ति विशेष दर्शन के नाम पर रुपये मांगता है या अपनी दुकान से प्रसाद लेने पर दर्शन में सहायता का दावा करता है, तो वह आपको ठगने का प्रयास कर रहा है। इसकी जानकारी निकटतम पुलिस या फिर मंदिर के कर्मी को दी जा सकती है। उधर, मंदिर न्यास ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे खाली पेट कतार में न लगें।

पहले सोमवार को चल प्रतिमा, तो दूसरे सोमवार गौरी-शंकर श्रृंगार: इस सावन में चार सोमवार पड़ रहे हैं। हर सोमवार को बाबा विश्वनाथ के अलग-अलग श्रृंगार किए जाएंगे। 14 जुलाई को पहले सोमवार को चल प्रतिमा श्रृंगार, दूसरे सोमवार (21 जुलाई) को गौरी-शंकर (शंकर-पार्वती) श्रृंगार, तीसरे सोमवार (28 जुलाई) को अर्धनारीश्वर श्रृंगार और चौथे व अंतिम सोमवार (चार अगस्त) को रुद्राक्ष श्रृंगार होगा। वहीं, नौ अगस्त को पूर्णिमा पर झूला श्रृंगार होगा।

शहर में जगह-जगह होंगे बाबा विश्वनाथ के डिजिटल दर्शन: मंडलायुक्त ने बताया कि स्मार्ट सिटी के सहयोग से धाम परिसर और शहर के अलग-अलग स्थानों पर बाबा विश्वनाथ की आरती और श्रृंगार के डिजिटल दर्शन की व्यवस्था की गई है। साथ ही श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर भी दर्शन की ऑनलाइन स्ट्रीमिंग की जाएगी। व्यवस्था प्रबंधन के लिए संपूर्ण धाम में केंद्रीयकृत लोक सूचना प्रणाली (पब्लिक एड्रेस सिस्टम) और आवश्यक स्थानों पर स्थानीय लोक सूचना प्रणाली (लोकल पब्लिक एड्रेस सिस्टम) की व्यवस्था रहेगी।

मंडलायुक्त ने बताया कि श्री काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए कुल पांच स्थानों पर चिकित्सकीय टीम की तैनाती की जाएगी। हेल्थ डेस्क पर तीन पाली में डॉक्टरों की ड्यूटी लगेगी। प्रत्येक पाली में दो डॉक्टरों की टीम रहेगी। मंदिर में दो एंबुलेंस रहेगी। इनमें एक एंबुलेंस में एडवांस लाइफ सपोर्ट की सुविधा होगी, जो किसी भी आकस्मिक स्थिति के लिए तत्पर रहेगी।

छह स्थानों पर खोया-पाया केंद्र: मंडलायुक्त ने बताया कि विश्वनाथ धाम में छह स्थानों पर खोया-पाया केंद्र की स्थापना की जाएगी। इसमें मंदिर प्रांगण, शंकराचार्य चौक, गेट नंबर एक (गंगा निकास द्वार), गेट नंबर दो (सरस्वती फाटक), गेट नंबर चार (मुख्य प्रवेश मार्ग) और ललिता घाट पर बने खोया पाया केंद्र पर भीड़ में अपने परिवार से बिछड़े लोग सहायता प्राप्त कर सकेंगे।

पेयजल काउंटर की रहेगी सुविधा: मंडलायुक्त के मुताबिक, धाम में समय-समय पर ग्लूकोज/ओआरएस घोल, सूक्ष्म जलपान, बिस्किट, टॉफी, चॉकलेट आदि का वितरण किया जाएगा। इससे वृद्ध और बच्चों को सहूलियत मिलेगी। अतिरिक्त पेयजल काउंटर और गुड़ की व्यवस्था भी रहेगी।

बजरी पर राजनीति गरमाई : गहलोत बोले - सरकार पर माफिया का दबदबा

दौसा। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि सरकार पर बजरी माफिया हावी है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में बजरी माफिया का आतंक है। सरकार पर हावी होने का मतलब है कि नीचे से ऊपर तक बंधी पहुंचती होगी।

शुक्रवार को हिंडौन जाते समय दौसा में गहलोत ने कहा कि धौलपुर हो या टोंक पूरे राजस्थान में बजरी माफिया ने आतंक मचा रखा है। इसे लेकर लोगों को चिंता है, बजरी महंगी होने से लोगों में गुस्सा है। ऊपर से नीचे तक बंधी पहुंच रही है। इससे बजरी महंगी हो गई है। लेकिन बजरी माफिया का सरकार पर हावी होना खतरनाक है, इस पर रोक लगनी चाहिए। इसके लिए लड़ाई लड़नी होगी।

हिंडौन जाते समय लालसोट बाईपास पुलिया पर रुके गहलोत का कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान विधायक डीसी बैरवा, नगर अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष रेनू कटारिया, वरिष्ठ नेता रामनाथ राजोरिया, सुभाष घोसी, उमाशंकर बनियाना, रामनिवास गांगड़िया आदि थे।

जयपुर के श्रद्धालुओं से भरी बस बिजली के खंभे से टकराई, आग लगने से एक की मौत, 21 गंभीर घायल

पचलंगी (झुंझुनूं)। मनसा माता में शुक्रवार को गुप्त नवरात्र की नवमी पर सवामणि कार्यक्रम में शामिल होने आए श्रद्धालुओं से भरी बस अनियंत्रित होकर विद्युत पोल से टकरा गई। टक्कर के बाद बस में आग लग गई। इससे एक श्रद्धालु धूड़ सिंह की मौत हो गई, जबकि चालक सहित 21 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पूरी बस जलकर राख हो गई। घायलों को झुंझुनूं और सीकर रेफर किया गया है।

ऐसे हुआ हादसा

गुड़ा गांव निवासी दलपत सिंह व मीनू कंवर के पुत्र होने पर उनके ससुराल पक्ष के लोग जयपुर के सांगानेर से मनसा माता मंदिर आए थे। ससुर गोपाल सिंह चौहान, सास मोना कंवर समेत करीब 40 लोग बस से आए और मंदिर में पूजा अर्चना व छूछक रस्म कर जयपुर लौट रहे थे। रवाना होते समय ही चालक को बस के ब्रेक फेल होने का अंदेशा हुआ। वह बस को नियंत्रित करने की कोशिश करता रहा, लेकिन सड़क के एक तरफ खाई और दूसरी ओर चट्टान होने से बस अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से जा टकराई और देखते ही देखते उसमें आग लग गई।

जलभराव एवं दुर्घटना संभावित क्षेत्रों पर निगम ग्रेटर ने लगाए चेतावनी बोर्ड

जयपुर। मानसून के दौरान बारिश के चलते होने वाले जलभराव वाले स्थानों के साथ ही दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में नगर निगम जयपुर ग्रेटर ने चेतावनी बोर्ड लगाने शुरू कर दिए हैं। इसके साथ ही निगम ने आमजन से भी अपील की है कि सड़क पर कचरा नहीं फेंके जिससे पानी के बहाव क्षेत्र अवरूद्ध न हो। निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशों के बाद निगम ग्रेटर की टीम आपदा प्रबंधन की तैयारियों में जुटी है। उपायुक्त बाढ़ नियत्रंण केन्द्रों का नियमित रूप से निरीक्षण कर रहे हैं।

शुक्रवार को भी संबंधित उपायुक्तों ने बाढ़ नियत्रंण केन्द्रों का जायजा लेकर आवश्यक संसाधनों की सुनिश्चिता पर जोर दिया। इसके साथ ही आयुक्त के निर्देश पर जलभराव एवं दुर्घटना संभावित क्षेत्रों पर आमजन को जागरूक करने के लिए चेतावनी बोर्ड लगाए जा रहे हैं और शुक्रवार को 38 स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाए गए। इसके तहत मुरलीपुरा जोन में 11, झोटवाड़ा जोन में 2 स्थानों, मालवीय नगर जोन में 10 स्थानों, सांगानेर जोन में 10 स्थानों एवं जगतपुरा जोन में 5 स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाए गए।

दक्षिण भारत के धार्मिक स्थलों की यात्रा कराएगी भारत गौरव ट्रेन, 28 जुलाई को पठानकोट कैंट से होगी रवाना

जयपुर। दक्षिण भारत के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आईआरसीटीसी 28 जुलाई से भारत गौरव ट्रेन का संचालन शुरू करेगा। रेलवे प्रशासन के अनुसार यह 13 दिवसीय यात्रा पठानकोट कैंट स्टेशन से शुरू होगी और यात्रियों को तिरुपति, रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी और मल्लिकार्जुन जैसे दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन कराएगी। इस ट्रेन की शुरुआत पठानकोट कैंट स्टेशन से होगी। इसके प्रमुख बोर्डिंग पॉइंट में जालंधर सिटी, लुधियाना, चंडीगढ़, अंबाला कैंट, कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत, सोनीपत, हजरत निजामुद्दीन, मथुरा, आगरा कैंट और ग्वालियर शामिल हैं। दक्षिण भारत के धार्मिक स्थलों की यात्रा कराने के बाद यह ट्रेन 9 अगस्त को वापस पठानकोट पहुंचेगी। यात्रा के लिए तीन श्रेणियों में सीटें स्लीपर क्लास 640 सीटें, 3एसी स्टैंडर्ड 70 सीटें, और 2 एसी कम्फर्ट 50 सीटें उपलब्ध हैं।

अन्त्योदय संबल पखवाड़े से अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा योजनाओं का लाभ : मुख्यमंत्री

खैरथल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार गरीब को गणेश मानकर वंचित वर्ग, किसान, युवा और महिला के साथ ही हर वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक इन योजनाओं को पहुंचाने के संकल्प के साथ हमारी सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े के अंतर्गत प्रदेशभर में शिविरों का आयोजन कर रही है।

शर्मा शुक्रवार को खैरथल-तिजारा के ग्राम असलीमपुर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पखवाड़े के माध्यम से ग्राम स्तर पर ही किसानों को वर्षों से लंबित राजस्व के विभिन्न प्रकरणों में तुरंत राहत मिल रही है। गांवों में इन शिविरों के माध्यम से पानी, बिजली, स्वच्छता से जुड़े विभिन्न कार्य प्रमुखता से किए जा रहे हैं। वहीं, हर पात्र परिवार तक आयुष्मान कार्ड का वितरण एवं पशुओं का टीकाकरण भी किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने गरीबों का जीवन स्तर बनाया बेहतर–

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना के तहत बीपीएल परिवारों को विभिन्न योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 के बाद गरीब कल्याण की

परिभाषा बदलकर उसका जीवन स्तर बेहतर बनाने का काम किया है। उनके नेतृत्व में हमारी सरकार युवा, महिला, किसान, मजदूर के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान बनाने के लिए राज्य सरकार ने राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना जैसी विभिन्न योजनाओं तथा इंदिरा गांधी नहर एवं गंगनहर के माध्यम से किसान और उद्योगों के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की है।

वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में मिलेगी बिजली

शर्मा ने कहा कि प्रदेश को बिजली के क्षेत्र में मजबूत बनाकर वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवायी जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में पेपरलीक की घटनाओं से युवा निराश हो गया था, लेकिन हमारी सरकार ने रोजगार के सपने को साकार करते हुए 69 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं। वहीं, पांच वर्ष में चार लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने के वादे को भी पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू साइन हुए हैं। इनमें से 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू धरातल उतर चुके हैं। उद्योग की दृष्टि से भिवाड़ी और तिजारा समृद्ध क्षेत्र हैं। इसलिए हमारी सरकार ढाई हजार करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य खैरथल-तिजारा जिले में करवा रही है।

अन्त्योदय संबल पखवाड़े में मिल रहा योजनाओं का लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पखवाड़े में नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। अब तक सीमाज्ञान के करीब 28 हजार, नामांतरण के 66 हजार, सहमति विभाजन के 13 हजार से अधिक और रास्तों के 14 हजार प्रकरणों का निस्तारण किया गया है। इसी तरह, इन शिविरों में राजस्व संबंधित प्रकरणों में अब तक 4 हजार से अधिक लंबित पत्थरगढ़ी प्रकरणों का निस्तारण किया गया है तथा 4 हजार से अधिक लंबित कुर्रेजात रिपोर्ट तैयार कर जनता को राहत दी गई है। उन्होंने कहा कि गांव गूगलहेडी में लगभग 25 घरों तक पहुंचने का रास्ता उपलब्ध नहीं था, शिविर में अतिक्रमण किए गए रास्ते को खुलवाकर 100 लोगों को रास्ता दिया गया। शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय खनन क्षेत्र में वर्ष 2023-24 में 7 हजार 460 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। वहीं, हमारी सरकार में यह 24 प्रतिशत की वृद्धि से बढ़कर 9 हजार 228 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि अवैध खनन पर भी हमारी सरकार निरंतर सख्त कार्रवाई कर रही है। हमारी सरकार ने बजरी के 255 प्लॉटों की सफल नीलामी की है। उन्होंने कहा कि आमजन से संकल्प पत्र में किए गए एक-एक वादे को हम पूरा कर रहे हैं।

पूर्ववर्ती सरकार के पांच साल के मुकाबले हमारे डेढ़ साल का कार्य अधिक

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने डेढ़ वर्ष में पूर्ववर्ती सरकार के पांच साल के मुकाबले अधिक कार्य किए हैं। पूर्ववर्ती सरकार ने 5 साल में केवल एक लाख 75 हजार स्वामित्व कार्ड का वितरण किया, जबकि हमारी सरकार ने 18 माह में ही साढ़े 9 लाख कार्ड वितरित किए। हमने 3 लाख को कौशल प्रशिक्षण दिया, जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने पांच साल में केवल 2 लाख 35 हजार हजार को दिया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने बिजली उत्पादन क्षमता में 4 हजार 270 मेगावाट की वृद्धि की, जबकि गत सरकार 5 वर्षों में 3 हजार 948 मेगावाट ही बढ़ा पाई। शर्मा ने कहा कि हमने 18 महीनों में 32 हजार से अधिक फार्म पौंड बनवाए जबकि गत सरकार ने 5 साल में केवल 29 हजार पौंड बनवाए गए। कुसुम 'सी' में हमने 2 हजार 91 एलओपी जारी किए, जबकि गत सरकार ने पांच साल में 57 एलओपी ही दिए गए। वहीं, हमारी सरकार ने 1 हजार 381 गांवों को सड़कों से जोड़ा, जबकि पूर्ववर्ती सरकार 5 वर्षों में 1 हजार 104 गांवों को जोड़ पाई। हमने महज 18 महीनों में 10 लाख 51 हजार साइकिलें वितरित की हैं, जबकि गत सरकार ने पांच साल में केवल 10 लाख 36 हजार साइकिलें वितरित की गई। हमारी सरकार ने पिछले डेढ़ साल में 89 हजार स्कूली विद्यार्थियों को टैबलेट, लैपटॉप का वितरण किया, जबकि गत सरकार ने पूरे पांच साल में केवल 986 टैबलेट-लैपटॉप का वितरण किया था। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार अब तक 142 राजकीय महाविद्यालयों के भवनों का निर्माण करा चुकी है, जबकि गत सरकार ने 5 वर्षों में केवल 57 भवनों का निर्माण करवाया था।

स्वास्थ्य में भ्रष्टाचार, स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़

उदयपुर के सीएमएचओ ऑफिस का सहायक प्रशासनिक अधिकारी 1.5 लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

उदयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक और बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने शुक्रवार को उदयपुर स्थित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में कार्यरत सहायक प्रशासनिक अधिकारी आशिष डामोर को रु.1.50 लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

ACB की जयपुर शहर प्रथम इकाई ने उपमहानिरीक्षक राजेश सिंह के पर्यवेक्षण और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में यह ट्रैप कार्रवाई की। आरोपी आशिष डामोर, उम्र 35 वर्ष, निवासी ग्राम खंडी ओबरी, तहसील खेरवाड़ा, जिला उदयपुर, पर आरोप है कि उसने एक निजी अस्पताल संचालक से औचक निरीक्षण के दौरान पाई गई तथाकथित खामियों को नजरअंदाज़ कर लाइसेंस निरस्त न करने के एवज़ में रु.2.5 लाख की रिश्वत की मांग की थी।

रिश्वत मांगने से रंगे हाथ पकड़ने तक का घटनाक्रम – सूत्रों के अनुसार, परिवादी (निजी अस्पताल संचालक) ने ACB में शिकायत दर्ज कराई थी कि आशिष डामोर ने उसके अस्पताल में औचक निरीक्षण के बाद लाइसेंस निरस्त करने की धमकी देते हुए रु.2.5 लाख की रिश्वत की माँग की है।ब्यूरो द्वारा प्रारंभिक सत्यापन में यह पुष्टि हुई कि दोनों पक्षों के बीच रु.2 लाख की रिश्वत पर सहमति बनी थी, जिसमें से आरोपी पहले रु.50,000 पहले ही प्राप्त कर चुका था।

बीएलओ चुनाव व्यवस्था की फील्ड पर सबसे महत्वपूर्ण कड़ी : नवीन महाजन

जयपुर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि बूथ लेवल ऑफिसर्स चुनाव व्यवस्था की फील्ड पर सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं, जो मतदाता सूची की शुद्धता एवं निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करते हैं। अतः उनकी नियुक्ति में कार्य कुशलता, प्रतिबद्धता और स्थानीय मतदाताओं से संपर्क जैसे गुणों को प्राथमिकता दी जाए। महाजन शुक्रवार को शासन सचिवालय में मतदान केंद्र रेशनलाइजेशन, मतदाता सूची पुनरीक्षण, बीएलओ नियुक्ति आदि विषयों पर वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पोलिंग स्टेशन रेशनलाइजेशन का कार्य पूर्णतः मतदाता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया जाए। रेशनलाइजेशन इस प्रकार हो कि हर मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की आसान पहुँच, मूलभूत सुविधाएँ, दूरी आदि का संतुलन बना रहे। उन्होंने प्रत्येक मतदान केंद्र पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि के रूप में बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति के लिए निर्देश

दिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि रिक्त पदों पर बीएलओ की जल्द नियुक्ति की जाये और संभावित नए मतदान केन्द्रों के लिए बीएलओ नियुक्ति की प्रक्रिया भी प्रारंभ करें। जिससे मतदाता सूची निर्माण में और अधिक पारदर्शिता लाई जा सके। उन्होंने मतदाता सूची में नाम जुडवाने, हटवाने और संशोधन से संबंधित जानकारी सरलता एवं सुगमता से आमजन तक उपलब्ध हो, इसके लिए विभिन्न प्रचार सामग्रियों एवं सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग के निर्देश दिए। जिससे हर वयस्क नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित कर सके। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि नए जिलों में निर्वाचन प्रक्रिया को सुगमता से सम्पादित करने के लिए कुशल तंत्र विकसित किया जाये। बैठक में निर्वाचन विभाग के सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे तथा सभी जिला निर्वाचन अधिकारी विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

प्रदेश में बारिश का दौर जारी, आज भी जयपुर सहित कई जिलों में अलर्ट

जयपुर। प्रदेश में बारिश का दौर आज शुक्रवार को भी जारी है। इसके चलते आज भी कई जिलों में बारिश हो रही है। सवाई माधोपुर में शुक्रवार सुबह 7 बजे से बारिश शुरू हुई, जो रुक-रुक कर जारी है। सवाई माधोपुर के कई इलाके में तेज बारिश के बाद पानी भर गया। यहां सीजन की पहली तेज बारिश होने से लोगों में उत्साह देखने को मिला है। राजधानी जयपुर में आज सुबह से धूप छांव का खेल बना हुआ है और उमस भरी गर्मी सता रही है। मौसम विभाग ने आज शुक्रवार को जयपुर, दौसा और टोंक जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बाकी सभी जिलों (श्रीगंगानगर को छोड़कर) में येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं राज्य में अगले 3 से 4 दिन कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।राज्य में मानसून के इस सीजन में अब तक औसत से 128 फीसदी ज्यादा

बरसात हो चुकी है।

बीसलपुर बांध में बीते 24 घंटे में आया 10 सेमी पानी

टोंक जिले के बीसलपुर बांध में बीते 24 घंटे में 10 सेंटीमीटर पानी की आवक हुई है। आज दोपहर 12 बजे तक बांध का जलस्तर बढ़कर 313.55 आरएल मीटर तक पहुंच गया। त्रिवेणी नदी फिलहाल 3.60 मीटर की ऊंचाई पर बह रही है। बांध से जुड़े इंजीनियर का कहना है कि त्रिवेणी का जलस्तर बढ़ने से बांध में पानी की आवक तेज हुई है।

लापताओं की तलाश में मॉर्डन टेक्नोलॉजी अपनाने के निर्देश, DGP से हाईकोर्ट ने की सीधी बातचीत

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस महानिदेशक को कहा है कि राजस्थान पुलिस की जांच का ढर्रा अभी भी पुरानी तरह से ही चल रहा है। आज ए आई सहित मॉर्डन तकनीक आ गई है, लेकिन पुलिस उसका उपयोग नहीं कर रही है। अदालत ने कहा कि लापताओं की तलाश के लिए उन्नत तकनीक का उपयोग किया जाए। जस्टिस अवनीश झींगन और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश नरेंद्र सिंह रावत अन्य की और से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान डीजीपी राजीव शर्मा अदालत में पेश हुए। अदालत ने उन्हें कहा कि पुलिस लापता की तलाश की जांच मोबाइल तक ही सीमित रखती है। आजकल का युवा मोबाइल की तकनीक को भली-भांति समझता है। वहीं यदि पुलिस को जानकारी मिलती है कि आरोपी सुदूर इलाके में है तो पुलिस यहां से टीम बनाकर भेजती है। जब तक पुलिस वहां पहुंचती है, आरोपी वहां से निकल जाता है। यदि पुलिस उचित तकनीक काम में ले तो स्थानीय पुलिस की मदद से कुछ मिनट में ही आरोपी को पकड़ा जा सकता है। अदालत ने एक मामले का उदाहरण देते हुए कहा कि 2 साल के बच्चे की तलाश 6 साल बाद भी जारी है, लेकिन पुलिस के पास उसका स्केच तक नहीं है।

ऐसे में पुलिस किस आधार पर जांच कर रही है, यह समझ के परे है। अदालत में यह भी कहा कि मामलों की सुनवाई के दौरान कोर्ट के ऑब्जरवेशन को जांच अधिकारी अदालत का निर्देश समझ लेते हैं, जो भी उचित नहीं है। अदालत ने डीजीपी को कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि आपके कार्यकाल में कुछ अच्छा हो जाए। डीजीपी ने अदालत को कहा की लापताओं की तलाश नई तकनीक से की जाती है।

नालियां चौक, रोड के गड्ढे व डिवाइडर टूटे पड़े

कोटा। शहर के कोटा दक्षिण के वार्ड दो में विकास के कार्य हुए जिसमें कुछ जगहों पर पार्क के निर्माण कार्य व सौन्दर्यकरण चल रहा है। साथ ही वार्ड में रोड का निर्माण कार्य हुआ पर रोड में गड्ढे हो रहे व डिवाइडर टूटे हुए है। जिसे हादसे का अंदेशा बना रहता है। साथ ही नालियां चौक है वहीं साजीहेड़ा की तरफ नालियां छोटी बनी हुई है जिसे नालियों का पानी बारिश में घरों में चला जाता है जिसे वार्डवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ता। तो प्रताप नगर में सुबह शाम कचरा गाड़ी आती है साथ ही रोड लाइट भी जलती है। वहीं सफाई कर्मी आधी अधूरी सफाई करते है। कुछ जगहों पर कुत्तों की वजह से परेशानी आती है। वहीं वार्ड में लगा वाटर कूलर लंबे समय से खराब है। साथ झूलते बिजली के तारों से हादसे का अंदेशा रहता है।

यह है वार्ड का इलाका

साजीहेड़ा बकरा मंडी, फंटा मंडी, आशापाला, कॉलोनी, शक्ति नगर, गोविंद धाम, किशोरपुरा आंशिक, कुत्ताखाना, दशहरा मैदान का क्षेत्र।

वार्ड में सामुदायिक भवन की दरकार

वार्डवासियों ने बताया कि हमारे वार्ड में सामुदायिक भवन की आवश्यकता है। जिसे हमें शादी पार्टी व अन्य आयोजन में सस्ती व रियायती दर पर उपलब्धहो सके। क्योकि हमें भवन के लिए अन्य जगहों पर जाना पड़ता है। जिसे हमारे ऊपर डबल भार आता है क्योकि भवन का किराया भी देना पड़ता है साथ ही आने जाने में समय भी व्यर्थ खर्च होता है।

कुतों से परेशानी

हमारे यहां पर सफाई का ध्यान नहीं रखा जाता है। व रात्रि के समय गाय व कुत्तों से परेशानी का सामना

करना पड़ता है। बार कुत्तों ने वार्डवासियों को भी निशाना बनाया व रात्रि में गायों की वजह से हादसे का डर बना रहता है।

- राजेंद्र कुमार, वार्डवासी

सफाई की गाड़ी एक बार आती

सफाई की गाड़ी कचरा लेने एक बार ही आती है जबकि अन्य जगहों पर दो बार आती है। सफाई कर्मचारी कुछ जगहों पर साफ करते है कुछ स्थानों को छोड़ देते है। जिसे कचरा रोड़ पर ही पड़ा रहता है।

-फरीद खान, वार्डवासी

ट्रांसफार्मर की तार फेंसिग की जाए

हमारे घर के पास ही खुले में ट्रांसफॉर्मर खुले में लगा हुआ जिसे पर ना तो कोई तार फेंसिग हो रही और ना ही कोई चारदीवारी हो रही जिसे दुर्घटना का डर बना हुआ। इसी रास्ते में वार्डवासियों का आना जाना लगा रहता है साथ ही हमारे बच्चें भी खेलते रहते है।

- नशीन, वार्डवासी

वार्ड में डेली सफाई होती करीब हर जगह पर दो बार दिन में टीपर जाता है। साजीहेड की तरफ पीछे नालियों के पानी की निकासी होती है। जिसे बारिश में नालियां भर जाती है और कुछ देर बाद खाली हो जाती है। साथ ही निगम के दो खाली प्लांट है उनकी भी सप्ताह में दो बार सफाई होती है।

- धीरेंद्र चौधरी, वार्ड पार्षद (बीजेपी)

नालियों की चौड़ाई बढ़ाई जाए

शिव चौक के पास रहने वाले निवासियों ने बताया कि हमारे यहां पर लगे वाटर कूलर को खराब हुए लंबा समय हो गया। साथ ही नालियां चौड़ाई कम होने से बारिश का पानी रोड पर आ जाता है। जिसे कीचड़ फैला जाता है। व घरों के ऊपर बिजली के तार झूल रहे है।

- बबलू नायक, वार्डवासी

आवेदन तिथि 14 जुलाई तक बढ़ाई गई

सोलन। प्रदेश के परिवहन विभाग द्वारा 350 चयनित मार्गों पर स्टेज कैरिज बस रूट के संचालन के लिए ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि को 14 जुलाई, 2025 तक बढ़ा दिया गया है। यह जानकारी क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सोलन कविता ठाकुर ने दी। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग द्वारा इन 350 चयनित मार्गों पर स्टेज कैरिज बस रूट के संचालन के लिए 09 जून से 30 जून, 2025 तक आवेदन आमंत्रित किए गए थे। इस आवेदन तिथि को 14 जुलाई, 2025 तक बढ़ाया गया है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने कहा कि चयनित मार्गों की सूची और इन रूटों के आबंटन प्रक्रिया के नियम व शर्तों का विस्तृत विवरण विभाग की वेबसाइट https://online.himachaltransport.hp.gov.in/publiclogin पर उपलब्ध है।

उपभोक्ता विद्युत बकाया बिलों का शीघ्र करें भुगतान

● स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को ऑनलाइन मिलेगी बिल

सोलन। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड ने सोलन के विद्युत उपमण्डल नम्बर 01 के उन उपभोक्ताओं से अपने विद्युत बकाया बिलों का शीघ्र भुगतान करने का आग्रह किया है जिन्होंने अभी तक अपने बिल जमा नहीं करवाए हैं। यह जानकारी सोलन विद्युत उपमण्डल नम्बर 01 के सहायक अभियंता ने दी। उन्होंने कहा कि ऐसे उपभोक्ताओं को नोटिस जारी कर दिए गए हैं जिन्होंने अभी तक अपने विद्युत बिल जमा नहीं करवाए हैं। उन्होंने कहा कि भुगतान न करने वाले उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति काट दी जाएगी।उन्होंने कहा कि जिन उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लग गए हैं, को बिलिंग कर्मचारी द्वारा प्रिंटेड बिल नहीं दिया जाएगा। ऐसे उपभोक्ताओं को अपना बिल HPSEB bill payment app के माध्यम से देखकर डाउनलोड कर भुगतान करना होगा। यह ऐप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि बिल का भुगतान HPSEB bill payment app विद्युत बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट, जी पे, भीम एप और पेटीएम के माध्यम से किया जा सकता है। सहायक अभियंता ने कहा कि अधिक जानकारी के लिए विद्युत बोर्ड के सर्कुलर रोड स्थित कार्यालय में तथा कार्यालय नम्बर 01792-223611 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

सरकार ने हिमकेयर कार्ड की पंजीकरण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया

● त्रैमासिक आधार पर कार्ड बनाए जाएंगे
● 5.80 लाख से अधिक लाभार्थियों को हिमकेयर लाभ प्रदान किए गए

शिमला। राज्य सरकार ने दिसंबर, 2022 में सत्ता में आने के बाद से हिमकेयर योजना के तहत हिमाचल प्रदेश के 5.80 लाख से अधिक लाभार्थियों को लगभग 810 करोड़ रुपये का लाभ प्रदान किया है। हिमकेयर योजना को अधिक सशक्त बनाने तथा हिमकेयर कार्ड बनाने की प्रक्रिया को सरल और सुव्यवस्थित करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, राज्य सरकार ने यह कार्ड प्रत्येक वर्ष तिमाही आधार पर बनाने का निर्णय लिया है। इन कार्डों की वैधता एक वर्ष होगी और कार्ड के लिए आवेदन करने के लिए पोर्टल हर तीन महीने बाद खोला जाएगा। पोर्टल प्रत्येक वर्ष मार्च, जून, सितंबर और दिसंबर में एक-एक महीने के लिए खुला रहेगा। स्वास्थ्य विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि नई व्यवस्था जुलाई, 2025 के पश्चात लागू होगी तथा जुलाई माह के दौरान यह पोर्टल पंजीकरण के लिए खुला है। जुलाई के बाद मार्च, जून, सितंबर और दिसंबर की पहली तारीख को पोर्टल खुलेगा और पूरे माह खुला रहेगा। हालांकि हिमकेयर कार्ड धारक पूरे वर्ष में कभी भी नवीनीकरण करवा सकेंगे। यदि लाभार्थी समय पर कार्ड का नवीनीकरण करवाने में विफल रहता है और उसका कार्ड समाप्त हो जाता है, तो नई नीति के तहत समाप्त हो चुके कार्ड का नवीनीकरण तिमाही आधार पर मार्च, जून, सितंबर और दिसंबर में किया जाएगा। प्रवक्ता ने कहा कि इस निर्णय का उद्देश्य पात्र लाभार्थियों के चयन को सुनिश्चित करने और लोगों को निर्बाध, मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्रदान करना है। हिमकेयर कार्ड बीपीएल, मनरेगा, रेहड़ी-फड़ी वालों, अनाथ और जेल कैदियों सहित विभिन्न वर्गों के लिए मुफ्त बनाए जाते हैं। इस कार्ड के लिए एकल महिलाओं, अनुबंध और आउटसोर्स कर्मचारियों, 40 प्रतिशत और इससे अधिक दिव्यांगजनों, मिड डे मील वर्करों, अंशकालिक श्रमिकों और दैनिक वेतन भोगियों से 365 रुपये का मामूली शुल्क लिया जाता है। शेष पात्र वर्गों से 1,000 रुपये का शुल्क लिया जाता है। प्रदेश में 5.26 लाख हिमकेयर कार्ड धारक परिवार हैं और इस कार्ड के अंतर्गत एक परिवार के अधिकतम पांच सदस्यों को शामिल किया जाता है। हिमकेयर योजना के तहत कुल 3,227 बीमारियों का मुफ्त इलाज किया जाता है।

रोगियों को सुविधाएं प्रदान करने में रोगी कल्याण समितियां अहम : डॉ. शांडिल

नागरिक अस्पताल कण्डाघाट का निर्माण कार्य इस वर्ष के अंत तक पूरा करने के निर्देश

सोलन । स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि रोगी कल्याण समितियां अस्पतालों में बेहतर सुविधाएं प्रदान करने और अस्पताल अधोसंरचना सुदृढ़ करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। स्वास्थ्य मंत्री आज सोलन ज़िला के कण्डाघाट में नागरिक अस्पताल चायल, नागरिक अस्पताल कण्डाघाट तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सायरी की रोगी कल्याण समितियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

डॉ. शांडिल ने निर्देश दिए कि सभी रोगी कल्याण समितियां रोगियों को और अधिक सुविधाओं प्रदान करने के लिए योजनाबद्ध कार्य करें। बैठक में अस्पतालों की सफाई व्यवस्था, उपकरणों के रखरखाव और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं पर गंभीर चर्चा की गई। स्वास्थ्य मंत्री ने बैठक में स्वास्थ्य अधिकारियों को अपने स्वास्थ्य संस्थानों में समय-समय पर अधोसंरचना विकास, सुविधाओं और रोगियों के उपचार से सम्बन्धित व्यवस्था का अनुश्रवण करने के निर्देश दिए ताकि व्यवस्था सुधार से रोगियों को अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में चिकित्सकों की भर्ती चरणबद्ध आधार पर की जा रही है और दूर-दराज व ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के दृष्टिगत अस्पताल में अनेक सुधार कार्य किए जा रहे हैं। बैठक में रोगी कल्याण समिति कण्डाघाट के विभिन्न विकास कार्यों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 7 लाख 56 हजार रुपए का प्रस्तावित बजट पारित किया गया।

रोगी कल्याण समिति सायरी के विभिन्न विकास कार्यों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 22 लाख 54 हजार रुपए का प्रस्तावित बजट पारित किया गया। रोगी कल्याण समिति चायल के विभिन्न विकास कार्यों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 10 लाख 50 हजार रुपए का प्रस्तावित बजट पारित किया गया। बैठक में अल्ट्रासाउंड ईसीजी एक्स-रे व अन्य परीक्षणों का शुल्क इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान चिकित्सा महाविद्यालय शिमला के परीक्षणों के शुल्क की तर्ज पर करने पर सहमती जताई गई। स्वास्थ्य मंत्री ने तदोपरांत निर्माणाधीन नागरिक अस्पताल कण्डाघाट का निरीक्षण किया तथा सम्बन्धित अधिकारियों तथा ठेकेदार को इस वर्ष के अंत तक निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर ज़िला परिषद सदस्य लीला ठाकुर, ग्राम पंचायत सायरी की प्रधान अंजू ठाकुर, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रमेश ठाकुर, अजय वर्मा, बाबू राम, उपमण्डलाधिकारी कण्डाघाट गोपाल चंद शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोलन डॉ. अजय पाठक, तहसीलदार कंडाघाट राजेंद्र कुमार, खण्ड विकास अधिकारी कण्डाघाट राजेश ठाकुर, खण्ड चिकित्सा अधिकारी सायरी डॉ. अजय कुमार सहित रोगी कल्याण समिति के सरकारी व गैर सरकारी सदस्य उपस्थित थे।

विधायक ने बैजनाथ में विकासात्मक कार्यों की समीक्षा, जनसुविधाओं को प्राथमिकता पर पूर्ण करें अधिकारी किशोरी

बैजनाथ । उपमंडल बैजनाथ के खंड विकास अधिकारी सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता बैजनाथ के विधायक किशोरी लाल ने की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों को गति प्रदान करना उनकी सरकार की प्राथमिकता है जिसके लिए प्रदेश सरकार तत्परता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से वर्तमान समय तक किए गए विकास कार्यों का विस्तृत ब्यौरा लेते हुए विभिन्न विभागों द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि बैजनाथ क्षेत्र में गतिशील सभी विकास कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्वक पूर्ण किए जाएं ताकि जनता को शीघ्र लाभ मिल सके। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को सड़कों निर्माण के कार्य में गुणवत्ता लाने, सड़कों के गड्डे भरने के निर्देश दिए एवं जल शक्ति विभाग को जल संबंधित समस्याओं के निपटान और पेयजल व सिंचाई योजनाओं को सुदृढ़ करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने लंबित विभिन्न सड़क व जल सम्बन्धी योजनाओं की विस्तृत जानकारी तैयार करने के निर्देश दिए तथा सभी अधिकारियों से अधोसंरचना विकास के कार्यों में तेजी लाने को कहा।

विधायक ने निर्देश दिए कि बैजनाथ में नव निर्मित बस स्टैंड का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए ताकि स्थानीय लोगों और यात्रियों को सुविधा मिल सके। उन्होंने बाजार से गंदगी हटाकर सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा जगह-जगह स्ट्रीट लाइट लगाने के निर्देश दिए ताकि लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके। उन्होंने चौबीन चौंक में लंबे समय से बंद पड़े सार्वजनिक शौचालय की मरम्मत कर उसे शीघ्र चालू कर रख रखाव करने के निर्देश दिए। विधायक ने वन विभाग को क्षेत्र में अवैध कटान पर सख्ती से निगरानी रखने और कार्रवाई करने के निर्देश दिए तथा कहा कि मानसून के दृष्टिगत असुरक्षित स्थानों पर खड़े खतरनाक पेड़ों को चिन्हित कर सुरक्षित रूप से कटाई की जाए ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। उन्होंने खनन विभाग को क्षेत्र में अवैध खनन रोकने और समय-समय पर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। विधायक ने स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण और रुके हुए कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित न रहना पड़े। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने पर बल दिया। बैठक में पंचायती राज के तहत प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण विकास के लिए चलाए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों एवं योजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं के कार्य गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरे किए जाएं ताकि ग्रामीणों को सुविधाएं समय पर उपलब्ध हो सकें। उन्होंने बागवानी विभाग को निर्देश दिए कि किसानों को क्षेत्र की जलवायु के अनुरूप पौधे वितरित कर उन्हें जागरूक किया जाए ताकि उनकी आय में वृद्धि हो सके। इसके अतिरिक्त उन्होंने क्षेत्र में फूलों की खेती और कीवी जैसे फलों के उत्पादन को बढ़ावा देने पर भी बल दिया।

विधायक किशोरी लाल ने लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग और जल शक्ति विभाग को निर्देश दिए कि मानसून के दौरान सड़कें, बिजली और पानी की आपूर्ति में होने वाले किसी भी प्रकार के नुकसान की मरम्मत शीघ्रता से की जाए ताकि लोगों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि विभागीय टीमें अलर्ट पर रहें और आवश्यकता पड़ने पर तुरंत राहत कार्य करें। उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा नियमित रूप से कार्यों की निगरानी कर जनहित में तत्परता से क्रियान्वयन किया जाए। बैठक की कार्यवाही का संचालन उपमंडलाधिकारी बैजनाथ संकल्प गौतम ने किया। इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक अनिल शर्मा, तहसीलदार बैजनाथ रमन ठाकुर, खंड विकास अधिकारी सुमन कुमारी, खंड चिकित्सा अधिकारी दिलावर सिंह देओल, अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण अजय सूद, अधिशाषी अभियंता जलशक्ति राहुल धीमान, अधिशांड्डषी अभियंता विद्युत मनोज मनहास, अधीक्षक ब्लॉक प्राथमिक शिक्षा बैजनाथ विनय मेहता सहित सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा हेतु धर्मशाला में बैठक आयोजित

उपमुख्य सचेतक केवल पठानिया ने दिए दिशा-निर्देश

धर्मशाला । धर्मशाला में आज उपमुख्य सचेतक एवं विधायक केवल सिंह पठानिया की अध्यक्षता में विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान उन्होंने बताया कि पिछले 14 माह के दौरान शाहपुर विधानसभा के अन्तर्गत तहसील शाहपुर, धर्मशाला, दरीणी तथा हारचक्कियां के अंतर्गत 582 मामलों की निशानदेही की गई तथा 9,845 इंतकाल किए गए । केवल पठानिया ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला कांगड़ा के विभिन्न विद्यालयों की छतों पर सौर ऊर्जा पैनल लगाने के लिए कार्य योजना तैयार करें ताकि मुख्यमंत्री द्वारा परिकल्पित ÷ग्रीन स्टेट÷ की संकल्पना को साकार किया जा सके।

उन्होंने PUDA फंड के सदुपयोग तथा पात्र लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाने पर भी बल दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री घोषणाओं को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया तथा प्रशासन को मानसून के दृष्टिगत पौधारोपण की कार्ययोजना शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही शाहपुर उपमंडल में कार्य कर रहे विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यप्रणाली की सराहना भी की। केवल पठानिया ने बताया कि शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में ट्राउट क्लस्टर के लिए 3.03 करोड़ रुपये की राशि व्यय की जा रही है। उन्होंने वन विभाग को करेरी के लिए शीघ्र कार्ययोजना तैयार करने तथा राजस्व विभाग को कालापुल में निर्माणाधीन विश्राम गृह का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त असुरक्षित भवनों का सर्वेक्षण कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक का संचालन एडीसी विनय कुमार ने किया और उन्होंने उपमुख्य सचेतक को आश्वस्त किया कि दिए गए निर्देशों का अक्षरशः पालन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय गृह मंत्री से बात कर नुकसान के बारे में जानकारी

आपदा प्रभावित परिवारों को 5000 रुपये मासिक किराया देगी सरकारः मुख्यमंत्री

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि भारी वर्षा से मण्डी जिले के सराज तथा धर्मपुर क्षेत्र में लोगों के घरों एवं भूमि को व्यापक नुक्सान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इन क्षेत्रों के जिन लोगों के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, अगर वे किराये के मकान में रहना चाहते हैं, उन्हें राज्य सरकार 5000 रूपये प्रति माह मकान किराया देगी। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित एसडीएम को प्रभावितों को खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाने के भी निर्देश दिए गए हैं।शिमला में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी, विधानसभा उपाध्यक्ष विनय कुमार व अन्य विधायकों के साथ चर्चा कर ये महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारी बारिश से आई इस आपदा में अभी तक 69 व्यक्तियों की मृत्यु हुई है तथा 110 व्यक्ति घायल हुए हैं और 37 अभी तक भी लापता हैं। उन्होंने कहा कि वह शीघ्र ही एक बार फिर प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे।

श्री सुक्खू ने कहा कि उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी इस बारे में बातचीत कर प्रदेश में हुए व्यापक नुकसान के बारे में उन्हें अवगत करवाया है। केंद्रीय गृहमंत्री ने हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है तथा केंद्रीय टीम भी नुकसान का आकलन करने हिमाचल प्रदेश आ रही है। उन्होंने कहा कि इस मॉनसून सीजन में ही अभी तक मण्डी जिले में ही 14 बादल फटने की घटनाएं हो चुकी हैं, जो चिंता का विषय है। बादल फटने की इतनी घटनाएं क्यों हो रही हैं, इसका अध्ययन करने की आवश्यकता है। उन्होंने इस बारे में भी केन्द्रीय गृहमंत्री से भी चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में भारी बरसात व बादल फटने की घटनाओं से अब तक 700 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। उन्होंने कहा कि इस आपदा में सड़कों, बिजली अधोसंरचना और पेयजल आपूर्ति योजनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल के सभी सहयोगी अपने-अपने विभागों की समीक्षा बैठक लेकर नुकसान का आकलन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारी वर्षा से प्रदेश में अभी तक लगभग 300 सड़कें अवरूद्ध हुई हैं तथा करीब 790 जलापूर्ति योजनाओं को नुकसान पहुंचा है तथा 332 बिजली के ट्रांसफार्मरों को भी क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाए गए राहत कार्यों में मण्डी जिले में 402 लोगों को बचाया गया है। उन्होंने कहा कि वानिकी एवं बागवानी कॉलेज, थुनाग में फंसे 92 छात्रों और अध्यापकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। थुनाग के कई गांवों में एनडीआरएफ तथा एसडीआरएफ की टीमें पहुंच गई हैं जो राहत एवं पुनर्वास कार्यों में जुटी हैं।

एनएचएआई द्वारा प्रदेश में चलाई जा रही परियोजनाओं के बारे में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने बड़ी-बड़ी कम्पनियों को उनकी मशीनरी देखकर ठेके दे दिए जाते हैं तथा उन्हें हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों की जानकारी नहीं होती। वे सुविधानुसार पहाड़ों की कटिंग कर देती हैं जिससे नुकसान होता है। उन्होंने एनएचएआई को सलाह दी कि ऐसे ठेके स्थानीय ठेकेदारों को दिए जाएं। वहीं राज्य सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि आपदा से सबसे ज्यादा प्रभावित मण्डी जिला में राहत एवं बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है तथा राज्य सरकार प्रभावितों की पूरी मदद कर रही है। सभी विभागों के उच्च अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी और सरकारी मशीनरी मण्डी जिला में आपदा प्रभावितों की सहायता के लिए तैनात किए गए हैं। थुनाग क्षेत्र में 241 जलापूर्ति योजनाओं को क्षति पहुंची थी जिनमें से 66 स्कीमों को अस्थाई तौर पर बहाल कर दिया गया है। मण्डी जिले में अभी भी 164 सड़कें अवरूद्ध हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा सराज के प्रभावित क्षेत्रों में सड़क बहाली के लिए 31 जेसीबी तथा 3 पौकलेन लगाई गई हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सुराह गांव तथा अन्य प्रभावित क्षेत्रों के लिए सरकार द्वारा राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। इसके अलावा थुनाग उपमंडल के रुकचुई, भराड़ और पियाला देजी गांवों में आई भीषण प्राकृतिक आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी हैं। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ और जिला प्रशासन की टीमें विषम परिस्थितियों के बावजूद लगातार मोर्चे पर डटी हैं। अब तक थुनाग में 65 पीड़ितों को सुरक्षित रेस्क्यू कर प्राथमिक उपचार और चिकित्सीय सहायता उपलब्ध करवाई गई है। उन्होंने कहा कि धर्मपुर में आपदा प्रभावितों के लिए राहत एवं खाद्य सामग्री का वितरण और आवश्यक सेवाओं को युद्ध स्तर पर बहाल करने का कार्य जारी है।

सोलन को टी.बी. मुक्त बनाने के लिए सभी का सहयोग आवश्यक - उपायुक्त

सोलन । उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि ज़िला सोलन को टी.बी. मुक्त बनाने के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है। मनमोहन शर्मा गत दिवस स्वास्थ्य अधिकारियों व उद्योग संघों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मनमोहन शर्मा ने कहा कि ज़िला सोलन को टी.बी. मुक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य अधिकारियों व उद्योगों का आपसी समन्वय के साथ कार्य करना आवश्यक है ताकि अधिक से अधिक लोगों को टी.बी. रोग के बारे में जागरूक किया जा सका।

उपायुक्त ने कहा कि उद्योगों को निक्षय मित्र के रूप में पंजीकरण करवाना चाहिए ताकि टीबी रोगियों को पोषण, निदान व व्यावसायिक सहायता मिल सके। उन्होंने कहा कि उद्योगों के कर्मचारियों की टी.बी. जांच करवाना तथा शीघ्र रोग का पता चलने से सही समय पर उपचार आरम्भ किया जा सकता है। इससे जहां टी.बी. रोग की रोकथाम में सहायता मिलेगी वहीं कार्यस्थल का वातावरण सौहार्द भी बनेगा। उन्होंने अधिकारियों को टी.बी. जागरूकता और रोकथाम का समर्थन करने के लिए सीएसआर के माध्यम से सामुदायिक पहुंच बढ़ाने के निर्देश दिए।बैठक में टी.बी. रोग के लक्षणों, जांच व उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर ज़िला टी.बी. अधिकारी डॉ. गगनदीप राज हंस, केन्द्रीय टी.बी. डिवीजन टीम की डॉ. भवानी सिंह कुशवाह, निक्षय मित्र अभियान के राष्ट्रीय सलाहकार डॉ. धर्मा राव सहित ज़िला के प्रमुख उद्योगों और औद्योगिक संघ उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने एचआरटीसी को ग्रीन हाइड्रोजन बसों की संभावना तलाशने के निर्देश दिए

मार्च 2026 तक चलेंगी 297 इलेक्ट्रिक बसें

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) को हिमाचल के चुनौतीपूर्ण और पहाड़ी क्षेत्रों के मद्देनजर राज्य के लोगों के लिए परिवहन सेवाओं में विस्तार करने के निर्देश दिए हैं। निगम की एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एचआरटीसी प्रदेशवासियों की जीवन रेखा है और राज्य सरकार यात्रियों के लिए सुचारू और बेहतरीन सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्च, 2026 तक 297 टाइप-1 इलेक्ट्रिक-बसें संचालित की जाएंगी, जबकि 30 टाइप-2 इलेक्ट्रिक-बसों की खरीद प्रक्रिया जारी है। यह कदम पर्यावरण संरक्षण और निगम को आत्मनिर्भर बनाने में मील पत्थर साबित होगा। उन्होंने एचआरटीसी अधिकारियों को निकट भविष्य में ग्रीन हाइड्रोजन बसें शुरू करने की व्यवहार्यता का पता लगाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मार्च, 2026 तक प्रदेश को हरित ऊर्जा राज्य बनाने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री ने रियायती पास के लिए आवेदन करने के लिए एकल बस पास प्रणाली और वास्तविक समय बस निगरानी प्रणाली विकसित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने बेहतर कार्य और प्रभावी प्रबन्धन सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग करने तथा एचआरटीसी मुख्यालय में ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला शिमला के ठियोग में एचआरटीसी कार्यशाला स्थापित की जाएगी। राज्य सरकार निगम को एक व्यवहार्य संस्थान बनाने के लिए हर तरह से सहयोग कर रही है।

उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने भी बैठक के दौरान बहुमूल्य सुझाव दिए और निगम के कर्मचारियों की भूमिका की सराहना की। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह, सलाहकार अधोसंरचना अनिल कपिल, अतिरिक्त मुख्य सचिव आरडी नज़ीम, प्रधान सचिव देवेश कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, मुख्यमंत्री के ओएसडी गोपाल शर्मा, एचआरटीसी के प्रबंध निदेशक डॉ. निपुण जिंदल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

अब वर्ष के चार महीने में बनेंगे हिमकेयर कार्ड

सोलन । प्रदेश सरकार द्वारा प्रायोजित स्वास्थ्य योजना हिमकेयर के अंतर्गत अब नए कार्डों का पंजीकरण वर्ष में मार्च, जून, सितम्बर और दिसम्बर माह में किया जाएगा। जुलाई, 2025 में भी नए कार्ड पंजीकृत करने की प्रक्रिया जारी रहेगी। यह जानकारी आज यहां मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोलन डॉ. अजय पाठक ने दी। डॉ. अजय पाठक ने कहा कि हिमकेयर कार्ड का नवीनीकरण वैध तिथि के 30 दिनों के भीतर करवाना होगा। कार्ड की वैधता एक वर्ष के लिए होगी। उन्होंने कहा कि हिमकेयर योजना के अंतर्गत लोक मित्र केन्द्र या सामान्य सेवा केन्द्र में नामांकन करने और दस्तावेज़ों को अपलोड करने के लिए लाभार्थी से प्रीमियम के अतिरिक्त 50 रुपए का शुल्क लिया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि हिमकेयर योजना के अंतर्गत लोकमित्र केन्द्रों, साइबर कैफे में कार्ड बनवाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आवेदक स्वयं वेबसाइट ॒णीचेइलेण्पद पर स्मार्ट कार्ड बना सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपना आधार कार्ड, राशन कार्ड, मोबाईल नम्बर और श्रेणी प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा। लोक मित्र केन्द्र एवं साइबर कैफे में भी इन दस्तावेज़ों को अपलोड करना अनिवार्य है। आवेदक को निर्धारित प्रीमियम का भुगतान भी करना होगा।

डॉ. पाठक ने कहा कि हिमकेयर योजना के तहत पंजीकृत अस्पताल में दाखिल होने पर परिवार को 05 लाख रुपए तक के निःशुल्क उपचार की सुविधा मिलती है। लाभार्थी प्रदेश में हिमकेयर कार्ड के तहत पंजीकृत सरकार अस्पतालों के अतिरिक्त पी.जी.आई चण्डीगढ़ और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान चिकित्सा संस्थान (एम्स) बिलासपुर में भी निःशुल्क उपचार सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। पंजीकृत निजी अस्पतालों में (केवल डायलिसिस रोगियों के लिए) भी निःशुल्क उपचार की सुविधा है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत विभिन्न गम्भीर व आम रोगों का उपचार सम्मिलित है।

पुलिस अधिकारी की पत्नी ने जन्मदिन पर चलती कार के बोनट में बैठकर केक काटा हाई कोर्ट ने सीएस से पूछा आपने क्या कार्रवाई की

बिलासपुर। पति के पद के पावर के मद में चूर महिला ने खुलेआम नीली बत्ती कार के बोनट में बैठ कर जन्मदिन मनाने व वीडियो वायरल होने के बाद कथित रूप से अज्ञात कार चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने के मामले को हाई कोर्ट ने संज्ञान में लिया है। मामले में मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए इस मामले में छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में चीफ जस्टिस की बेंच ने प्रदेश के मुख्य सचिव से शपथपत्र पर जवाब पेश करते हुए एक सप्ताह बाद अगली सुनवाई निर्धारित की है ।

समाचार रिपोर्ट में कहा गया कि बलरामपुर जिले के एक पुलिस उपाधीक्षक डीएसपी तस्लीम आरिफ बारहवीं बटालियन की पत्नी द्वारा नीली बत्ती लगी निजी गाड़ी के बोनट पर अपना जन्मदिन मनाने का वीडियो वायरल हुआ है। इस वीडियो से लोगों में आक्रोश पैदा हुआ है और फिर कार के चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और बताया गया कि चालक अज्ञात है। हालांकि स्पष्ट रूप से प्रकाशित किया गया है कि वह महिला के साथ गाड़ी चला रहा है, जो दोस्तों के समूह का हिस्सा लग रही है । तस्वीर में सभी लोग गाड़ी चला रहे हैं। यह घटना कथित तौर पर अंबिकापुर के एक होटल के पास हुई थी, जिसने आधिकारिक विशेषाधिकारों के इस्तेमाल पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह कार एक्सयूवी 700, बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में तैनात एक डीएसपी की बताई जा रही है। नीली बत्ती वाली गाड़ी कथित तौर पर डीएसपी की निजी गाडी है।

इस मामले में पुलिस ने आरोप लगाया है कि इस मामले में विभागीय कार्रवाई होगी या फिर इस मामले को प्रभाव के साये में लिया जाएगा। वीडियो की जांच से पता चला है कि वायरल वीडियो में दिख रहे व्यक्ति के खिलाफ धारा 177, 184 और 281 के तहत मामला दर्ज किया गया है।पुलिस ने गत 29 जनवरी को एक ऐसी ही घटना दर्ज की थी, जिसमें एक व्यक्ति जन्मदिन पर आतिशबाजी करते हुए सड़क जाम कर रहा था। इस घटना की सूचना देने का निर्देश मुख्य सचिव ने दिया था। मुख्य सचिव ने इस घटना को गंभीरता से लिया था और राज्य सरकार को इस मामले की जानकारी देने के लिए कहा था। 3 फरवरी 2025 के पत्र में सचिव ने कहा था कि थाने के स्टेशन अधिकारियों को न केवल मोटर वाहन अधिनियम के तहत बल्कि भारतीय न्याय संधि के तहत भी अपराधियों पर मुकदमा चलाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डीबी में हुई सुनवाई हुई, जिसमें कोर्ट की सिंगल बैंच ने मुख्य सचिव से शपथपत्र पर यह जवाब देने को कहा कि, अभी तक इस मामले में पुलिस प्रशासन की ओर से विधिवत क्या कार्रवाई की है..? अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद शुक्रवार को निर्धारित की गई है ।

नहर निर्माण के नाम पर सड़क खोद देने से महावीरगंज-चिनिया के बीच आवागमन बंद

बलरामपुर। जिले के ग्राम पंचायत महावीरगंज से चिनिया मुख्य डामरीकृत मार्ग को नहर निर्माण के नाम पर बरसात में ठेकेदार द्वारा खोद दिए जाने से महावीरगंज-चिनिया के बीच मुख्य मार्ग से आवागमन बंद हो गया है। इससे सैकड़ों लोगों का आना-जाना प्रभावित हो रहा है, वहीं इस मार्ग से होकर जाने वाली यात्री बसें भी बंद हो गई हैं। इससे आम नागरिकों को आवागमन के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उल्लेखनीय है कि, जल संसाधन विभाग द्वारा चिनिया जलाशय का हेड वर्क एवं दो किलोमीटर नहर निर्माण का कार्य 2 करोड़ 14 लाख 29 हजार रुपए की लागत से 3 वर्ष पूर्व प्रारंभ किया गया था। यह कार्य 9 महीने में पूर्ण हो जाना चाहिए था, लेकिन 3 वर्ष के बाद भी यह अत्यंत मंथर गति से चल रहा है। स्थिति यह है कि 20 दिन पूर्व यहां ठेकेदार द्वारा महावीरगंज-चिनीया मुख्य मार्ग को नहर निर्माण के लिए खोद दिया गया है। इस कारण इस मार्ग से आना-जाना बंद हो गया है, यहां तक कि पैदल भी लोग आना जाना नहीं कर पा रहे है। मार्ग के अवरुद्ध होने से सैकड़ो लोगों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

चिनिया क्षेत्र से बड़ी संख्या में बच्चे महावीरगंज स्कूल पढ़ने जाते हैं। लेकिन मुख्य मार्ग के खोद दिए जाने के कारण बच्चों का स्कूल आना-जाना मुश्किल हो रहा है। किसी प्रकार दूसरे मार्ग से बच्चे स्कूल जा रहे हैं। वहीं बरसात में ग्रामीण क्षेत्रों में सर्पदंश सहित अन्य कई मौसमी बीमारियां फैलती हैं। इसके इलाज के लिए ग्रामीण रामानुजगंज अस्पताल पर ही निर्भर है। लेकिन ठेकेदार द्वारा मुख्य मार्ग खोद दिए जाने से लोगों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों सहित स्कूली बच्चों ने भी तत्काल मार्ग को दुरुस्त करने की मांग की है।

विजयनगर चौकी द्वारा मोहर्रम त्यौहार को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई थी। इसमें कई गांव के लोग उपस्थित हुए थे। इसमें ग्रामीणों ने एक स्वर में रोड बाधित होने की बात उठाई एवं नाराजगी व्यक्त की। इस पर बैठक में उपस्थित तहसीलदार मनोज पैकरा द्वारा जल संसाधन विभाग के एसडीओ को तत्काल सड़क में आवागमन सामान्य करने के लिए निर्देशित किया गया।

महावीरगंज से पहले लोग सीधे चिनिया होते रामचंद्रपुर सहित अन्य गांवों तक चल जाते थे। लेकिन रोड बाधित होने के कारण अब कनकपुर होकर 14 किलोमीटर अतिरिक्त सफर तय करना पड़ेगा। वहीं, यदि बगरा होकर जाते हैं तो यह 20 से अधिक किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय करना होगा।

इस मामले में जल संसाधन विभाग के ईई एनपी डहरिया ने आज शनिवार को बताया कि, नहर निर्माण के लिए वहां खोदाई हुआ है, बारिश होने के कारण थोड़ी सी असुविधा हो रही है। प्रयास है कि जल्दी से जल्द नहर को पूर्ण कर आवागमन को सामान्य किया जा सके।

महात्मा गांधी उद्यानिकी विश्वविद्यालय के कुलपति सक्सेना की नियुक्ति को चुनौती,हाई कोर्ट ने शासन से जवाब तलब किया

बिलासपुर। राज्य शासन द्वारा अधिनियम के माध्यम से उद्यानिकी विश्वविद्यालय की स्थापना की गई। विश्वविद्यालय का उद्देश्य उद्यानिकी के क्षेत्र में अनुसंधान एवं प्रशिक्षण प्रदान करना है। विश्वविद्यालय में नियमित कुलपति की नियुक्ति हेतु प्रक्रिया प्रारंभ की गई तथा योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए गए। नियुक्ति हेतु एक तीन सदस्यीय चयन समिति का गठन किया गया। विज्ञापन के प्रकाशन के पश्चात 38 आवेदन प्राप्त हुए। चयन समिति द्वारा 8 नामों का पैनल तैयार कर राज्यपाल के सचिवालय को प्रेषित किया गया और परीक्षण उपरांत डॉ आर आर सक्सेना को उद्यानिकी विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में नियुक्त किया गया। इसके विरुद्ध याचिकाकर्ता डॉ अवनिन्द्र कुमार सिंह द्वारा उच्च न्यायालय में अधिवक्ता सुशोभित सिंह के माध्यम से याचिका प्रस्तुत की गई। उच्च न्यायालय ने याचिका पर संज्ञान लेते हुए शुक्रवार को राज्य शासन एवं महात्मा गांधी उद्यानिकी विश्वविद्यालय को नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

याचिका में बताया गया कि कुलपति की नियुक्ति में निर्धारित प्रक्रिया का सम्यक रूप से पालन नहीं किया गया है। आवेदनकर्ताओं के आवेदन एवं उनके द्वारा धारित शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव का तुलनात्मक परीक्षण ही नहीं किया गया है। याचिका में आधार लिया गया कि चयन प्रक्रिया के दौरान सभी उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत आवेदन के आधार पर चयन सूची जारी नहीं की गई और न ही आवेदकों को मेरिट के आधार पर अंक प्रदान किए गए। याचिकाकर्ता द्वारा धारित शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव का तुलनात्मक विश्लेषण किया जाए तो याचिकाकर्ता सभी मापदंडों में अधिक योग्य है। उच्च न्यायालय ने याचिका पर संज्ञान लेते हुए राज्य शासन एवं महात्मा गांधी उद्यानिकी विश्वविद्यालय को नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

एक्सीडेंट में घायल 6 साल बच्ची की मौत मामले में सह आरोपित बुज़ुर्ग महिला को मिली अग्रिम जमानत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में 6 साल की बच्ची के एक्सीडेंट होकर मौत होने से जुड़े मामले में सह आरोपित बुजुर्ग महिला को अग्रिम जमानत मिल गई है। चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा की सिंगल बैंच में शुक्रवार को सुनवाई हुई। दरअसल 12 जून की शाम जांजगीर चांपा जिले के बलौदा थाना क्षेत्र के बछौद गांव में एक 76 वर्षीय देवेंद्र प्रसाद वर्मा से कार से कोरबा जाते वक्त सड़क में आम बीनते एक बच्ची शिवांगी पटेल को टक्कर मार दी थी और घायल बच्ची को डर के कारण कार में रखकर चला गया। इस दौरान उनकी पत्नी भी कार में मौजूद थी।

इस दुर्घटना में घायल बच्ची की मौत हो गई। वहीं आरोपित कार चालक रातभर कार का एसी चलाकर बच्ची के शव को रखा रहा। वहीं दूसरे दिन सुबह हरदीबाजार के पास लाश को ले जाते बुजुर्ग पुलिस चेकिंग के दौरान पकड़ाया। इस मामले में बुजुर्ग दंपती के खिलाफ जांजगीर जिले के बलौदा थाना में एफआईआर दर्ज किया गया, जिसमें बुजुर्ग देवेंद्र कुमार वर्मा के साथ उनकी पत्नी रानी देवी को सह आरोपित बनाया गया है। जिसके बाद बुजुर्ग महिला ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से हाइकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की। अधिवक्ता रूपेश श्रीवास्तव ने आज बताया कि हाइकोर्ट में सुनवाई के बाद अग्रिम जमानत मिल गई है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में हुई मुठभेड़ में एक पुरुष नक्सली ढेर, हथियार बरामद

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने एक नक्सली को ढेर कर दिया है। उसके पास से हथियार भी बरामद किया है। वहीं कई नक्सलियों के मारे जाने व घायल होने की भी संभावना व्यक्त की गई है।

क्षेत्र में नक्सलियों के बड़े कैडर की उपस्थिति की प्राप्त आसूचना के आधार पर सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम के द्वारा सर्चिंग अभियान प्रारंभ किया गया। अभियान के दौरान शुक्रवार से ही सुरक्षा बलों एवं नक्सलियों के बीच रुक-रुककर लगातार मुठभेड़ जारी रही है। सुरक्षाबलों की पूरी टीम नेशनल पार्क क्षेत्र में पूरी रात नक्सलियों को घेराबंदी कर रखा गया था। सुरक्षाबलों के द्वारा शनिवार सुबह से की गई सर्चिंग कार्रवाई में मुठभेड़ स्थल से एक नक्सली का शव हथियार सहित बरामद किया गया है। जबकि इस मुठभेड़ में कई नक्सलियों के मारे जाने एवं घायल होने की संभावना है।

बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मुठभेड़ में एक नक्सली का शव बरामद होने की पुष्टि करते हुए बताया कि अभियान अभी भी जारी है, इसलिए इसमें शामिल जवानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अधिक जानकारी साझा नहीं की जा सकती। अभियान पूर्ण होने के पश्चात विस्तृत जानकारी पृथक से उपलब्ध कराया जाएगा

छत्तीसगढ़ का जशप्योर बनेगा ग्लोबल ब्रांड , उद्योग विभाग को सौंपा जाएगा जशप्योर का ट्रेडमार्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दूरस्थ अंचल जशपुर की आदिवासी महिलाओं के समूह द्वारा प्राकृतिक वनोपज का प्रसंस्करण कर तैयार की गई विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्रियों का ब्रांड जशप्योर अब जशपुर और छत्तीसगढ़ की सीमाओं से बाहर निकलकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कदमताल करने को तैयार है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल अभियान को आत्मसात करते हुए एक अहम निर्णय लिया गया है जिसके तहत जशपुर जिले की महत्वाकांक्षी महिला केंद्रित ब्रांड जशप्योर का ट्रेडमार्क अब उद्योग विभाग को हस्तांतरित किया जाएगा। यह ऐतिहासिक निर्णय जशप्योर को व्यापक उत्पादन, संस्थागत ब्रांडिंग और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँच दिलाने की दिशा में एक बड़ा और निर्णायक कदम है।

जशप्योर द्वारा महुआ और अन्य वनोपज को शामिल करते हुए कई प्रकार के पारंपरिक और स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इनमें महुआ आधारित उत्पाद जैसे महुआ नेक्टर, महुआ वन्यप्राश, महुआ कुकीज़, रागी महुआ लड्डू, महुआ कैंडी और महुआ नेक्टर कोकोआ शामिल हैं। इसके अलावा, ढेकी कूटा जवा फूल चावल, मिलेट आधारित पास्ता और कोदो, कुटकी, रागी तथा टाऊ से बने विभिन्न उत्पाद भी पूरे भारत में अपनी पहचान बना रहे हैं।

जशप्योर ब्रांड का उद्देश्य केवल व्यापार नहीं है, बल्कि यह आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी आर्थिक स्थिति को सुधारने का एक सशक्त प्रयास भी है। इस ब्रांड के माध्यम से महिलाओं को रोजगार का अवसर मिला है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है और वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर हुई हैं।

जशप्योर के सभी उत्पाद पूर्णतः प्राकृतिक हैं। इनमें किसी भी प्रकार के प्रिज़र्वेटिव, कृत्रिम रंग या स्वाद का उपयोग नहीं किया जाता। यह उत्पाद श्रृंखला न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि पोषण से भरपूर और पर्यावरण-संवेदनशील पैकेजिंग में उपलब्ध है।

जशप्योर के प्रमुख उत्पादों में महुआ नेक्टर, महुआ वन्यप्राश, रागी महुआ लड्डू, महुआ कुकीज़, महुआ कोकोआ ड्रिंक, कोदो, कुटकी, रागी आधारित पास्ता और ढेकी कूटा चावल शामिल हैं।

20 सितंबर 2024 को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 में जशप्योर का स्टॉल सभी के आकर्षण का केंद्र बना रहा। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने वाले उपभोक्ताओं, पोषण विशेषज्ञों और उद्यमियों ने विशेष रुचि के साथ महुआ और मिलेट से बने उत्पादों की सराहना की। इन उत्पादों में कोई एडिटिव, प्रिज़र्वेटिव या स्टेबलाइजर नहीं है, जिससे ये पूरी तरह से प्राकृतिक, सुरक्षित और पोषणयुक्त हैं।

जशप्योर की पहुँच अब देशभर के प्रमुख एयरपोर्ट स्टोर्स तक होगी। रेयर प्लेनेट के साथ हुए समझौते के तहत पहले चरण में पाँच एयरपोर्ट्स पर महुआ और अन्य उत्पादों की बिक्री शुरू की जा रही है। यह पहल जशप्योर को राष्ट्रीय उपभोक्ताओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस एमओयू पर हस्ताक्षर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा ऑनलाइन माध्यम से किए गए, जो राज्य के स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।जशप्योर से जुड़े जशपुर जिले के युवा वैज्ञानिक समर्थ जैन ने बताया कि जिला प्रशासन और छत्तीसगढ़ शासन के प्रयासों से ÷महुआ को अब केवल शराब तक ही सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि इसे फॉरेस्ट गोल्ड या ग्रीन गोल्ड के रूप में भी देखा जाएगा।÷ जशप्योर ने यह साबित कर दिया है कि स्वास्थ्यवर्धक भोजन स्वादिष्ट भी हो सकता है। उनका मानना है कि शासन की इस पहल से जशप्योर को लोकल टू ग्लोबल ब्रांड बनाने में मदद मिलेगी और निश्चित ही यह निर्णय प्रदेश भर में वनोपज और स्थानीय उत्पादकों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा।ब्रांड ट्रेडमार्क हस्तांतरण के इस ऐतिहासिक निर्णय से जशप्योर को प्रोत्साहन मिलने के साथ ही कच्चे माल की माँग में वृद्धि होगी और आदिवासी महिलाओं को रोजगार के अधिक अवसर प्राप्त होंगे। इस निर्णय से जशप्योर ब्रांड का ट्रेडमार्क उद्योग विभाग को हस्तांतरित किया जाएगा, ताकि इसके दायरे और प्रभाव को और व्यापक बनाया जा सके। इससे जशप्योर के उत्पादों को विश्वस्तरीय बनाने, उत्पादन में वृद्धि के लिए उन्नत मशीनें लगाने और प्रभावी मार्केटिंग सुनिश्चित करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

अबिकापुर से बलरामपुर तक नेशनल हाईवे गड्ढे में तब्दील , आए दिन हो रही दुर्घटनाएं

बलरामपुर। अबिकापुर से बलरामपुर होते हुए रामानुजगंज तक 145 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग 343 इस समय बेहद बदहाल स्थिति में पहुंच चुका है। सड़क पर बने गहरे गड्ढे और उन गड्ढों में 8 से 12 इंच तक जमा पानी लोगों के लिए मुसीबत बन गया है। बारिश के मौसम में यह सड़क किसी छोटे-छोटे तालाब की तरह नजर आ रही है। इस मार्ग पर हर रोज वाहन दुर्घटनाएं हो रही हैं।

दोपहिया वाहन चालकों से लेकर चार पहिया और भारी वाहनों तक के लिए यह रास्ता जानलेवा साबित हो रहा है। यह सड़क अंबिकापुर से झारखंड के गढ़वा को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है, लेकिन इसकी हालत जर्जर हो चुकी है। हालात इतने खराब हैं कि सड़क पर मामूली मरम्मत का काम भी सही तरीके से नहीं हो रहा। सप्ताहभर पहले एनएच विभाग ने बारिश के बीच आनन-फानन में सड़क पर पेचिंग कराई थी, लेकिन वह सप्ताह भर भी नहीं टिक सकी। आज शनिवार तक तक सारी पेचिंग उखड़ गई और सड़क फिर से पुराने हाल में लौट गई। इससे स्थानीय लोगों में सड़क की हालत को देखकर विभाग के प्रति गुस्सा है, क्योंकि इस मार्ग पर आए दिन छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं।

एनएच विभाग से मिली जानकारी अनुसार, अंबिकापुर से रामानुजगंज तक फिलहाल टू-लेन सड़क का निर्माण होगा। राजपुरी खुर्द से पस्तापारी तक 49 किमी सड़क 240 करोड़ रुपओ की लागत से बनेगी, जबकि बलरामपुर के बड़?की मेहरी से रामानुजगंज तक की सड़क के लिए 111 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और वन विभाग को सड़क किनारे के पेड़ों की कटाई के लिए लगभग 44 करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं। पेड़ों की कटाई का काम तेजी से जारी है और सड़क निर्माण कार्य बारिश के बाद शुरू होने की संभावना है। हालांकि, जब तक नई सड़क का निर्माण पूरा नहीं होता, तब तक लोगों को इस बदहाल सड़क पर ही सफर करना पड़ेगा।

सड़क की अस्थायी मरम्मत के नाम पर बीते दिनों अग्रसेन चौक से बस डिपो तक की सड़क पर बरसते पानी में जल्दबाजी में की गई पेचिंग दो दिन में ही उखड़ गई। स्थानीय लोग कह रहे हैं कि अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत के चलते केवल कागजों पर काम हो रहा है, जबकि जमीनी हकीकत बिल्कुल अलग है। राष्ट्रीय राजमार्ग 343 की स्थिति इतनी दयनीय हो गई है कि रामानुजगंज से अंबिकापुर तक की यात्रा एक दुःस्वप्न बन गई है। भारी वाहन, यात्री बसें और निजी गाड़ियां गहरे गड्ढों में फंस रही हैं। दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह मार्ग और भी खतरनाक साबित हो रहा है।

इधर, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गढ़?वा से अंबिकापुर तक फोरलेन सड़क निर्माण की घोषणा की। इस परियोजना के तहत 450 करोड़ रुपए खर्च कर गढ़वा-अंबिकापुर फोरलेन सड़क बनाई जाएगी। हालांकि इसकी प्रक्रिया में अभी समय लगेगा। इसके अलावा फिलहाल रामानुजगंज से अंबिकापुर तक टू लेन सड़क के निर्माण की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। बारिश के बाद सड़क निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

एनएच अंबिकापुर के एसडीओ निखिल लकड़ा ने आज शनिवार को बताया कि, एनएच 343 पर अंबिकापुर से रामानुजगंज तक फिलहाल टू-लेन सड़क ही बनाई जाएगी। राजपुरी खुर्द से पस्तापारी तक 49 किमी सड़क 240 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी। बलरामपुर के बड़की मेहरी से रामानुजगंज तक की सड़क 111 करोड़ से बनेगी। बरसात के बाद सड़क निर्माण का कार्य शुरू होगा।

विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने जाग्रेब सुपरयूनाइटेड रैपिड चेस खिताब जीता

अमेरिकी प्लेयर वेस्ली सो को 36 चालों में मात दी, 18 में से 14 पॉइंट हासिल किए

जाग्रेब (एजेंसी)। क्रोएशिया के जाग्रेब में चल रहे सुपरयूनाइटेड रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट में भारतीय शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश ने रैपिड खिताब जीत लिया है।

यह टूर्नामेंट ग्रैंड चेस टूर 2025 का हिस्सा है और गुकेश ने रैपिड फॉर्मेट में 18 में से 14 पॉइंट अर्जित करके खिताब अपने नाम किया।

गुकेश ने आखिरी राउंड में अमेरिकी खिलाड़ी वेस्ली सो को 36 चालों में हराकर रैपिड खिताब अपने नाम किया। गुकेश ने टूर्नामेंट में 9 मुकाबलों में से 6 में जीत हासिल की, 2 ड्रॉ रहे और एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा

टूर्नामेंट में पहला मुकाबला हार गए थे गुकेश – गुकेश को टूर्नामेंट के पहले ही मुकाबले में पोलैंड के जान-क्रिस्टॉफ डूडा ने 59 चालों में मात दी थी। इसके बाद गुकेश ने वापसी की। उन्होंने फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा और भारत के प्रगनानंद को हराया।

गुकेश ने टूर्नामेंट के चौथे राउंड में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और पांचवें राउंड में अमेरिका के फेबियानो कारुआना को हराया था।

छठे राउंड में गुकेश का मुकाबला नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन से हुआ, जिसमें भारतीय ग्रैंडमास्टर ने जीत हासिल की। गुकेश ने कार्लसन को एक महीने के अंदर दूसरी बार हराया है। गुकेश ने कार्लसन को 2 जून को नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में भी हराया था। ग्रेब सुपरयूनाइटेड टूर्नामेंट में गुकेश

ने वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को हराया।

तीसरे दिन दोनों मुकाबले ड्रॉ रहे – टूर्नामेंट के तीसरे दिन (4 जुलाई) गुकेश के दोनों मुकाबले ड्रॉ रहे। उनकी इस दिन की शुरुआत डच ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी के खिलाफ ड्रॉ के साथ हुई। उसके बाद क्रोएशिया के इवान शारिक के खिलाफ उन्होंने 87 चालों वाला लंबा मुकाबला खेला। यह मैच भी ड्रॉ रहा।

प्रगनानंद ने सिर्फ एक जीत हासिल की – इस टूर्नामेंट में प्रगनानंद का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। उन्होंने 9 मैचों में सिर्फ एक जीत इवान शारिक के खिलाफ दर्ज की। वहीं, 7 मुकाबले ड्रॉ खेले, जबकि एक में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कुल 9 अंक अर्जित किए। प्रगनानंद बुखारेस्ट फेज में विनर और वारसॉ में तीसरे स्थान पर रह चुके हैं। इससे वह ग्रैंड चेस टूर के ओवरऑल रैंकिंग में अब भी प्रबल दावेदार बने हुए हैं।

कार्लसन और डूडा किस पोजिशन पर रहे – मैग्नस कार्लसन ने टूर्नामेंट के आखिरी दिन (4 जुलाई) अमेरिकी प्लेयर फैबियानो कारुआना के खिलाफ जीत से शुरुआत की, लेकिन अगले गेम में नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से ड्रॉ खेलकर वह गुकेश को चुनौती नहीं दे पाए। वहीं, डूडा, जिन्होंने पहले राउंड में गुकेश को हराया था, उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया और दूसरे स्थान पर रहे।

अब टूर्नामेंट का ब्लिट्ज फेज खेला जाएगा – इस टूर्नामेंट का ब्लिट्ज चरण शनिवार से शुरू होगा और 6 जुलाई को खत्म होगा। रैपिड और ब्लिट्ज ड्ड दोनों फॉर्मेट से अर्जित अंकों के आधार पर ओवरऑल विनर का फैसला होगा।

फीफा क्लब वर्ल्ड कप

पाल्मेरास को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा चेल्सी

फिलाडेल्फिया, एजेंसी। अगस्टिन जियाय के अंतिम क्षणों में किए गए आत्मघाती गोल की बदौलत चेल्सी ने फीफा क्लब वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में पाल्मेरास पर 2-1 से जीत हासिल की। यह मुकाबला फिलाडेल्फिया के लिंकन फाइनेंशियल फील्ड पर खेला गया। इसी के साथ चेल्सी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। कोल पाल्मर ने पहले हाफ में चेल्सी के लिए गोल किया, जिससे ब्लूज को न्यूयॉर्क में ब्राजील की टीम फ्लूमिनेंस के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाने में मदद मिली। ब्रेक के बाद पाल्मेरास ने जोरदार वापसी की, जब युवा फुटबॉलर एस्टेवाओ ने 53वें मिनट में एक शानदार गोल दागते हुए टीम को बराबरी पर ला दिया, लेकिन मुकाबले के 83वें मिनट में अगस्टिन जियाय के आत्मघाती गोल के चलते पाल्मेरास ने मुकाबला 1-2 से गंवा दिया। चेल्सी के मैनेजर एन्जो मारेस्का ने कहा, जैसा कि हमने उम्मीद की थी, यह एक मुश्किल मुकाबला था। मुझे लगता है कि दूसरे हाफ की तुलना में हम पहले हाफ में थोड़े बेहतर थे। हमने मुकाबले को बेहतर तरीके से कंट्रोल किया। मुझे लगता है कि हम जीत के हकदार थे। खिलाड़ियों को बधाई, क्योंकि उन्होंने काफी अच्छा खेल दिखाया हैं। मारेस्का ने आगे कहा, मैं खुश हूं क्योंकि हम जीत गए, खुश हूं क्योंकि उन्होंने गोल किया, इसलिए यह एक शानदार रात है। वहीं, दूसरी ओर फीफा क्लब विश्व कप 2025 में अपने शानदार अभियान को जारी रखते हुए फ्लूमिनेंसे ने अल हिलाल को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में स्थान पक्का कर लिया है।

कनाडा ओपन

चोउ तिएन चेन को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे श्रीकांत

कैलगरी, एजेंसी। भारत के स्टार शटलर किदांबी श्रीकांत कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने शनिवार को क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के शीर्ष वरीयता प्राप्त चोउ तिएन चेन को सीधे गेम में 21-18, 21-9 से हराया। श्रीकांत ने चीनी ताइपे के वांग पो-वेई को 43 मिनट तक चले इस मुकाबले में शिकस्त देकर सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का किया था।वर्तमान में विश्व में 49वें स्थान पर काबिज श्रीकांत अब फाइनल में जगह बनाने के लिए जापान के तीसरी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोटो से भिड़ेंगे। श्रीकांत के पास 30 वर्षीय केंटा निशिमोटो के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 6-4 की बढ़त है। भारतीय खिलाड़ी ने पिछली विश्व चैंपियनशिप में जापानी शटलर को सीधे गेम में हराया था। इसके बावजूद निशिमोटो अन्य भारतीय खिलाड़ियों के लिए चुनौतियां पेश करते रहे हैं। अपने कोर्ट कवरेज के लिए पहचाने जाने वाले निशिमोटो इस सीजन में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। निशिमोटो ने भारत के शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम को 21-15, 5-21, 21-17 से कड़ी टक्कर देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई है। श्रीकांत प्री-क्वार्टरफाइनल मैच में चीनी ताइपे के वांग पो-वेई के खिलाफ 21-19, 21-14 से जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। श्रीकांत ने यह मुकाबला 41 मिनट में जीता था। वांग पो-वेई वर्ल्ड नंबर-71 हैं।

यशस्वी ने टेस्ट क्रिकेट में रचा इतिहास, सचिन और विराट को छोड़ दिया पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के ओपनिंग बैट्समैन यशस्वी जायसवाल ने एजबेस्टन टेस्ट के दौरान एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. इस दौरान उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ और पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग की बराबरी कर ली है, जबकि मास्टर-ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया. यशस्वी जायसवाल ने ये मुकाम एजबेस्टन टेस्ट के दूसरी पारी के दौरान हासिल किया. जायसवाल टेस्ट क्रिकेट में ये मुकाम हासिल करने वाले दूसरे सबसे युवा भारतीय बल्लेबाज हैं. लीड्स टेस्ट मैच में शानदार शतक लगाने वाले यशस्वी दूसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में कुछ खास नहीं कर पाए, लेकिन एक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया.

यशस्वी ने कौन सा रिकॉर्ड बनाया?

टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम पारियों में संयुक्त रूप से सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं. इस दौरान उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग की बराबरी कर ली है. जायसवाल ने ये उपलब्धि एजबेस्टन टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 10वां रन बनाने के दौरान किया. हालांकि वो अपनी पारी को लंबी नहीं कर पाए और 22 गेंदों में 28 रन बनाकर आउट हो गए. यशस्वी ने पहली पारी में 87 रनों की शानदार पारी खेली थी.

जायसवाल ने टेस्ट क्रिकेट की 40वीं पारी में 2000 रन पूरे किए. इससे पहले राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग ने भी इतनी ही पारियों में 2000 रन पूरे किए थे. द्रविड़ ने साल 1999 में न्यूजीलैंड के खिलाफ हैमिल्टन में और वीरेंद्र सहवाग ने साल 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में यह उपलब्धि हासिल की थी.

21वें टेस्ट मैच में हासिल की उपलब्धि

जायसवाल ने 21 टेस्ट मैचों की 40 पारियों में 53.10 की औसत से 2018 रन बनाए हैं. इसमें 5 शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं. इस मामले में उन्होंने पूर्व भारतीय बल्लेबाज विजय हजारे और टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर को पीछे छोड़ दिया. विजय हजारे और गौतम गंभीर ने 43 पारियों में 2000 रन पूरे किए थे. दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली इस लिस्ट में किसी के आसपास भी नहीं हैं. उन्होंने 53 पारियों में दो हजार रन पूरे किए थे.

इसके अलावा यशस्वी जायसवाल ने सबसे कम एज में दो हजार रन पूरे करने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं. उन्होंने 23 साल 188 दिन की एज में यह उपलब्धि हासिल की. इस मामले में सचिन तेंदुलकर उनसे आगे हैं. सचिन ने 20 साल 330 दिन में टेस्ट क्रिकेट में दो हजार रन पूरे किए थे.

इंडिया-इंग्लैंड: इंग्लैंड ने भारत को 05 रन से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड की महिला टी20 टीम ने 5 मैच की सीरीज के तीसरे मुकाबले में हरमनप्रीत की अगुआई वाली भारतीय टीम को 5 रन के करीबी अंतर से हरा दिया। भारत को जीत के लिए अंतिम गेंद पर 6 रन की जरूरत थी। हरमनप्रीत कौर (23) ने छक्का लगाने की पूरी कोशिश की, लेकिन बड़ा शॉट लगाने के प्रयास में लॉरेन बेल का शिकार हो गईं और भारत इतिहास रचने से चूक गया। भारत ने सीरीज के शुरुआती दोनों मैच अपने नाम किये थे। भारतीय टीम यदि तीसरा मैच भी जीत लेती तो 19 साल में पहली बार इंग्लैंड के खिलाफ लगातार 3 टी20 मैच जीतने का रिकॉर्ड बनाती। पहली बार 2 या उससे ज्यादा मैच की सीरीज भी अपने नाम कर लेती। अब उसे सीरीज जीतने के लिए कम से कम अगले मैच तक इंतजार करना होगा। भारत बनाम इंग्लैंड चौथा टी20 इंटरनेशनल मैच 9 जुलाई को मैनचेस्टर के एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में भारतीय समयानुसार रात 11 बजे से खेला जाएगा।

भारत को तीसरा टी20 इंटरनेशनल मैच जीतने के लिए 172 रन का लक्ष्य मिला था। स्मृति मंधाना जब तक क्रीज पर मौजूद थीं तब तक उसके जीतने की 100 फीसदी संभावना लग रही थी। स्मृति मंधाना 16वें ओवर की तीसरी गेंद पर जब पवेलियन लौटीं तब टीम का स्कोर 3 विकेट पर 131 रन था। हालांकि, इसके बाद भारत अगली 27 गेंद में 41 रन नहीं बना पाया।

दूसरे टेस्ट में भारत ने की दमदार वापसी

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत ने बर्मिंघम टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 317 रन की बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 3 विकेट खोकर 152 रन बना लिए हैं। कप्तान शुभमन गिल और पंत मोर्चा संभाले हुए थे। करुण नायर 26 और यशस्वी जायसवाल 28 रन बनाकर आउट हुए। ब्रायडन कार्स और जोश टंग को एक-एक विकेट मिला। एजबेस्टन स्टेडियम में शनिवार को मैच का चौथा दिन था और पहले सेशन का खेल जारी था। टीम इंडिया ने सुबह 64/1 के स्कोर से खेलना शुरू किया। तीसरे दिन इंग्लैंड पहली पारी में 407 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत को पहली पारी में 180 रन की बढ़त मिली। जैमी स्मिथ ने 184 और हैरी ब्रूक ने 158 रन बनाए। मोहम्मद सिराज ने 6 और आकाशदीप ने 4 विकेट लिए। भारत ने पहली पारी में कप्तान शुभमन गिल (269 रन) के दोहरे शतक के सहारे 587 रन बनाए।

तीसरे दिन बने यह रिकॉर्ड्स...

बेन स्टोक्स का पहला गोल्डन डक – इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स पहली ही गेंद पर कॉट बिहाइंड हो गए। उन्हें मोहम्मद सिराज ने बाउंसर फेंक कर विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। 113 टेस्ट के करियर में स्टोक्स 16वीं बार जीरो पर आउट हुए, लेकिन पहली बार ही किसी बॉलर ने उन्हें पहली गेंद पर पवेलियन भेजा।टेस्ट क्रिकेट में बगैर गोल्डन डक के सबसे ज्यादा पारियां खेलने का रिकॉर्ड भारत के राहुल द्रविड़ के नाम है। जो 286 पारियों बाद गोल्डन डक हुए थे।

जैमी स्मिथ ने 80 बॉल पर शतक लगाया – इंग्लैंड के विकेटकीपर बैटर जैमी स्मिथ ने महज 80 गेंद पर शतक लगा दिया। यह इंग्लैंड से चौथा सबसे तेज टेस्ट शतक रहा। फास्टेस्ट सेंचुरी का रिकॉर्ड गिल्बर्ट जेसप के नाम है, जिन्होंने 1902 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 76 गेंद पर सेंचुरी लगा दी थी।

ब्रूक ने सबसे तेज 2500 रन बनाए – इंग्लैंड से हैरी ब्रूक ने भी शतक लगाया, उन्होंने 158 रन की पारी खेली।

भारत के खिलाफ छठे विकेट के लिए सबसे बड़ी पार्टनरशिप – जैमी स्मिथ और हैरी ब्रूक ने छठे विकेट के लिए 303 रन की पार्टनरशिप की। यह इंग्लैंड से भारत के खिलाफ किसी भी विकेट के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी रही। इंग्लैंड से भारत के खिलाफ छठे विकेट के लिए यह सबसे बड़ी पार्टनरशिप रही। ब्रूक-स्मिथ ने जॉनी बेयरस्टो और क्रिस वोक्स का रिकॉर्ड तोड़ा। दोनों ने 2018 में लॉर्ड्स स्टेडियम में 189 रन जोड़े थे।

11 साल बाद भारत के खिलाफ 300+ रन की पार्टनरशिप – भारत के खिलाफ टेस्ट में 11 साल बाद किसी भी विकेट के लिए 300 से ज्यादा रन की पार्टनरशिप हुई। 2014 में आखिरी बार न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैक्कलम और बीजे वाटलिंग ने छठे विकेट के लिए ही 352 रन जोड़े थे। भारत के खिलाफ टेस्ट में 12वीं बार 300 से ज्यादा रन की पार्टनरशिप हुई।

प्लेइंग-11

इंग्लैंड- बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स, जैमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर।

भारत- शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, करुण नायर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, आकाशदीप, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

विंबलडन- आंद्रे रूबलेव राउंड ऑफ 16 में पहुंचे

फिट्ज ने भी थर्ड राउंड का मैच जीता; विमेंस सिंगल्स में मैडिसन कीस बाहर

पेरिस (एजेंसी)। विंबलडन के थर्ड राउंड में आंद्रे रूबलेव ने राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। उन्होंने एड्रियन मन्नारिनो को सीधे सेट में हराकर अगले राउंड में पहुंचे। वहीं विमेंस सिंगल्स छठी सीड मैडिसन कीस को उन्हें जर्मनी की सिगमंड ने हराकर बाहर कर दिया।

मेंस सिंगल्स में फिट्ज जीते – रूबलेव ने फ्रांस के एड्रियन मन्नारिनो को 7-5, 6-2, 6-3 के अंतर से हराया। मेंस सिंगल्स में रूबलेव के अलावा अमेरिका के टेलर फिट्ज, इंग्लैंड के कैमरन नोरी, ऑस्ट्रेलिया के लुसियानो डारडेरी, पोलैंड के कामिल माचजैक और चीली के निकोलस जेरी को भी जीत मिली। सभी ने राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। यह मुकाबले रविवार से खेले जाएंगे।

मेंस डबल्स में जीती टॉप सीड जोड़ी –मेंस डबल्स में नंबर-1 सीड मार्सेलो अरेवालो और मैट पैविक की जोड़ी ने अगले राउंड में जगह बना ली। दोनों ने स्पेन के जौम मुनार और पेड्रो मार्टिनेज की जोड़ी को हराया। दूसरी सीड हेनरी पैटन और हैरी हेलोवारा की जोड़ी ने भी अगले राउंड में जगह बना ली।

विमेंस सिंगल्स में मैडिसन कीस बाहर – विमेंस सिंगल्स में अमेरिका से छठी सीड मैडिसन कीस को उलटफेर का शिकार होना पड़ा।

राहु दोष से मुक्ति के लिए घर में किस दिशा में रखना चाहिए खाली गमला, वास्तु शास्त्र के अनुसार जानें सही तरीका

वास्तु शास्त्र के अनुसार आपकी कुंडली में अगर राहु दोष चल रहा है, तो आपको घर में खाली गमला रखना चाहिए। इससे कई समस्याएं भी दूर होती हैं लेकिन याद रखें कि खाली गमले में सही दिशा में रखना बहुत जरूरी है। आइए, जानते हैं घर की कौन-सी दिशा में रखें खाली गमला। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार घर में खाली बर्तन या गमला रखना शुभ नहीं माना जाता लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर घर में खाली गमला सही दिशा में रखा जाए, तो आपके घर से कई परेशानियां दूर हो जाती हैं। खासतौर पर अगर आपकी कुंडली में राहु का दुष्प्रभाव पड़ रहा है, तो आपको वास्तु शास्त्र के अनुसार गमले को सही दिशा में रखना चाहिए। आइए, जानते हैं राहु दोष से मुक्ति के लिए घर की किस दिशा में रखें गमला।ज्योतिष शास्त्र के अनुसार घर में खाली बर्तन या गमला रखना शुभ नहीं माना जाता लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर घर में खाली गमला सही दिशा में रखा जाए, तो आपके घर से कई परेशानियां दूर हो जाती हैं। खासतौर पर अगर आपकी कुंडली में राहु का दुष्प्रभाव पड़ रहा है, तो आपको वास्तु शास्त्र के अनुसार गमले को सही दिशा में रखना चाहिए। आइए, जानते हैं राहु दोष से मुक्ति के लिए घर की किस दिशा में रखें गमला।

घर में किस दिशा में रखें खाली गमला

आपके जीवन में अगर कई परेशानियां चल रही हैं, तो आपको वास्तु शास्त्र के अनुसार घर की दक्षिण दिशा में खाली गमला रख देना चाहिए। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा खत्म हो जाती है। इस खाली गमले में आप एक हल्दी की गांठ भी रख सकते हैं, इससे आपको घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है। खाली गमले का मतलब यह नहीं है कि इसे आपको पूरा खाली रखना है, बल्कि इसमें मिट्टी भी होनी चाहिए। हां, बस यह बात याद रखें कि इसमें कोई पौधा न लगा हो।

बुरी नजर से बचाता है खाली गमला

बुरी नजर को नकारात्मक ऊर्जा से जोड़कर देखा जाता है। माना जाता है कि अगर आपके घर में किसी की बुरी नजर का साया मंडरा रहा है, तो आपको दक्षिण दिशा में खाली गमला जरूर रख देना चाहिए। इससे बुरी नजर का असर कमजोर पड़ जाता है और आपके अधूरे काम भी बनने शुरू हो जाते हैं।

अकाल मृत्यु का खतरा टल जाता है

दक्षिण दिशा को यमराज की दिशा कहा जाता है, इसलिए दक्षिण दिशा की तरफ मुंह करके न ही भोजन किया जाता है और ना ही कोई शुभ कार्य किया जाता है, लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार दक्षिण दिशा में खाली गमला रखने से अकाल मृत्यु होने खतरा भी टल जाता है।

गृह क्लेश से मुक्ति के लिए कारगर

आपके घर में अगर आए दिन हमेशा लड़ाई होती रहती है, तो आपको घर की दक्षिण दिशा में गमला जरूर रखना चाहिए क्योंकि छोटी-छोटी बातों पर गृह क्लेश होने का मतलब यह होता है कि आप आपके घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास है, इसलिए गमला रखने से घर से नकारात्मक ऊर्जा बाहर चली जाती है।

कर्ज मुक्ति होकर आर्थिक स्थिति होती है मजबूत

जब किसी व्यक्ति के जीवन में बुरी दशा चल रही होती है, तो उसके बने-बनाए काम बिगड़ने लग जाते हैं और कुछ ऐसी स्थितियां बनने लग जाती हैं, जिससे कि व्यक्ति कर्ज में डूबता चला जाता है, इसलिए अगर आपको इन समस्याओं को दूर करना है, तो आपको घर की दक्षिण दिशा में खाली गमला रखना चाहिए। इससे आपको कर्ज से मुक्ति है और आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो जाती है।

वास्तु शास्त्र- ब्रह्म स्थान का हमेशा रखें ध्यान

घर में विभिन्न स्थानों एवं दिशाओं की अपनी एक अलग भूमिका होती है, किसी भी स्थान पर वास्तुदोष घर के सदस्यों को प्रभावित करता है। हमें अपने घर के ब्रह्म स्थान का सदा ध्यान रखना चाहिए। आइए जानते हैं कि ब्रह्म स्थान क्या है और कैसे ब्रह्म स्थान के दोष को दूर किया जा सकता है।

वास्तु शास्त्र में ब्रह्म स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है, किसी भी भूखण्ड के मध्यभाग को ब्रह्म स्थान या नाभि स्थान कहा जाता है। ब्रह्म स्थान का रहस्य वास्तु शास्त्र के अतिरिक्त दर्शन और आध्यात्म से संबंधित है। ब्रह्म स्थान का तत्व आकाश है।

संसार का अंतिम तत्व ब्रह्म या परमेश्वर को माना जाता है जो अघन्या, अविनाशी तथा निरपेक्ष है। पाश्चात्य विचारक इसे निरपेक्ष मानते हैं जबकि हिन्दू धम में शंकराचार्य ब्रह्म और आत्मजा को एक ही मानते हैं।

भारतीय परम्परा में धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्ष नामक चार पुरुषार्थ। भूखण्ड का ब्रह्म क्षेत्र इन्हीं पुरुषार्थों की प्राप्ति के लिए होता है, इसीलिए कहा गया है, छत का ब्रह्म क्षेत्र निर्दोष होना चाहिए। वहां किसी भी प्रकार का निर्माण नहीं होना चाहिए। ब्रह्म स्थान में गंदी, नई-पुरानी, छोटी या बड़ी वस्तु नहीं होनी चाहिए।

ब्रह्म स्थान में बीम, पीढ़ी, छज्जा और यहां तक की छत भी नहीं होना चाहिए। दोपहर को सूर्य की किरणें सीधी आनी चाहिए।

वास्तुशास्त्र कहता है कि नाभिस्थान खुला हुआ, सम्पूर्ण वस्तुओं से रहित न हो तो घर का स्वामी हृदय रोग से पीड़ित रहता है।

ब्रह्म स्थान के खुले होने से परिवार के लोग सुखी व सम्पन्न होते हैं।

ब्रह्म स्थान में ध्यान, जप, प्राणायाम लाभप्रद होते हैं, समाधि की प्रक्रिया सिद्ध होती है।

ब्रह्म स्थान के दोष दूर करने के उपाय -

ब्रह्म स्थान में निष्काम भाव से पूजा करें, ईश्वर की उपासना करें, कुछ मांगे नहीं।

ब्रह्म स्थान के नौ चौखानों के ऊपर एक-एक पिरामिड लगाने से यह दोष कम होता है।

गीता, रामायण आदि धार्मिक ग्रंथों का नियमित पाठ करने से सकारात्मक उर्जा के कारण वास्तु दोष प्रभावहीन रहता है।

ब्रह्म स्थान ठीक कर लेने से ईशान कोण का दोष व्यक्ति को कम प्रथावित करता है।

इस स्थान पर सत्संग, हरिकीर्तन, भजन आदि से यह दोष दूर हो जाता है।

ब्रह्म स्थन को दोष मुक्त रखने से भौतिक जीवन के दोष, कठिनाइयों तथा विरोधाभासों को दूर किया जा सकता है।

प्रसिद्ध वास्तुशास्त्रियों के दिशा-निर्देश अनुसार ब्रह्म स्थान को जानने के लिए किसी भूखण्ड या मकान की लम्बाई को तीन भागों में बांटिए, फिर उसकी चौड़ाई को चार भागों में बांटिए, सारे भागों को रेखाओं के माध्यम से इस तरह से मिलाएं कि वह चौकोर आकार में नजर आने लगे। इस प्रकार नौ वर्ग या आयात (चौभुज) बन जाएंगे। इनमें से सबसे बीचवाला भाग ब्रह्म स्थान होता है।

बच्चों को सोना नहीं चांदी की चेन पहनाइए, जानेंगे फायदा तो दंग रह जाएंगे

आजकल सोने की बढ़ती कीमतों के कारण इसे खरीदना बहुत मुश्किल हो गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बच्चों को चांदी की चेन पहनाना सोने बेहतर विकल्प होता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, चांदी चंद्रमा से जुड़ी है और बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए उत्तम मानी जाती है। आइए विस्तार से जानें बच्चों को चांदी की चेन पहनाने के लाभ... आज के समय में सोने का भाव इतना बढ़ गया है कि एक छोटी सी बाली खरीदने पर भी हमें कई बार सोचना पड़ रहा है। ऐसे में माता-पिता अपने बच्चों के लिए भी सोने की चेन नहीं खरीद पा रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सोना नहीं बल्कि चांदी की चेन बच्चों को पहनाना अति उत्तम माना गया है। इसके ज्योतिषी लाभ इतने अत्यंत शुभ हैं कि आप जानकर दंग रह जाएंगे। ऐसे में आप अपने छोटे बच्चों को चांदी की चेन पहना सकते हैं, इससे उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा बना रहता है। आइए विस्तार से जानते हैं बच्चों को चांदी की चेन पहनाने के विशेष लाभ...

चांदी का संबंध चंद्रमा ग्रह से

माना जाता है की चांदी चंद्रमा से जुड़ी होती है, जो मन, भावनाओं और शांति का प्रतिनिधित्व करती है। इसे हिंदू धर्म में बेहद पवित्र माना जाता है जिसे छोटे बच्चों को पहनाने से विशेष लाभ होता है। चांदी मन को शांत करता है और बच्चों के विकास के लिए भी बहुत अच्छा होता है। बता दें कि चंद्रमा को मानसिक स्थिति, सुंदरता, शीतलता और शांति का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में चांदी पहनने से इन सभी का प्रभाव बच्चों के जीवन पर भी देखने को मिलता है।

बच्चों को क्यों पहनाएं चांदी की चेन?

ज्योतिषशास्त्र में बताया गया है कि 14 वर्ष की उम्र तक बच्चों पर सभी ग्रहों से ज्यादा चंद्रमा का प्रभाव होता है। ज्योतिष के अनुसार, 14 साल तक बच्चों की कुंडली अजन्मी होती है, क्योंकि उनके जीवन पर केवल एक ग्रह चंद्रमा का प्रभाव रहता है और इसका संबंध चांदी से होता है। यही कारण है कि 14 साल तक के बच्चों को सोने की बजाए चांदी की चेन पहनाना सबसे उत्तम और फलदायी होता है। ऐसा करने से आपको उनके जीवन में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे।

क्या कहते आपके सितारे

मेष आज का दिन आपके लिए समस्याओं भरा रहने वाला है। आप अपने बिजनेस में यदि पार्टनरशिप में कोई डील फाइनल करेंगे, तो वह आने वाले समय में आपको अवश्य समस्या देगी। आप किसी परिजन के घर जा सकते हैं। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपकी तरक्की की राह में आ रही बाधा दूर होगी और आप अपने घर के रिनोवेशन का काम भी शुरू कर सकते हैं, जो विद्यार्थी कहीं बाहर जाकर पढ़ने की सोच रहे थे, तो उन्हें कोई बेहतर अवसर हाथ लगेगा।

वृषभ आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। नौकरी में आपको प्रमोशन मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ सकती है, लेकिन आप सभी कामों को समय से निपटाने की पूरी कोशिश करेंगे। आप किसी मांगलिक उत्सव में सम्मिलित हो सकते हैं। भाई व बहनों से आपकी खूब पटेगी और रक्त संबंधी रिश्तो में मजबूती आएगी।

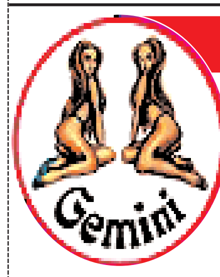

मिथुन आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। संतान के करियर को लेकर कोई डिसीजन आप थोड़ा धैर्य रख कर ले और आपकी बेवजह क्रोध करने की आदत के कारण परिवार के सदस्य भी नाराज रहेंगे। आपको अपनी डाइट पर भी पूरा ध्यान देना होगा, नहीं तो कमजोरी महसूस हो सकती है।

कर्क आज का दिन आपके लिए उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है। आप अपने बिजनेस में चल रही समस्याओं को लेकर परेशान रहेंगे, जिसके लिए आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से बातचीत की आवश्यकता होगी। शेयर मार्केट में आप थोड़ा सोच समझकर इन्वेस्टमेंट करें। आपका डूबा हुआ धन आपको मिल सकता है। विद्यार्थियों को बौद्धिक व मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। आपको किसी सामाजिक आयोजन में सम्मिलित होने का मौका मिल सकता है।

सिंह आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको किसी काम को लेकर जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा, लेकिन आपके लंबे समय से रुके हुए काम आसानी से पूरे होंगे। आप अपने घर के कामों में भी कोई बदलाव करने की सोचेंगे और रखरखाव पर भी पूरा ध्यान देंगे। आपके परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। सरकारी योजनाओं में धन लगाने से आपको बेहतर लाभ मिलेगा।

कन्या आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप कामों को लेकर योजना तो बनाएंगे, लेकिन आपकी कुछ योजनाओं पर विराम लग सकता है। लेकिन आपको उससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। आप अपनी मेहनत जारी रखें। संतान की फरमाइश पर आप उन्हें कहीं घुमाने लेकर जा सकते हैं। आप अपने खर्चों को थोड़ा कंट्रोल करके चले, नहीं तो आने वाले समय में आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

तुला आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपके घर परिवार में यदि किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप अपने घर मे किसी पूजा-पाठ का आयोजन कर सकते हैं। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आप किसी दूसरे की मदद के लिए भी आगे आएंगे। आप दानपुण्य के कार्यों में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे, लेकिन कार्यक्षेत्र में आप किसी से बेवजह न उलझे।

वृश्चिक आज का दिन किसी नई संपत्ति की खरीदारी के लिए रहेगा। आपकी सेहत कमजोर रहेगी। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। किसी पैतृक संपत्ति संबंधित मामले में आप बड़े सदस्यों से राय अवश्य लें, तभी फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। आप जीवनसाथी के लिए कोई नए बिजनेस की शुरुआत कर सकते हैं। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी को लेकर लॉन्ग ड्राइव पर जाने की योजना बनाएंगे।

धनु आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती भरा रहने वाला है। आपको अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलना होगा। किसी नए काम की शुरुआत करना आपके लिए अच्छा रहेगा। दोस्त आपको इन्वेस्टमेंट संबंधित कोई प्लान बता सकते हैं, जिसमें आप थोड़ा सोच समझकर ही धन लगाए। आपको किसी कानूनी मामले में निराशा हाथ लगेगी। आपकी बिजनेस को लेकर कोई रुकी हुई डील फाइनल हो सकती है।

मकर आज का दिन आपके लिए कामकाज के मामले में अच्छा रहने वाला है। आप इधर-उधर के कामों पर ध्यान थोड़ा कम लगाएंगे। आपको किसी दूसरे के मामले में भी बेवजह बोलने से बचना होगा। आप दिल से काफी खुश रहेंगे, इसलिए आप अच्छा सोचेंगे। आपकी वाणी की सौम्यता आपको मान-सम्मान दिलवाएगी। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से यदि खटपट चल रही थी, तो उसे भी आप दूर करने की पूरी कोशिश करेंगे।

कुंभ आज का दिन आपके लिए मेहनत व ईमानदारी से काम करने के लिए रहेगा। आप गलत तरीके से धन कमाने से बचें और आपको संतान के करियर पर पूरा ध्यान देना होगा, उन्हें एक नई राह दिखानी होगी। जीवनसाथी की सेहत में कुछ गिरावट आ सकती है, जिसको लेकर आप लापरवाही बिल्कुल ना करें। आपका कोई दूर रह रहा परिजन आपसे मेल मुलाकात करने आ सकता है। आपके बिजनेस में चांद लगेंगे

मीन आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपका कार्यक्षेत्र मे काम को लेकर आइडिया बॉस को खूब पसंद आएगा और वह आपसे काफी खुश रहेंगे। आपके प्रमोशन की बात भी आगे बढ़ सकती है। जीवनसाथी आपके कामों में आपका पूरा साथ देगी। आप अपने परिवार के सदस्यों को साथ मिल-बैठकर कुछ पुरानी यादों को ताजा करेंगे। आपकी किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जो आपकी धन संबंधित समस्याओं को दूर करने में काफी मदद करेंगी।

बच्चों को चांदी की चेन पहनाने के लाभ

चांदी चंद्रमा का प्रतिनिधित्व करती है और इसे पहनने से बच्चों की कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है। अगर आप अपने बच्चों को 14 साल की उम्र तक चांदी की चेन पहनाकर रखते हैं, तो इससे उनके जीवन से नकारात्मकता दूर होने लगती है। साथ ही, बच्चों का स्वास्थ्य भी इससे अच्छा बना रहता है। मान्यता है कि अगर बच्चे गले में हमेशा चांदी की चेन पहनकर रखते हैं, तो इससे उनके मानसिक विकास को बढ़ावा मिलता है और एकाग्रता भी बढ़ती है। ऐसे में अपने 14 साल तक के बच्चों को चांदी की चेन जरूर पहनानी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

भाषा विवाद के बीच महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला, 3 अक्तूबर को मनाएंगे मराठी दिवस

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में हिंदी थोपे जाने के आरोपों के बीच चल रहे भाषा विवाद पर नया मोड़ आ गया है। प्राइमरी स्कूलों में हिंदी अनिवार्य करने के फैसले के बाद अब महाराष्ट्र सरकार ने 3 अक्तूबर को शास्त्रीय मराठी भाषा दिवस मनाने का ऐलान किया है। शुक्रवार को इसकी जानकारी देते हुए सरकार की तरफ से कहा गया कि 3 से लेकर 9 अक्तूबर तक पूरा सप्ताह शास्त्रीय मराठी भाषा सप्ताह के रूप में मनाया जाएगा। महाराष्ट्र सरकार की तरफ से जारी आदेश में इस सप्ताह में होने वाले कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी दी गई। आदेश के मुताबिक पूरे हफ्ते शास्त्रीय मराठी भाषा सप्ताह मनाने के बाद इसी संबंध में कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन समारोहों का उद्देश्य मराठी के बारे में रिसर्च और जन जागरुकता को बढ़ाना और भाषा के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित किया जाना शामिल होगा। सरकार ने राज्य के सभी जिला कलेक्टरों को मराठी भाषा जिला समिति के प्रमुख के रूप में नामित किया और इसके साथ ही इस पूरे सप्ताह के दौरान कार्यक्रमों की रूप रेखा बनाने का निर्देश दिया। आदेश में कहा गया है, ÷शास्त्रीय मराठी भाषा सप्ताह के दौरान शास्त्रीय मराठी भाषा के विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान, सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशालाएं और शिविर आयोजित किए जाने चाहिए। शास्त्रीय मराठी ग्रंथों की प्रदर्शनी आयोजित की जानी चाहिए। साथ ही, ताम्रपत्र शिलालेखों/शिलालेखों की प्रदर्शनी आयोजित करके छात्रों और आम जनता को मराठी भाषा की शास्त्रीय साहित्यिक परंपरा से परिचित कराया जाना चाहिए।÷

कर्नाटक में पांच बाघों की मौत : मंत्री ने दो अधिकारियों को किया निलंबित

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खांडरे ने माले महादेश्वर (एमएम) पहाड़ियों में पांच बाघों की अप्राकृतिक मौत के संबंध में लापरवाही और कर्तव्य निर्वहन में चूक के लिए दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मंत्री ने इस मामले में उप वन संरक्षक (डीसीएफ) वाई चक्रपाणि को निलंबित करने की भी सिफारिश की है। एमएम हिल्स के हुग्याम रेंज में 26 जून को एक मादा बाघिन और उसके चार शावक मृत पाए गए थे। खांडरे ने चक्रपाणि के आचरण की विभागीय जांच की भी सिफारिश की। घटना के बाद तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। खांडरे का यह निर्णय अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एपीसीसीएफ) कुमार पुष्कर की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय जांच समिति द्वारा प्रस्तुत प्रारंभिक रिपोर्ट की समीक्षा के बाद आया।घटना की जांच के लिए इस समिति का गठन किया गया था। मंत्री ने समिति को 10 जुलाई तक अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। खांडरे के कार्यालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, बाघों की अप्राकृतिक मौत मामले में अधिकारियों की लापरवाही और कर्तव्यों का पालन ना करने के स्पष्ट सबूत हैं जिनके आधार पर मंत्री ने कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग से डीसीएफ वाई चक्रपाणि के निलंबन की सिफारिश की है। बयान में कहा गया है कि सहायक वन संरक्षक गजानन हेगड़े और संबंधित क्षेत्र के रेंज वन अधिकारी मदेश को निलंबित कर दिया गया है क्योंकि वे गश्ती कर्मचारियों की प्रभावी निगरानी करने में विफल रहे और वन संरक्षण के अपने मौलिक कर्तव्यों का निर्वहन करने में घोर लापरवाही बरती।

तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, पिता-पुत्र की मौत

शामली , एजेंसी। शामली थानाध्यक्ष जितेंद्र शर्मा ने संवाददाताओं को बताया कि वेदखेड़ी मोड़ के निकट यह दुर्घटना हुई और मृतकों की पहचान कौसर (40) व फरमान (छह) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और मामले की जांच की जा रही है। थानाध्यक्ष ने कहा कि ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

इटली में यौन दरिंदों पर सीधा वार : रेपिस्ट को मिलेगी 'केमिकल सजा', हो जाएंगे नपुंसक

रोम एजेंसी इटली सरकार अब रेप और बच्चों से यौन शोषण करने वालों के खिलाफ कड़ा कानून लाने जा रही है। इस कानून के तहत ऐसे अपराधियों को 'केमिकल कैस्ट्रेशन' की सजा दी जा सकेगी। यह एक दवा आधारित इलाज होता है। इसमें ऐसी दवाएं दी जाती हैं जो अपराधी का हवस का भूत यानि यौन इच्छा को बहुत कम कर देती हैं। यह इलाज पूरी तरह स्वैच्छिक यानी अपनी मर्जी से लिया जाएगा। यह वापस भी लिया जा सकता है यानी स्थायी नहीं होगा। अगर अपराधी यह इलाज स्वीकार करता है, तो उसे जेल की सजा में कुछ छूट दी जा सकती है। हाल के समय में इटली में कई बड़े यौन अपराध हुए हैं। खासकर बच्चों के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले बढ़े हैं। इन मामलों के बाद लोगों में काफी गुस्सा है। प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की सरकार और लीग पार्टी इस प्रस्ताव का समर्थन कर रही हैं। उनका कहना है कि इससे दोबारा अपराध होने से रोका जा सकेगा।कुछ विपक्षी नेता और मानवाधिकार संगठन इस कानून का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह इंसानों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। कुछ डॉक्टरों का मानना है कि हर यौन अपराध सिर्फ यौन इच्छा की वजह से नहीं, बल्कि गुस्से और नियंत्रण की भावना से भी होते हैं। सरकार ने इस पर काम शुरू कर दिया है। एक समिति बनाई गई है जो इस कानून का ड्राफ्ट तैयार करेगी।

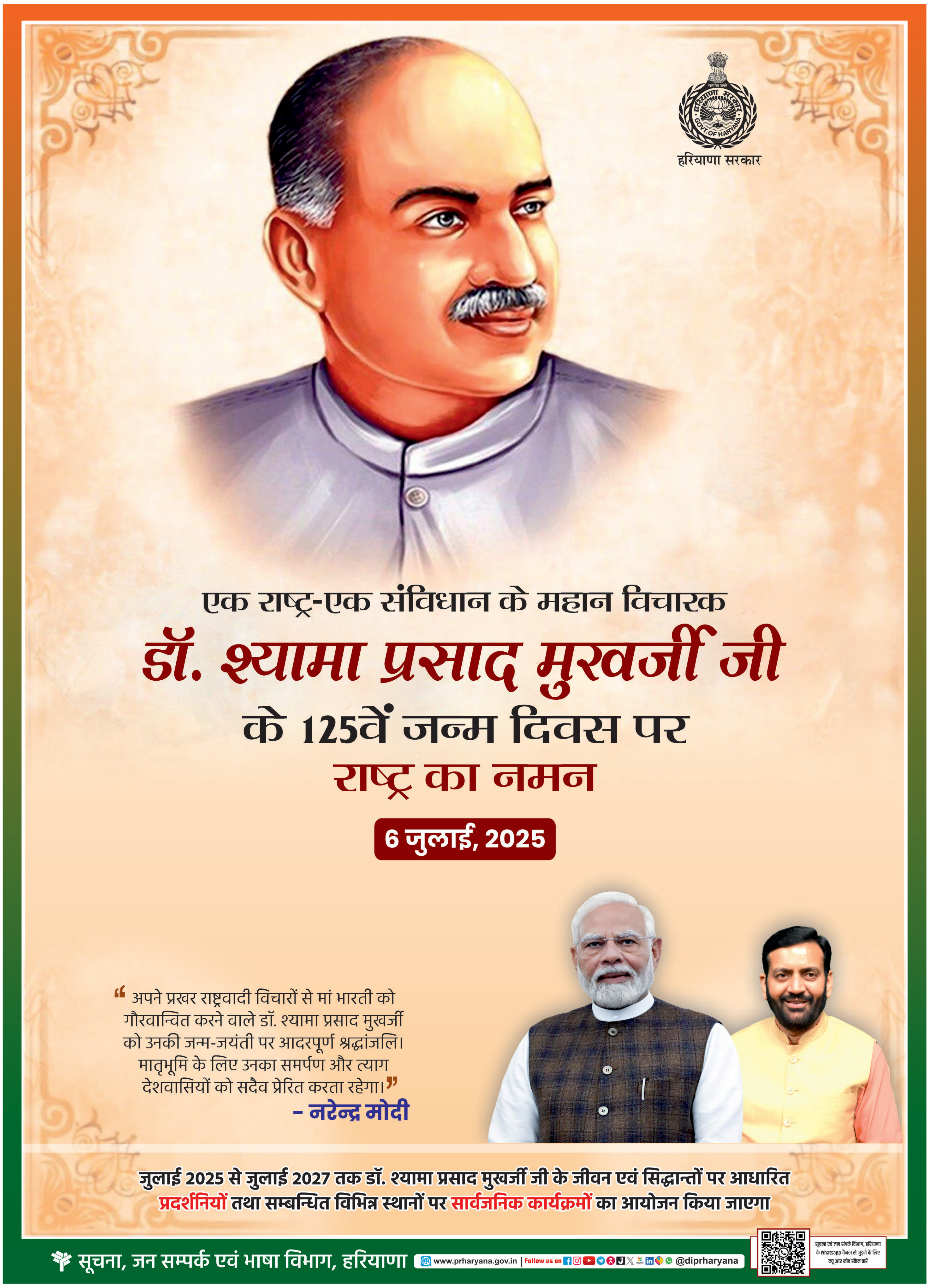

चैटजीपीटी ने दिखाया रास्ता... पलक झपकते ही बदल दी जिंदगी! महिला ने चुकाया 20 लाख का लोन

वाशिंगटन एजेंसी। आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिर्फ तकनीकी दुनिया में बदलाव नहीं ला रहा, बल्कि आम लोगों की ज़िंदगी में भी बड़ा फर्क डाल रहा है। अमेरिका की रहने वाली 35 साल की जेनिफर एलन इसकी एक सच्ची मिसाल हैं। उन्होंने एआई टूल चैटजीपीटी की मदद से करीब 20 लाख रुपये (25,000 डॉलर से ज़्यादा) का क्रेडिट कार्ड कर्ज चुकाया। जेनिफर पेशे से रियल एस्टेट एजेंट और साथ ही कंटेंट क्रिएटर भी हैं। आमदनी अच्छी थी, लेकिन फाइनेंशियल लिटरेसी यानी पैसों

पुतिन के हाइपरसोनिक मिसाइल हमले के बाद यूक्रेन का काउंटर अटैक

कीव, एजेंसी। यूक्रेन ने रूस पर पलटवार करते हुए शनिवार (05 जुलाई, 2025) को उसके मिलिट्री एअरफील्ड पर हमला किया। इस बात की जानकारी यूक्रेन की सेना ने सोशल मीडिया के जरिए दी। यूक्रेनी सेना ने एक बयान में कहा कि यूक्रेन के विशेष बलों ने शनिवार को वोरोनिश क्षेत्र में रूस के बोरिसोग्लबस्क सैन्य हवाई क्षेत्र पर हमला किया, जिसमें ग्लाइडर बम स्टोर और एक ट्रेनर एअरक्राफ्ट को निशाना बनाया गया। सेना ने आगे कहा कि अन्य विमानों पर भी हमला होने की संभावना है। हालांकि सेना ने इसकी कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। बयान में कहा गया, यह हवाई क्षेत्र दुश्मन के स्ब्व-34, स्ब्व-35स्र और स्ब्व-30स्रूविमानों का घरेलू बेस है। वहीं, रूस ने सबसे बड़ा हवाई हमला करते हुए ड्रोन और मिसाइलों से रात भर यूक्रेन को निशाना बनाया।

किराए के लिए ख़ाली है

1-3600 वर्ग फुट कमर्शियल हॉल सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी काम्प्लेक्स फ़रीदाबाद में।
2-1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड टी सी काम्प्लेक्स सेक्टर 10 फ़रीदाबाद में ।
3 - टू बेड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में ।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेकंड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फ़रीदाबाद में ।
इच्छुक व्यक्ति फ़ोन नंबर 9999446252,,9811157562 पर संपर्क करें ।

- सूचना -

फ़रीदाबाद ज़िला में भेदीनज़र समाचारपत्र में अपने समाचार,विज्ञापन देने और अख़बार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें -
1-गोपाल न्यूज़ एजेन्सी
अम्बेडकर चौक बल्लभगढ़
मोबाइल नम्बर-9811477 204
2-नरेंद्र बुक्स शाप
मूँगफली चौक ऐन.आई. टी. नम्बर -5 फ़रीदाबाद
मोबाइल नम्बर : 9810229192
3-दीक्षित न्यूज़ एजेन्सी ओल्ड फ़रीदाबाद
मोबाइल-98111 59238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं
कॉल करें
0120-4152063,
9811157 562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए
सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु. 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए
बम्पर ड्रा

- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2025से 31 दिसम्बर 2025तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2025 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम
- हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते है।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को कूपन छापेगा।

आर.एन.आई. नं.
DEL/HIN/2004/13528
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
1001/1002 दसवां तल नौरंग हाऊस, 21 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली -1 से प्रकाशित
एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा